गुवाहाटी व जोरहाट से एक साथ प्रकाशित

सच से समझौता नहीं

# प्रातः खबर

www.pratahkhabar.com

RNI NO. ASSHIN/2005/15049 PRATAH KHABAR, Guwahati, Saturday, 25 July, 2026 वर्ष 23 अंक 85, गुवाहाटी, शनिवार 25 जुलाई, 2026, आषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष-11 मूल्य : दस रुपये पेज-12

हारी पीवी सिंधु-10

भोजपुरी स्टार खेसारी लाल यादव पर भड़की मलाइका-12

**सुप्रभातम्**

सफलता हमारा परिचय दुनिया से करवाती है और असफलता हमें दुनिया का परिचय करवाती है।

# 500% ज्यादा बारिश की वजह से ऊपरी असम में आयी बाढ़ : हिमंत

*दिसपुर स्थित लोक सेवा भवन में शुक्रवार को पत्रकारों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा, वहीं दूसरी तस्वीर में शिवसागर के एक कैंप में अपने किताबों को सुखाते हुए छात्र।*

**गुवाहाटी, 24 जुलाई (ख.सं.)।** मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने आज ऊपरी असम में आयी भयानक बाढ़ के लिए नगालैंड और असम के कुछ हिस्सों में बहुत ज्यादा बारिश को जिम्मेदार ठहराया और बादल फटने या हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट से पानी छोड़े जाने की किसी भी तरह की भूमिका से इनकार किया। आज मुख्यमंत्री शर्मा ने बाढ़ से निपटने के उपायों को लेकर सभी जिला आयुक्तों और पुलिस अधीक्षकों तथा संबंधित अधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए एक समीक्षा बैठक की। बैठक की अध्यक्षता करने के बाद लोक सेवा भवन में एक पत्रकार सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि 18 जुलाई से 20 जुलाई के बीच नगालैंड के मोकोकचुंग, वोखा और मोन जिलों में बारिश बहुत ज्यादा लेवल पर पहुंच गयी, साथ ही असम के चराईदेव में भी बहुत ज्यादा बारिश रिकॉर्ड की गयी। इस दौरान नगालैंड में सामान्य से 181 प्रतिशत ज्यादा बारिश हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि हालांकि अकेले मोकोकचुंग में सामान्य से 493 प्रतिशत ज्यादा बारिश हुई, वोखा में सामान्य से 108 प्रतिशत ज्यादा, जबकि सोमवार को सामान्य से 45 प्रतिशत ज्यादा बारिश हुई। उन्होंने कहा कि असम के चराइदेव जिले में एक ही समय में सामान्य से 436 प्रतिशत ज्यादा बारिश हुई, जबकि पड़ोसी शिवसागर में सामान्य से 134 प्रतिशत ज्यादा बारिश हुई। शर्मा ने कहा कि आमतौर पर इस समय चराइदेव में लगभग 31.7 बारिश होती है, लेकिन यहां लगभग 170 बारिश हुई। इसी तरह शिवसागर में सामान्य बारिश लगभग 39.9 होती है, लेकिन यहां 93.2 बारिश हुई। उनके अनुसार इतनी ज्यादा बारिश ने एक ऐसी अनोखी शेष पृष्ठ आठ पर

## 80 हजार प्रभावितों तक राहत पहुंचाना अब भी चुनौती

**गुवाहाटी, 24 जुलाई (ख.सं.)।** मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज कहा कि राज्य सरकार अभी तक बाढ़ प्रभावित कम से कम 80,000 लोगों तक राहत सामग्री नहीं पहुंचा सकी है, क्योंकि सभी इलाकों तक पहुंचने का कोई प्रभावी रास्ता प्रशासन को अभी तक नहीं मिल पाया है। उन्होंने यहां आयोजित एक प्रेस वार्ता में यह भी कहा कि राज्य में करीब 75 प्रतिशत उपभोक्ताओं की बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गयी है, लेकिन इसके बावजूद लगभग 40,000 घर अब भी बिजली से वंचित हैं। शर्मा ने कहा कि हम सभी लोगों तक राहत सामग्री पहुंचाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं, लेकिन फिर भी कई लोग छूट गये हैं। नजीरा विधानसभा क्षेत्र में, 30 प्रतिशत इलाके या लगभग 50,000 लोगों तक नहीं पहुंचा जा सका है। शिवसागर में, 20 प्रतिशत इलाके या 30,000 लोगों तक नहीं पहुंच पाए हैं। यह संख्या 10,000 कम या ज्यादा हो सकती है (उन 80,000 प्रभावित लोगों में से जिन तक अभी पहुंचना बाकी है)। उन्होंने कहा कि हालांकि ज्यादातर जगहों पर पानी कम होने लगा है, लेकिन सड़कों पर गाद और कीचड़ की मोटी परत जम जाने के कारण कई स्थानों पर लोगों का संपर्क लगभग पूरी तरह कट गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि चराइदेव जिले में आज तक सभी इलाकों में राहत सामग्री भेज दी गयी है। शर्मा ने कहा कि बाढ़ की स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है और ऊपरी असम के सबसे अधिक प्रभावित तीन जिलों में कई मंत्रियों को राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी के लिए तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि हमने हवाई मार्ग से राहत सामग्री गिराने की भी कोशिश की, लेकिन इस प्रक्रिया में राहत सामग्री क्षतिग्रस्त हो गयी। आज हम भारतीय वायुसेना की पूर्वी वायु कमान के अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे, ताकि यह तय किया जा सके कि राहत सामग्री की पैकेजिंग किस तरह की जाए, जिससे गिराने के दौरान उसे नुकसान न पहुंचे। शर्मा ने कहा कि हालांकि कुछ इलाके अब भी प्रशासन की पहुंच से बाहर हैं, लेकिन हर प्रभावित क्षेत्र तक राहत पहुंचाने के लिए युद्धस्तर पर प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि असम के अन्य जिलों से अतिरिक्त नौकाएं, राहत सामग्री और आवश्यक वस्तुएं भेजी जा रही हैं, जिससे शेष कटे हुए इलाकों तक भी जल्द से जल्द सहायता पहुंचा दी जाएगी। असम में आज भी बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी रही। लगातार हो रही बारिश के कारण कई नदियां उफान पर हैं। अब तक बाढ़ से 47 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि शेष पृष्ठ आठ पर

## पीड़ितों की मदद के लिए केंद्र-राज्य सरकारें एकजुट : सोनोवाल

**गुवाहाटी, 24 जुलाई (ख.सं.)।** केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने असम की गंभीर बाढ़ स्थिति पर गहरा दुख और चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि केंद्र और राज्य सरकारें इस संकट के समय में हर प्रभावित नागरिक के साथ मजबूती से खड़ी हैं। उन्होंने बताया कि असम में बाढ़ ने अत्यंत जटिल रूप धारण कर लिया है, जिससे राज्य के 11 जिलों के 7.42 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। इस प्राकृतिक आपदा में विशाल कृषि भूमि, मवेशियों और कई व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को भारी नुकसान पहुंचा है, जबकि करीब 47 लोगों की जान जा चुकी है। उन्होंने बाढ़ में मारे गये लोगों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। इसके साथ ही उन्होंने उल्लेख किया कि लापता लोगों की तलाश के लिए राज्य सरकार युद्ध स्तर पर बचाव अभियान चला रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में असम की बाढ़ स्थिति पर विशेष रूप से चर्चा की गई। बाढ़ के पहले दिन से ही केंद्र और राज्य सरकार के बीच निरंतर समन्वय बना हुआ है तथा केंद्र सरकार ने असम के मुख्यमंत्री शेष पृष्ठ आठ पर

## जोराबाट में बिना रोक-टोक के पहाड़ी कटाई से गुवाहाटी हो सकता है अनमैनेजेबल

**गुवाहाटी, 24 जुलाई (ख.स.)।** राज्य सरकार ने आज चेतावनी दी कि जोराबाट के आसपास बिना रोक-टोक के डेवलपमेंट और पहाड़ी कटाई से गुवाहाटी को गंभीर खतरा है। सरकार ने कहा कि पहाड़ियों से बहकर आने वाला पानी लैंडस्लाइड और शहरी बाढ़ को बढ़ा रहा है और इससे शहर अनमैनेजेबल हो सकता है। राज्य में बाढ़ से निपटने के लिए सीनियर अधिकारियों के साथ मीटिंग करने के बाद दिसपुर में लोक सेवा भवन में एक प्रेस कांफ्रेंस में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि यह मामला पहले से ही सुप्रीम कोर्ट के सामने है और कोर्ट द्वारा बनायी गयी एम्पावर्ड कमेटी की जांच के आधार पर इस पर बहस की जाएगी। शर्मा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा बनायी गयी एम्पावर्ड कमेटी ने इस मामले की जांच की है और उन्होंने एक बहुत ही खतरनाक रिपोर्ट दी है, जिसमें कहा गया है कि जोराबाट में डेवलपमेंट, खासकर यूएसटीएम और आसपास के इलाकों में गुवाहाटी के लिए बहुत बड़ा खतरा होगा। उन्होंने कहा कि कमिटी इस नतीजे पर पहुंची है कि गुवाहाटी में जो बाढ़ और पानी जमा हुआ है, उसका बॉर्डर के मेघालय साइड पर हो रहे डेवलपमेंट से गहरा संबंध है। उन्होंने कहा कि आज गुवाहाटी जो कुछ भी झेल रहा है, वह जोराबाट और उसके आसपास हो शेष पृष्ठ आठ पर

## तीन बाढ़ प्रभावित जिलों के लिए अतिरिक्त पूंजी जारी : महंत

**गुवाहाटी, 24 जुलाई (ख.सं.)।** असम के तीन बाढ़ प्रभावित जिलों के लिए राज्य सरकार द्वारा अतिरिक्त धनराशि आवंटित की गयी है। इस संबंध में जानकारी देते हुए राजस्व मंत्री केशव महंत ने राज्य विधानसभा में बताया कि बाढ़ राहत और पुनर्वास कार्यों को गति देने के लिए यह अतिरिक्त धनराशि जारी किया गया है। उन्होंने प्रश्नकल के दौरान बताया कि चराईदेव जिले के लिए 4 करोड़ रुपये और शिवसागर जिले के लिए भी 4 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि आवंटित की गयी है। इसके साथ ही जोरहाट जिले के लिए भी 1 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राशि जारी कर दिया गया है। सरकार द्वारा आवंटित यह अतिरिक्त धनराशि प्रभावित क्षेत्रों में तुरंत राहत कार्य और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने में उपयोग की जाएगी।

## एनएससीएन (आईएम) के एक नये गुट ने की अंतरिम सरकार की घोषणा

**कोहिमा, 24 जुलाई (भा)।** एनएससीएन (आईएम) से अलग हुए नेताओं के एक समूह ने अंतरिम सरकार बनाने का एलान किया है। उनका दावा है कि लगभग तीन दशक पहले केंद्र सरकार के साथ हुए युद्धविराम समझौते की भावना अब खत्म हो चुकी है। नये ईस्टर्न फ्लैंक गुट ने एनएससीएन (आईएम) के दिवंगत सह-संस्थापक इसाक चिशी स्वू के बेटे इकाटो आई चिशी स्वू को अंतरिम सरकार का अध्यक्ष और एचएस रामसन को उपाध्यक्ष घोषित किया। कई अन्य लोगों को अंतरिम सरकार का सदस्य और सलाहकार बनाया गया। इकाटो आई चिशी स्वू और रामसन, दोनों ही उन नेताओं में शामिल थे, जिन्हें हाल ही में एनएससीएन (आईएम) से निकाल दिया गया था। इकाटो आई चिशी स्वू के अंतरिम सरकार शेष पृष्ठ आठ पर

## मिजोरम : 6.89 करोड़ से अधिक के ड्रग्स जब्त, दो गिरफ्तार

**एजल, 24 जुलाई (भा)।** मिजोरम में मादक पदार्थ रोधी तीन अलग-अलग अभियानों में 6.89 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किये गये। पुलिस ने आज यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इन बरामदगियों के सिलसिले में असम के एक व्यक्ति सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि सबसे बड़ी बरामदगी 21 जुलाई की तड़के हुई, जब भारत-म्यांमार सीमा के निकट चंफाई जिले के मुअलरावत के पास जोखावथार-मेलबुक मार्ग पर स्कूटर सवार दो लोगों को रोका गया। उन्होंने बताया कि पुलिस गश्ती दल को देखकर दोनों संदिग्ध स्कूटर छोड़कर फरार हो गये। उन्होंने बताया कि स्कूटर की तलाशी लेने पर 6.73 किलोग्राम मेथामफेटामीन शेष पृष्ठ आठ पर

# केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रश्नपत्र लीक के लिए कड़ी सजा के प्रावधान वाले विधेयक के मसौदे को दी मंजूरी

## एनटीए ने किया 47 अधिकारियों को बर्खास्त

**नयी दिल्ली, 24 जुलाई (भा)।** केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रश्नपत्र लीक के मामलों में कड़ी सजा का प्रावधान सुनिश्चित करने के लिए एक विधेयक के मसौदे को आज मंजूरी दे दी। इसमें 10 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान भी शामिल है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कल घोषणा की थी कि अगले हफ्ते संसद में एक विधेयक पेश किया जाएगा, जिसमें प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ सख्त प्रावधान होंगे। इस घोषणा के कुछ घंटे बाद मंत्रिमंडल ने मसौदे को मंजूरी दी। सूत्रों ने बताया कि संसद भवन परिसर में प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में प्रश्नपत्र लीक के मामलों में शामिल लोगों को मौजूदा कानूनों की तुलना में अधिक कड़ी सजा देने का प्रावधान करने के लिए एक विधेयक के मसौदे को मंजूरी दी गयी। सूत्रों ने बताया कि इस विधेयक के जरिए लोक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) विधेयक, 2024 में संशोधन किया जायेगा। इसमें प्रश्नपत्र लीक में शामिल व्यक्तियों के लिए कम से कम पांच साल की जेल की सजा और/या जुर्माने का प्रस्ताव किया गया है। सूत्रों के अनुसार इसमें संगठित तरीके से किये गये प्रश्नपत्र लीक के मामलों में 10 साल तक की जेल की सजा और अधिकतम 10 करोड़ रुपये के जुर्माने का प्रावधान प्रस्तावित किया गया है। मौजूदा कानून में व्यक्तिगत रूप से शामिल लोगों के लिए तीन से पांच साल तक की कैद का प्रावधान है, जबकि संगठित रूप से धोखाधड़ी और प्रश्नपत्र लीक जैसे अपराधों में शामिल लोगों के लिए पांच से 10 साल तक की कैद और कम से कम एक करोड़ रुपये के जुर्माने का प्रावधान है। इस विधेयक का उद्देश्य उन संगठित गिरोहों और संस्थानों को गलत कृत्य करने से रोकना है, जो आर्थिक लाभ के लिए अनुचित साधनों का सहारा लेते हैं। साथ ही अभ्यर्थियों को इसके प्रावधानों से संरक्षण प्रदान करना है। मौजूदा कानून का उद्देश्य यूपीएससी, एसएससी आदि जैसी भर्ती परीक्षाओं और नीट, जेईई तथा सीयूईटी जैसी प्रवेश परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक, कदाचार और शेष पृष्ठ आठ पर

## नीट प्रश्नपत्र लीक को रोकने संबंधी कदमों की करेंगे कड़ी निगरानी : एससी

**नयी दिल्ली, 24 जुलाई (भा)।** उच्चतम न्यायालय ने आज केंद्र सरकार से कहा कि वह राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) के प्रश्नपत्र लीक को रोकने के लिए उठाये जा रहे कदमों की कड़ी निगरानी करेगा। न्यायालय ने यह भी कहा कि वर्षों से चली आ रही तदर्थ व्यवस्थाओं ने परेशानी खड़ी की है। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन (एफएआईएमए) की अर्जी समेत कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रही न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक अराधे की पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि केंद्र सरकार परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने, भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व अध्यक्ष शेष पृष्ठ आठ पर

# विपक्ष प्रधान के इस्तीफे पर अड़ा, मानसून सत्र का पहला सप्ताह चढ़ा हंगामे की भेंट

**नयी दिल्ली, 24 जुलाई (भा)।** नीट परीक्षा प्रश्नपत्र लीक मामले पर चर्चा से पहले शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर अड़े विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण आज भी संसद के दोनों सदनों में गतिरोध कायम रहा और लोकसभा एक बार के स्थगन, वहीं राज्यसभा दो बार के स्थगन के बाद दिन भर के लिए स्थगित कर दी गयी। मानसून सत्र की शुरुआत से ही दोनों सदनों में कोई महत्वपूर्ण विधायी कामकाज नहीं हो सका तथा प्रश्नकाल और शून्यकाल भी नहीं चल सके। लोकसभा की बैठक सुबह शुरू होते ही अध्यक्ष ओम बिरला ने 26 जुलाई को मनाये जाने वाले कारगिल विजय दिवस का उल्लेख किया। इसके बाद सदन ने कारगिल संघर्ष में सर्वोच्च बलिदान देने वाले सशस्त्र बलों के जवानों को मौन रखकर शेष पृष्ठ आठ पर

# बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने दिया इस्तीफा

**ढाका, 24 जुलाई (भा)।** बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने अपने कार्यकाल के खत्म होने से दो साल पहले ही आज इस्तीफा दे दिया। वह अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के पूर्व सहयोगी थे। संसद के अध्यक्ष हफीजुद्दीन अहमद को संबोधित त्यागपत्र में 76 वर्षीय नेता ने कहा कि वह गंभीर रूप से बीमार हैं और उन्हें दिल की बीमारी, उच्च रक्तचाप, मधुमेह और किडनी से जुड़ी समस्याएं हैं। शहाबुद्दीन ने त्यागपत्र में लिखा कि हाल ही में चिकित्सकीय परीक्षण में ऑटोनॉमिक न्यूरोपैथी नाम की बीमारी का पता चला है। इस बीमारी की वजह से, कभी-कभी मैं कुछ देर के लिए अचेत हो जाता हूं। इन बीमारियों के कारण मैं राष्ट्रपति जैसे महत्वपूर्ण संवैधानिक पद की जिम्मेदारियों को निभाने में शारीरिक शेष पृष्ठ आठ पर

## हिमाचल : वाहन पर चट्टानें गिरने से 13 लोगों की मौत

**शिमला, 24 जुलाई (भा)।** हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति में उदयपुर-पांगी मार्ग पर पहाड़ी से विशाल चट्टानें एक टैक्सी पर गिरने से आज छह महीने के एक शिशु समेत 13 लोगों की मौत हो गयी, जबकि दो अन्य लोग बाल-बाल बच गये। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि कुल्लू से किलाड़ जा रहे वाहन में 15 लोग सवार थे। इसने बताया कि कडू नाला के निकट विशाल चट्टानें गिरने से वाहन पूरी तरह उसके नीचे दब गया और वाहन के पिछले हिस्से में आग लग गयी। मौके पर मौजूद राहगीरों और सेना के जवानों ने आग बुझाने का प्रयास किया। इस घटना के वीडियो भी सामने आए हैं, जिनमें वाहन को पूरी तरह क्षतिग्रस्त और आग की लपटों से घिरा हुआ देखा जा सकता है। घटना की पुष्टि करते हुए भरमौर के विधायक जनक राज ने कहा कि वाहन में सवार 15 लोगों में से 13 की मौत हो गयी, जबकि वाहन से बाहर कूदे दो लोग बच गये। उन्होंने शेष पृष्ठ आठ पर

# अश्लील सामग्री प्रदर्शित करने व कानूनों का उल्लंघन करने पर 50 ओटीटी प्लेटफॉर्म किये गये बंद

**नयी दिल्ली, 24 जुलाई (भा)।** सरकार ने आज संसद में कहा कि अश्लील सामग्री प्रदर्शित करने और संबंधित कानूनों का उल्लंघन करने पर पिछले दो वर्ष में 50 ओटीटी प्लेटफॉर्म को बंद किया गया है। इसके साथ ही सरकार ने कहा कि उसने सोशल मीडिया मंचों पर बाल यौन शोषण सामग्री (सीएसएएम) से जुड़े विज्ञापनों की हालिया खबरों को गंभीरता से लिया है और उन्हें तत्काल सुधारात्मक उपाय करने के लिए नोटिस जारी किये गये हैं। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने भी इन सोशल मीडिया मंचों को नोटिस जारी किया है। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पिछले दो वर्ष में अश्लील सामग्री प्रदर्शित करने और आईटी अधिनियम, भारतीय न्याय संहिता और महिलाओं का अश्लील प्रतिनिधित्व (निषेध) अधिनियम, 1986 के प्रावधानों के उल्लंघन के लिए भारत में सार्वजनिक पहुंच हेतु 50 ओटीटी प्लेटफॉर्म को भी बंद कर दिया गया है। वैष्णव ने एक सवाल के लिखित जवाब में राज्यसभा को यह जानकारी दी। उनसे शेष पृष्ठ आठ पर

**गुप्त-गू**

॥ श्री हरि ॥

**शोक-संदेश**

जन्म : 10.06.1965

स्वर्गारोहण : 22.07.2026

**स्व. सुरेंद्र कुमार सेठिया (नेत्रदानी)**

अत्यंत दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारे प्रिय सुरेंद्र कुमार सेठिया (सुपुत्र स्व. अजय सिंह जी सेठिया, गंगाशहर निवासी) का स्वर्गवास दिनांक 22.07.2026 बुधवार को दिल्ली में हो गया है।

** शोकाकुल **

रणजीत - प्रेमलता सेठिया (अग्रज - अग्रजवधु)
नरेंद्र - संगीता सेठिया (अनुज - अनुजवधु)
प्रेम - किशोर जी बैद (बहन - बहनोई)
स्वीटी - सुमित जी अग्रवाल (भतीजी - भतीजी दामाद)
पूजा - अंकित जी छाजेड़ (पुत्री - पुत्री दामाद)
विनय - रीता सेठिया (भतीजा - भतीजावधु)
तन्मय - ज्योति सेठिया (भतीजा - भतीजावधु)
संदीप - अरुणा सेठिया (पुत्र - पुत्रवधु)
नवीन - प्रज्ञा सेठिया (भतीजा - भतीजावधु)
अभिषेक - ज्योति सेठिया (भतीजा - भतीजावधु)

पलक पार्श्वी, आराध्या, मेहान, अमायरा शानवी,
इवाना, ग्रीभीका एवं एकांश (पौत्र-पौत्री)
दिवित, सनय एवं धारवी (द्रोहिता-द्रोहिती)
प्रतिष्ठान एवं निवास स्थान
मेसर्स अजय सिंह सुरेंद्र कुमार
बिलासीपाड़ा (असम)

-: निवास स्थान :-

A.S Group Associates Bilasipara, Delhi

**बैठक**

दिनांक 27.07.2026 (सोमवार) को अपराह्न 3 बजे से सायं 6 बजे तक, बिलासीपाड़ा निवास स्थान पर

संपर्क सूत्र - 94351-25533, 70025-93092

पेज : 6 संवाद से सशक्त होगा लोकतंत्र, हिंसा से नहीं

पेज : 8 झारखंड में गोलीबारी : अपराधियों के गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

पेज : 9 खाटू श्याम जी, पुष्कर और रामदेवरा का बदलेगा स्वरूप

प्रातः खबर
गुवाहाटी, शनिवार, 25 जुलाई, 2026

# आपदा प्रभावित परिवारों के पुनर्वास के लिए भूमि खोजना बड़ी चुनौती : महंत

**गुवाहाटी, 24 जुलाई (ख.सं.)।** राज्य सरकार को प्राकृतिक आपदाओं के कारण बेघर हुए लोगों के पुनर्वास के लिए उपयुक्त सरकारी भूमि की पहचान करने में एक बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। इस बात की जानकारी राजस्व और आपदा प्रबंधन मंत्री केशव महंत ने आज विधानसभा में दी। बाढ़ और कटाव से विस्थापित हुए लोगों के पुनर्वास पर लाये गये एक निजी संकल्प प्रस्ताव का जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि हालांकि राज्य में भूमिहीन नागरिकों के पुनर्वास के लिए कानूनी प्रावधान और भूमि आवंटन नीतियां पहले से मौजूद हैं, लेकिन उपयुक्त सरकारी भूमि की उपलब्धता एक बड़ी बाधा बनी हुई है। उन्होंने कहा कि असम भूमि और राजस्व विनियमन 1886 जैसे कानून और विभिन्न सरकारों द्वारा बनायी गयी भूमि आवंटन नीतियां भूमिहीन लोगों के पुनर्वास का प्रावधान करती हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि असम भूमि नीति 2019 प्राकृतिक आपदाओं के कारण बेघर हुए परिवारों को प्राथमिकता देती है। महंत ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने भूमिहीन परिवारों के पुनर्वास के प्रति सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण अपनाया है और इस प्रक्रिया को और मजबूत करने के लिए मौजूदा भूमि नीति में संशोधनों का प्रस्ताव दिया है। मंत्री ने ध्यान दिलाया कि उपलब्ध सरकारी भूमि के एक बड़े हिस्से पर पहले से ही अतिक्रमण हो चुका है, जिसमें स्वयं भूमिहीन परिवार भी शामिल हैं, जिससे नये सिरे से भूमि का आवंटन करना मुश्किल हो गया है। उन्होंने आगे कहा कि चर क्षेत्रों का चल रहा सर्वेक्षण सरकारी भूमि की पहचान करने में मदद करेगा, जिसे आवश्यक कानूनी प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद पुनर्वास के लिए आवंटित किया जा सकता है। चर्चा के दौरान कांग्रेस विधायक अब्दुल रहीम अहमद ने इस समस्या से निपटने के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों तरह के उपायों का आह्वान किया। वहीं जाकिर हुसैन सिकदर ने कहा कि जब कटाव से विस्थापित परिवार राज्य के अन्य हिस्सों में जाते हैं तो कई बार उनके साथ बाहरी जैसा व्यवहार किया जाता है। उन्होंने सरकार से ऐसे परिवारों को कटाव-प्रभावित प्रमाण पत्र जारी करने और उनका उचित पुनर्वास सुनिश्चित करने का आग्रह किया। इसके अलावा रायजोर दल के विधायक महबूब मुक्तार ने कटाव प्रभावित परिवारों द्वारा झेली जाने वाली आर्थिक कठिनाइयों को रेखांकित किया और आरोप लगाया कि विस्थापन के बाद कई परिवारों को सामाजिक और प्रशासनिक भेदभाव का सामना करना पड़ता है। एआईयूडीएफ विधायक मुजीबुर रहमान और टीएमसी विधायक शेरमान अली अहमद ने भी भूमिहीन लोगों की दुर्दशा पर चिंता व्यक्त की और पुनर्वास मुद्दों को हल करने में विफल रहने के लिए पिछली सरकारों की आलोचना की।

## विधानसभा के गलियारे से

# एएसटीसी का वित्तीय संकट

### 10 सालों में आय से अधिक रहा खर्च

**गुवाहाटी, 24 जुलाई (ख.सं.)।** असम के परिवहन मंत्री चरण बोडो के अनुसार वर्ष 2016 से 2026 के दौरान असम राज्य परिवहन निगम (एएसटीसी) की वित्तीय स्थिति यह दर्शाती है कि निगम का खर्च लगातार उसकी अपनी कमाई से अधिक बना रहा है। निर्दलीय विधायक अखिल गोगोई द्वारा पूछे गये एक सवाल के लिखित जवाब में मंत्री ने बताया कि साल 2016-17 में निगम की आय 11,704.23 लाख रुपये और खर्च 19,490.80 लाख रुपये दर्ज किया गया था। वर्ष 2017-18 में आय 15,013.86 लाख रुपये और खर्च 20,388.81 लाख रुपये रहा, जबकि 2018-19 में आय 16,504.61 लाख रुपये और खर्च 20,371.52 लाख रुपये हुआ। वर्ष 2019-20 के दौरान निगम की आय घटकर 11,398.23 लाख रुपये रह गई, जबकि खर्च बढ़कर 21,180.13 लाख रुपये तक पहुंच गया। इसके बाद के वर्षों में, 2020-21 के दौरान 12,521.65 लाख रुपये की आय के मुकाबले 20,785.54 लाख रुपये का खर्च दर्ज किया गया। वर्ष 2021-22 में आय में भारी गिरावट आयी और यह घटकर 8,019.67 लाख रुपये रह गयी, जबकि खर्च 18,673.08 लाख रुपये रहा। वर्ष 2022-23 में आय बढ़कर 12,485.63 लाख रुपये हुई और खर्च 20,822.93 लाख रुपये दर्ज किया गया। वर्ष 2023-24 में निगम को 11,309.17 लाख रुपये की आय के मुकाबले 22,225.22 लाख रुपये खर्च करने पड़े। वहीं 2024-25 में आय 12,062.02 लाख रुपये और खर्च 19,903.13 लाख रुपये रहा। वित्तीय वर्ष 2025-26 में निगम की स्थिति में सुधार देखा गया और आय बढ़कर 25,262.33 लाख रुपये तक पहुंच गयी, हालांकि इस अवधि में कुल खर्च भी बढ़कर 28,306.78 लाख रुपये दर्ज किया गया। दूसरी ओर, वर्ष 2016 से 2026 की इस पूरी दस वर्षीय अवधि के दौरान परिवहन आयुक्तालय की कुल अपनी आय 11,490.78 करोड़ रुपये रही, जबकि आवंटित बजट के विपरीत कुल खर्च 1,39,338.9055 लाख रुपये दर्ज हुआ।

# 3.12 लाख हेक्टेयर वन भूमि पर अतिक्रमण

**गुवाहाटी, 24 जुलाई (ख.सं.)।** राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री केशव महंत के अनुसार असम के 27 जिलों के कुल क्षेत्रफल 3,35,16,927 बीघा, 1 कठा और 8 लेचा है। इसमें से 3,33,681 बीघा, 0 कठा और 8 लेचा भूमि पीजीआर के रूप में 5,90,124 बीघा, 1 कठा और 14 लेचा भूमि वीजीआर के रूप में और 8,83,911 बीघा, 0 कठा और 2 लेचा भूमि जलाशयों के अंतर्गत आती है। विपक्ष के नेता वाजिद अली चौधरी के पूछे गए एक सवाल के लिखित जवाब में मंत्री ने आगे बताया कि राज्य में कुल 18,01,953.536 हेक्टेयर वन भूमि मौजूद है। असम की कुल भूमि में से 16,144.0117 हेक्टेयर (1,20,675 बीघा, 1 कठा, 17 लेचा) पर अरुणाचल प्रदेश, 3,441.8601 हेक्टेयर (25,727 बीघा, 3 कठा, 7 लेचा) पर मेघालय, 3,675.78 हेक्टेयर (27,476 बीघा, 1 कठा, 0 लेचा) पर मिजोरम और 59,490.21 हेक्टेयर (4,44,685 बीघा, 1 कठा, 0 लेचा) पर नगालैंड राज्य का अवैध कब्जा है। वर्तमान में असम की 3,12,982.175 हेक्टेयर वन भूमि पर अतिक्रमण हो चुका है। वर्तमान में 1,38,678 बीघा, 1 कठा और 19 लेचा पीजीआर भूमि, 2,98,708 बीघा, 2 कठा और 10 लेचा वीजीआर भूमि तथा 71,660 बीघा, 0 कठा और 15 लेचा जलाशय भूमि पर भी अतिक्रमण दर्ज किया गया है।

# गिग वर्कर्स के लिए कल्याण बोर्ड बनाने की मांग

**गुवाहाटी, 24 जुलाई (ख.सं.)।** असम विधानसभा में कांग्रेस विधायक जुबैर अनम मजूमदार ने एक निजी संकल्प के माध्यम से गिग वर्कर्स का मुद्दा उठाते हुए राज्य सरकार से उनके लिए एक कल्याण बोर्ड बनाने और व्यापक सामाजिक सुरक्षा प्रणाली लागू करने की अपील की। उन्होंने कहा कि गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स एक समानांतर अर्थव्यवस्था का हिस्सा हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें उचित पहचान और पेशेवर सुरक्षा नहीं मिलती है। मजूमदार ने ऐप-आधारित परिवहन, फूड डिलीवरी, ई-कॉमर्स डिलीवरी, लॉजिस्टिक्स, होम सर्विसेज और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म से जुड़े कामगारों को इसमें शामिल करने पर जोर दिया। मजूमदार ने गिग वर्करों की स्थिति पर दुख जताते हुए कहा कि वे कोई अदृश्य ताकत नहीं बल्कि जीते-जागते इंसान हैं, लेकिन उन्हें वह सम्मान और मान्यता नहीं दी जाती जिसके वे हकदार हैं। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि कई अपार्टमेंट ई-कॉमर्स कंपनियों के प्रतिनिधियों को लिफ्ट का उपयोग तक नहीं करने देते, जबकि पालतू कुत्तों को इसकी अनुमति होती है। उन्होंने अफसोस जताया कि देश में काम की गरिमा को अभी तक उचित पहचान नहीं मिली है और व्यक्ति की प्रतिष्ठा को अक्सर उसकी आर्थिक स्थिति से तोला जाता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि गिग वर्करों के पास न तो कोई सामाजिक सुरक्षा है और न ही अपनी शिकायतों के समाधान के लिए कोई व्यवस्था। मजूमदार ने कहा कि हालांकि समाज की मानसिकता बदलने में समय लगेगा, लेकिन गिग वर्करों को एक गरिमापूर्ण जीवन और सम्मान दिलाने का सबसे त्वरित और प्रभावी तरीका उनके अधिकारों के लिए कड़ा कानून बनाना है।

# नदी कटाव से 6.96 लाख बीघा जमीन डूबी

**गुवाहाटी, 24 जुलाई (ख.सं.)।** राज्य के राजस्व और आपदा प्रबंधन मंत्री केशव महंत ने विधानसभा में बताया कि ब्रह्मपुत्र और उसकी सहायक नदियों के कारण राज्य में अब तक 364 गांव पूरी तरह से जलमग्न होकर नष्ट हो चुके हैं, जबकि 797 गांव आंशिक रूप से कटाव का शिकार हुए हैं। इस वजह से लगभग 6,96,450 बीघा जमीन नदी में समा चुकी है। एआईयूडीएफ के विधायक बदरूद्दीन अजमल के पूछे गये एक मौखिक सवाल के लिखित जवाब में मंत्री ने स्पष्ट किया कि कटाव पीड़ित परिवारों के लिए कोई अलग से कटाव प्रभावित प्रमाण पत्र जारी करने का प्रावधान नहीं है, बल्कि सरकार उपलब्ध सरकारी भूमि और निर्धारित पात्रता मानदंडों के आधार पर प्रचलित नीतियों के तहत उनका पुनर्वास करती है। भूमि नीति 2019 और मिशन वसुंधरा के तहत कटाव के कारण भूमिहीन हुए मूल निवासियों को सरकारी खासमहाल और सीलिंग सरप्लस भूमि के आवंटन में प्राथमिकता दी जाती है, साथ ही उन्हें खिराज म्यादी पट्टा प्रदान किया जाता है। इसके अलावा एसडीआरएफ के नियमों के अनुसार पात्र परिवारों को गृह क्षति पुनर्वास अनुदान भी प्रदान किया जाता है।

# असम में जन्म 19.6 और मृत्यु दर 6.1 दर्ज

**गुवाहाटी, 24 जुलाई (ख.सं.)।** स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री अशोक सिंघल के अनुसार राज्य में वर्तमान जन्म दर 19.6 और मृत्यु दर 6.1 दर्ज की गयी है। असम गण परिषद (अगप) की विधायक दमयंती चौधरी के पूछे गये सवाल के लिखित जवाब में मंत्री ने बताया कि स्वास्थ्य प्रबंधन सूचना प्रणाली द्वारा वित्तीय वर्ष 2011-12 से जून 2026 तक जारी आंकड़ों के मुताबिक राज्य में जीवित जन्मे बच्चों की संख्या में उतार-चढ़ाव देखा गया है। वर्ष 2011-12 में कुल 5,56,037 बच्चों का जन्म हुआ था, जो वर्ष 2015-16 में बढ़कर 6,17,367 तक पहुंच गया। हालांकि हाल के वर्षों में इसमें कमी दर्ज की गयी है। वर्ष 2024-25 में जीवित जन्मों की संख्या घटकर 5,27,591 और वर्ष 2025-26 में 5,18,260 रह गयी। वहीं चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 के जून महीने तक राज्य में कुल 1,01,942 जीवित बच्चों का जन्म दर्ज किया गया है, जिनमें 52,552 लड़कियां और 49,390 लड़के शामिल हैं। दूसरी ओर नमूना पंजीकरण प्रणाली के तहत वर्ष 2011 से जून 2026 तक के आंकड़ों पर नज़र डालें तो वर्ष 2011 में राज्य में कुल 6,04,710 लोगों की मौत हुई थी। वर्ष 2015 के दौरान मौतों का आंकड़ा बढ़कर 10,07,054 तक पहुंच गया था। इसके बाद के वर्षों में मौतों की संख्या में लगातार बदलाव देखा गया। वर्ष 2024 में कुल 5,99,692 मौतें दर्ज की गईं, जबकि वर्ष 2025 में यह आंकड़ा 6,23,734 और वर्ष 2026 में 7,18,245 रहा। चालू वर्ष 2026 में जून महीने तक राज्य में कुल 3,71,075 लोगों की मृत्यु दर्ज की जा चुकी है, जिनमें 1,89,050 पुरुष और 1,82,025 महिलाएं शामिल हैं।

एसएंडटी कार्य
ई-निविदा सूचना सं. N-2026-27-TSK-NIT-02, दिनांक: 20-07-2026। [illegible] आमंत्रित की जाती है: क्र.सं. 1. ई-निविदा सं.: N-2026-27-TSK-1-02 कार्य का संक्षिप्त विवरण: [illegible] 28.800 [illegible] 17.500 [illegible] में संबंधित एसएंडटी कार्य। निविदा मूल्य: ₹14,87,397.38; बयाना राशि: ₹29,800.00। ई-निविदाएं 12-08-2026 को 15.00 बजे बंद होंगी और 12-08-2026 को 15.00 बजे के बाद खुलेंगी। [illegible] www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।
डीआरएम (एसएंडटी), तिनसुकिया
पूर्वोत्तर सीमा रेलवे
[illegible]

डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना और प्रवर्तन का कार्य
निविदा सूचना संख्या: DBWS-NIET-12-2026-27; दिनांक: 16-07-2026. निम्नलिखित कार्य के लिए अधोहस्ताक्षरी द्वारा ई-निविदाएं आमंत्रित किए जाते हैं। कार्य का नाम: डिब्रूगढ़ वर्कशॉप में [illegible] डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना एवं प्रवर्तन, तथा [illegible] के बाद 2 वर्ष की वारंटी। अनुमानित निविदा मूल्य: ₹1,80,[illegible]/- जीएसटी @18% सहित। निविदा सुरक्षा: ₹2,61,000/-; निविदा के बंद करने की तिथि और समय 10-08-2026 को 15:00 बजे और खोलने की 15:30 बजे। उपर्युक्त ई-निविदा के निविदा दस्तावेजों के साथ पूरी जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर दिनांक 10-08-2026 को 15:00 बजे तक उपलब्ध रहेगी।
सीडब्ल्यूएम, डिब्रूगढ़
पूर्वोत्तर सीमा रेल
[illegible]

# वंदे मातरम् के अपमान को दंडनीय बनाने के प्रावधान वाला विधेयक रास में पेश

**नयी दिल्ली, 24 जुलाई (भा)।** राज्यसभा में सरकार ने आज एक विधेयक पेश किया, जिसके प्रावधानों के तहत राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के गायन के दौरान किसी भी तरह का व्यवधान डालना या उसका अपमान करना आपराधिक कृत्य माना जाएगा और इसके लिए तीन वर्ष तक की सजा हो सकती है। सदन ने इस विधेयक के विरोध में विपक्ष द्वारा लाये गये प्रस्तावों को ध्वनिमत से खारिज कर दिया। नीट प्रश्न पत्र लीक होने के मुद्दे पर उच्च सदन में विपक्ष के हंगामे के बीच गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने आसन की अनुमति से राष्ट्र गौरव अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, 2026 पेश किया। इस विधेयक के तहत 1971 के मूल अधिनियम में संशोधन का प्रावधान किया गया है। संशोधन विधेयक के विरोध में प्रस्ताव रखते हुए मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के जॉन ब्रिटास ने कहा कि संविधान में जो बात तय हो चुकी है, संसद उसे सामान्य अधिनियम के जरिये संशोधित नहीं कर सकती है। उन्होंने कहा कि यह संशोधन विधेयक पूर्णत: देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की मंशा पर आधारित है किंतु यह संविधान के उन संदर्भों की अनदेखी करता है, जिनके आधार पर मूल कानून बनाया गया था। ब्रिटास ने कहा कि संविधान सभा ने लगातार तीन वर्ष तक गहन विचार विमर्श करने के बाद राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत को एकसमान दर्जा नहीं दिया था।

# शीघ्र भरे जाएंगे गांव प्रधानों के 2,499 खाली पद

**गुवाहाटी, 24 जुलाई (ख.सं.)।** राज्य के राजस्व और आपदा प्रबंधन मंत्री केशव महंत ने बताया कि वर्तमान में सरकार के अधीन कुल 11,859 राजस्व गांवों में गांव प्रधान नियुक्त हैं, जबकि राज्य भर में अब तक 2,499 गांव प्रधानों के पद खाली पड़े हुए हैं। इन रिक्त पदों को भरने के लिए संबंधित जिला प्रशासनों द्वारा आवश्यक कदम उठाये जा चुके हैं और नियमानुसार भर्ती प्रक्रिया तेजी से चल रही है। भाजपा विधायक विनोद हजारिका के पूछे गये एक मौखिक सवाल के जवाब में उन्होंने आगे बताया कि इसके अलावा सरकार ने गांव प्रधानों का बढ़ा हुआ मानदेय एक अक्तूबर 2025 से लागू कर दिया है, जिसके तहत उन्हें अब हर महीने 14,000 रुपये का मानदेय मिल रहा है। मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि गांव प्रधानों की सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें एकमुश्त वित्तीय सहायता देने का प्रस्ताव भी वर्तमान में सरकार के विचाराधीन है।

# एएसटीसी की 651 बसें सड़कों पर सक्रिय

**गुवाहाटी, 24 जुलाई (ख.सं.)।** राज्य के परिवहन मंत्री चरण बोड़ो ने बताया कि वर्ष 2016 में असम राज्य परिवहन निगम (एएसटीसी) के पास कुल 1,090 बसें थीं, जिनमें से 668 बसें नियमित रूप से सड़कों पर चल रही थीं। कांग्रेस की विधायक बेबी बेगम के पूछे गये एक सवाल के लिखित जवाब में मंत्री ने बताया कि वर्तमान में एएसटीसी के पास अपनी कुल 760 बसें हैं, जिनमें से 651 बसें नियमित रूप से राज्य भर में यात्रियों को सेवा प्रदान कर रही हैं। वही मंत्री ने भाजपा विधायक चक्रधर गोगोई के पूछे गये एक अन्य सवाल के जवाब में बताया कि वर्तमान में एएसटीसी में 405 नियमित कर्मचारी और 1,327 अनुबंध आधारित कर्मचारी हैं। कर्मचारियों की कुल संख्या 1,732 है। मंत्री ने स्वीकार किया कि राज्य की सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को सुदृढ़ बनाने के लिए एएसटीसी को अधिक शक्तिशाली, सजीव और सक्रिय बनाने की सख्त आवश्यकता है।

# स्नेहस्पर्श योजना के तहत 1,345 बच्चों को राज्य से बाहर मिला मुफ्त इलाज

**गुवाहाटी, 24 जुलाई (ख.सं.)।** राज्य के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री अशोक सिंघल ने बताया कि राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी स्नेहस्पर्श योजना के तहत अब तक गरीबी रेखा से नीचे आने वाले कुल 1,345 परिवारों को बेहतर और उन्नत इलाज के लिए राज्य के बाहर के प्रमुख अस्पतालों में भेजा जा चुका है। कांग्रेस विधायक तंजील हुसैन के पूछे गये एक सवाल के लिखित जवाब में मंत्री ने आगे बताया कि वर्तमान में योजना के अंतर्गत 10 प्रमुख गंभीर बीमारियों और उपचारों के लिए वित्तीय सहायता दी जा रही है, जिनमें बोन मैरो ट्रांसप्लांट, कॉकलियर इम्प्लांट, लिवर ट्रांसप्लांट, किडनी ट्रांसप्लांट, कृत्रिम अंग, ब्लड कैंसर, विशेष नेत्र शल्य चिकित्सा, ट्यूमर, न्यूरोलॉजिकल समस्याएं और थैलेसीमिया शामिल हैं। इसके अलावा सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी से अन्य गंभीर बीमारियों के विशेष मामलों में भी नियमों के तहत इलाज के लिए वित्तीय मदद दी जाती है।

# एनएचएम में हैं 18,681 संविदा कर्मचारी

**गुवाहाटी, 24 जुलाई (ख.सं.)।** असम के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री अशोक सिंघल ने विधानसभा में बताया कि वर्तमान में असम में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत कुल 18,681 कर्मचारी और अधिकारी अपनी सेवाएं दे रहे हैं। एआईयूडीएफ के विधायक मुजीबुर रहमान के पूछे गये एक सवाल के लिखित जवाब में मंत्री ने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत सभी कर्मचारी अनुबंध के आधार पर नियुक्त किये गये हैं। ऐसे कर्मचारियों को नियमित करने का फिलहाल कोई प्रावधान नहीं है, हालांकि वे योग्यता के अनुसार स्थायी पदों के लिए अलग से आवेदन कर सकते हैं।

# एक संशोधित विधेयक पेश

**गुवाहाटी, 24 जुलाई (ख.सं.)।** असम विधानसभा के बजट सत्र के आज 11वें दिन सदन के पटल पर एक संशोधित विधेयक पेश किया गया। राज्य के शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगु ने माजुली संस्कृति विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक-2026 को सदन के पटल पर रखा।

# बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में चिकित्सा, भोजन व आवश्यक सहायता बढ़ाने की मांग, अजमल ने सीएम को सौंपा ज्ञापन

**गुवाहाटी, 24 जुलाई (ख.सं.)।** एआईयूडीएफ सुप्रीमो एवं बिन्नाकांदी के विधायक बदरुद्दीन अजमल ने आज राज्य के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा को एक ज्ञापन पत्र सौंपा है। इस ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने असम के मौजूदा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ, दवाओं, आवश्यक सेवाओं, शिशु आहार तथा पशु चारे की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है। ज्ञापन में उन्होंने बताया कि जोरहाट, शिवसागर, चराईदेव और बिन्नाकांडी के बाढ़ प्रभावित इलाकों के दौरे के दौरान उन्होंने देखा कि बाढ़ ने गंभीर मानवीय, आर्थिक और पर्यावरणीय तबाही मचाई है, जिससे हजारों परिवार बेघर होकर अस्थायी राहत शिविरों में शरण लेने को मजबूर हैं। इसके अलावा विशाल कृषि भूमि के जलमग्न होने से खड़ी फसलें बर्बाद हो गई हैं और सड़कों तथा रेल नेटवर्क को भारी नुकसान पहुँचने से कई दूर-दराज के गाँव संपर्क से कट गए हैं। अजमल ने दूषित पेयजल और स्वच्छता की कमी के कारण डायरिया, हैजा और टाइफाइड जैसी जलजनित बीमारियों के फैलने की आशंका पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों को तत्काल चिकित्सा तथा पोषण संबंधी सहायता की आवश्यकता है। इसे ध्यान में रखते हुए उन्होंने मुख्यमंत्री से अपील की है कि वे संबंधित सभी विभागों को राहत और पुनर्वास कार्यों को तेज करने के निर्देश दें। विशेष रूप से स्वास्थ्य विभाग को बाढ़ प्रभावित सभी गाँवों और राहत शिविरों में पर्याप्त डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ, मोबाइल मेडिकल टीम, एम्बुलेंस और आवश्यक दवाओं की उपलब्धता तुरंत सुनिश्चित करनी चाहिए। इसके साथ ही सुरक्षित पेयजल, शिशु आहार, मच्छर नियंत्रण, स्वच्छता सामग्री और पशु चारे की निर्बाध आपूर्ति उपलब्ध कराई जानी चाहिए। एआईयूडीएफ अध्यक्ष ने सरकार द्वारा अब तक उठाए गए सक्रिय कदमों तथा जिला प्रशासन और फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं के प्रयासों की सराहना भी की। हालांकि, उन्होंने आग्रह किया कि मौजूदा राहत अभियानों को और अधिक मजबूत तथा तेज किया जाए ताकि कोई भी प्रभावित व्यक्ति स्वास्थ्य सेवा, भोजन, आश्रय, पेयजल और स्वच्छता जैसी मूलभूत आवश्यकताओं से वंचित न रहे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राज्य सरकार इस कठिन घड़ी में असम की जनता के जीवन और संपत्ति की रक्षा के लिए हर संभव आवश्यक कदम उठाना जारी रखेगी।

# मुर्मू ने दिया भारतीय व रोमानियाई संसदीय संस्थाओं के बीच जुड़ाव को और गहरा करने पर जोर

**बुखारेस्ट (रोमानिया), 24 जुलाई (भा)।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज रोमानिया की संसद का दौरा किया और दोनों देशों की संसदीय संस्थाओं के बीच सहयोग एवं संबंधों को और मजबूत करने पर जोर दिया। रोमानिया के संसद भवन को दुनिया की सबसे बड़ी प्रशासनिक इमारतों में से एक माना जाता है। राष्ट्रपति कार्यालय ने बताया कि मुर्मू ने बुखारेस्ट स्थित संसद भवन में रोमानिया की सीनेट के अध्यक्ष मिर्चा अब्रूडियन और रोमानिया की चैंबर ऑफ डेप्युटीज के अध्यक्ष सोरिन ग्रिंडेनू से मुलाकात की। राष्ट्रपति मुर्मू ने भारत-रोमानिया संसदीय मैत्री समूह के सदस्यों से भी संवाद किया।

# तेमम की हुई साधारण सभा

**गुवाहाटी, 24 जुलाई (ख.सं.)।** अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल गुवाहाटी द्वारा सत्र 2025-27 की प्रथम वार्षिक साधारण सभा आज अध्यक्ष सुशीला मालू की अध्यक्षता में स्थानीय तेरापंथ धर्मस्थल में आयोजित हुई। युगप्रधान आचार्य महाश्रमण के विद्वान सुशिष्य मुनि आनंद कुमार कालू ठाणा -2 ने महिलाओं के व्यक्तित्व में मेहनत, हिम्मत और लज्जा इन तीनों गुणों का समावेश करके मंडल व संघ की प्रभावना में अपने श्रम व शक्ति को निहित करने का आह्वान किया। मुनिप्रवर के मुखारविंद से मंगल पाठ सुनकर बहनों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ। णमोकार महामंत्र की मधुर ध्वनि के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की गयी। मंडल की बहनों द्वारा मंगलाचरण के रूप में प्रेरणा गीत का मधुर संगान किया गया। अध्यक्ष सुशीला मालू ने उपस्थित बहनों का स्वागत और मंडल के हर कार्य में सभी बहनों की सक्रिय सहभागिता के लिए उनका आभार व्यक्त किया तथा मुनिश्री के सेवा दर्शन का अधिकाधिक लाभ लेने का आह्वान किया। तेरापंथ महिला मंडल की पूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान कार्यकारिणी सदस्य मधु डागा ने संविधान का वाचन किया। गत बैठक के प्रतिवेदन एवं कन्या मंडल प्रतिवेदन का वाचन किया गया एवं उसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। मंत्री सुचित्रा छाजेड़ ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के मंत्री प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए वर्ष भर में आयोजित धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सेवा गतिविधियों का विस्तृत विवरण रखा एवं उसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। कोषाध्यक्ष विनीता सुराणा ने वित्तीय वर्ष 2025-26 का आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। तत्पश्चात कन्या मंडल की कन्याएं दिशा सुराणा, महंक बैद एवं सिमरन भादानी ने मर्यादा हमारी पहचान बने विषय पर प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में कोलकाता से पधारे संस्कार निर्माण शिविर के ईस्ट जोन संयोजक एवं प्रेक्षाध्यान के प्रशिक्षक रवि छाजेड़ ने श्वांस क्रिया पर विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान वरिष्ठ पत्रकार संपत मिश्रा, विवेक सांगानेरिया, गोपाल मिश्रा एवं कन्हैया झा का फूलाम गामोछा आदि से सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन मंत्री सुचित्रा छाजेड़ ने किया। आभार ज्ञापन सहमंत्री (प्रथम) संध्या कोठारी ने किया। इस आशय की जानकारी प्रचार प्रसार मंत्री सुनीता मालू ने दी।

## पंचांग

| | | | |
|---|---|---|---|
| +शु के 5 | 3 +बु | +मं 2 | 6 |
| 4 सू गु | 1 | 7 | 10 |
| 8 चं | +श 12 | 9 | 11 रा |

तिथि संवत: आषाढ़ शुक्ल पक्ष एकादशी प्रातः 11.33 तक रहेगी इसके बाद द्वादशी तिथि रहेगी। विक्रम संवत 2083 शाके 1948, सूर्य दक्षिणायन, ऋतु वर्षा, नव सवंत्सर (रौद्र) तारीख 25 जुलाई शनिवार।
सूर्योदयकालीन नक्षत्र : ज्येष्ठा।
योग :- ब्रह्म रात्रि 9.07 तक रहेगा।
करण :- विष्टि दोपहर 11.33 तक तदुपरांत बव रहेगा।
ग्रह विचार : (प्रातः 4.43) सूर्य-कर्क, चंद्र-वृश्चिक, मंगल-वृष, बुध-मिथुन, गुरु-कर्क, शुक्र-सिंह, शनि-मीन, राहु-कुंभ, केतु-सिंह राशि में स्थित है।
राहुकाल : प्रातः 9.00 बजे से 10.30 बजे तक रहेगा।
सूर्योदय: 4.43 बजे सूर्यास्त 6.14 बजे।
**ज्योतिर्विद विकास तिवाड़ी**
**गुवाहाटी मो.9529781915।**

# पीआईबी गुवाहाटी की वार्ता मीडिया कार्यशाला आयोजित

गुवाहाटी, 24 जुलाई (ख.सं.)। प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी), गुवाहाटी ने आज बाक्सा जिला आयुक्त कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में वार्ता नामक एक दिवसीय जिला मीडिया कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य आगामी जनगणना 2027 के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना और जिले की विभिन्न विकासात्मक पहलों को रेखांकित करना था। इस कार्यक्रम में मीडिया प्रतिनिधियों और सरकारी अधिकारियों सहित लगभग 35 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला में जनगणना संचालन निदेशालय असम की उप महापंजीयक भारती चंदा ने मुख्य भाषण प्रस्तुत किया। उन्होंने जनगणना 2027 के महत्व, कार्यप्रणाली और इसके कार्यान्वयन की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया। उन्होंने जोर देकर कहा कि जनगणना के आंकड़े सरकारी योजनाओं और नीतियों की नींव तैयार करते हैं। उन्होंने नागरिकों से सटीक और प्रामाणिक जानकारी प्रदान करके इस राष्ट्रीय कार्य में पूर्ण सहयोग देने का आग्रह किया। गलत विवरण देने से बचने की सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि जनगणना के अंतिम लाभार्थी आम जनता ही हैं, क्योंकि यही आंकड़े कल्याणकारी योजनाओं, बुनियादी ढांचे के विकास और सार्वजनिक सेवाओं के वितरण का मार्गदर्शन करते हैं। सुश्री चंदा ने जनगणना के दो चरणों, इसमें डिजिटल तकनीक के उपयोग, स्व-गणना की सुविधा, एकत्र की गई व्यक्तिगत जानकारी की गोपनीयता और प्रगणकों व पर्यवेक्षकों की भूमिकाओं पर भी प्रकाश डाला। जनगणना की तैयारियों पर बात करते हुए जिला आयुक्त किमनेई चांगसन ने बताया कि जनगणना 2027 के प्रथम चरण की तैयारियों के मामले में बाक्सा असम के अग्रणी जिलों में शामिल है। उन्होंने जानकारी दी कि जिला व चार्ज अधिकारियों, क्षेत्र परीक्षकों, प्रगणकों और पर्यवेक्षकों के लिए व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम पहले ही आयोजित किए जा चुके हैं तथा जिला प्रशासन तय समय-सारणी के अनुसार स्व-गणना और मकान सूचीकरण चरणों के लिए पूरी तरह से तैयार है। इसके साथ ही, जिला आयुक्त ने पिछले कुछ वर्षों में स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और आजीविका के क्षेत्रों में बक्सा द्वारा की गई उल्लेखनीय प्रगति का भी उल्लेख किया। उन्होंने जिले की प्रमुख उपलब्धियों की जानकारी देते हुए बताया कि बक्सा को आकांक्षी जिला कार्यक्रम के तहत उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रतिष्ठित जेआरडी टाटा मेमोरियल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इसके अलावा, जिले ने सालबारी में राज्य स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह की मेजबानी की है और वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) पहल के तहत 20 मीट्रिक टन शहद का संयुक्त राज्य अमेरिका में निर्यात किया है। इससे पूर्व, पीआईबी गुवाहाटी की संयुक्त निदेशक पावनी गुप्ता ने स्वागत भाषण दिया और प्रमुख सरकारी कार्यक्रमों की प्रामाणिक व समयबद्ध जानकारी प्रसारित करने में वार्ता कार्यशाला के महत्व को रेखांकित किया। आगामी जनगणना के महत्व पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि जनता में जागरूकता फैलाने, भ्रांतियों को दूर करने और नागरिकों को सही जानकारी देकर जनगणना में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित करने में मीडिया की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है।

स्वत्वाधिकारी प्रातः खबर मीडिया प्राइवेट लिमिटेड, खबर बिल्डिंग, दूसरा तल्ला, साइकिल फैक्ट्री, कालापहाड़, गुवाहाटी- 781016 के लिए **श्याम सुंदर लाटा** द्वारा प्रकाशित तथा उनके लिए पीजी इंडिया लिमिटेड, मिनी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 (असम) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
**E-mail :** pratahkhabar5@gmail.com, pratah_khabar@yahoo.com, **दूरभाष+फैक्स :** 0361-2492131, **मो. :** 091270-70355, **जोरहाट कार्यालय :** 0376-2370042, **फैक्स :** 0376-2370043, **E-mail :** pkhabarjrt@gmail.com
एडिटर इन चीफ : चंद्रप्रकाश शर्मा
*प्रकाशन से उत्पन्न सभी विवाद गुवाहाटी न्यायालय के अधीन।
संपादक : परमेश्वर सिंह

# नमस्कार गुवाहाटी

मंगलवाणी

जो दूसरों के हित में
काम करता है,
वही सच्चा भक्त है।

- श्री कृष्ण


प्रातः खबर

शनिवार, 25 जुलाई, 2026


मौसम
अधिकतम 32°
न्यूनतम 25°


Ph. : 2548109
2730431
L. GOPAL JEWELLERS
9-11-14, Kuber A.C. Market
Guwahati - 781001
शुद्ध चांदी के बर्तनों एवं शुद्ध चांदी की सिल्ली व चांदी के सिक्कों का एकमात्र विश्वसनीय प्रतिष्ठान
22/22 KDM Gold Jewellery, Hallmark Gold Jewellery Branded Diamond Jewellery.

0361-2601385
9678211156
D. M. Jeweller's
(As You Like We are)
7/8 (L) Akram's Business Fancy Bazar, Guwahati-1
शुद्ध सील चांदी के बर्तन एवं असली सिक्कों का प्रतिष्ठित स्थान
We also deal in 22/22 KDM hallmark Jewelleries


# राज्यपाल ने रेड क्रॉस सोसायटी के साथ की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक

## बाढ़ राहत कार्यों का लिया जायजा

**गुवाहाटी, 24 जुलाई (ख.सं.)।** राज्यपाल और इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी (आईआरसीएस), असम राज्य शाखा के अध्यक्ष लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने आज राज्य भर में बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए जारी मानवीय सहायता और राहत उपायों का आकलन करने के लिए लोक भवन में संस्था के पदाधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में शाखा के महासचिव देब प्रसाद मिश्रा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया और राज्यपाल को विशेष रूप से ऊपरी असम के जिलों में मौजूदा बाढ़ के जवाब में चलाये जा रहे व्यापक राहत और पुनर्वास कार्यों की जानकारी दी। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को बताया कि आईआरसीएस ने प्रभावित क्षेत्रों में अपनी जिला शाखाओं को सक्रिय कर दिया है और समय पर मानवीय सहायता प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित स्वयंसेवकों को तैनात किया है। उन्होंने जमीनी स्तर पर की जा रही त्वरित आवश्यकता मूल्यांकन प्रक्रिया और एक प्रभावी व समन्वित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए संबंधित जिला प्रशासनों, असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) और आईआरसीएस के राष्ट्रीय मुख्यालय के साथ बनाए जा रहे करीबी समन्वय पर प्रकाश डाला। इसके अलावा राज्यपाल को बाढ़ प्रभावित समुदायों तक आपातकालीन आश्रय, घरेलू राहत सामग्री, सुरक्षित पेयजल, स्वास्थ्य सेवा, प्राथमिक चिकित्सा और जल, स्वच्छता एवं स्वच्छता सहायता जैसी आवश्यक सेवाएं पहुंचाने में आ रही चुनौतियों से भी अवगत कराया गया। एक मजबूत और सक्रिय प्रतिक्रिया की आवश्यकता पर जोर देते हुए राज्यपाल आचार्य ने आईआरसीएस से अपने आपातकालीन तंत्र को और अधिक सुव्यवस्थित करने का आग्रह किया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि राहत समय पर हर प्रभावित व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने बाढ़ का पानी उतरने के बाद जलजनित और वेक्टर जनित बीमारियों के संभावित प्रकोप से निपटने के लिए निवारक उपाय करने के महत्व पर भी बल दिया।आईआरसीएस और उसके स्वयंसेवकों की प्रतिबद्धता व निःस्वार्थ सेवा की सराहना करते हुए राज्यपाल ने संगठन के मानवीय प्रयासों को मजबूत करने में अपने पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित आबादी के समयबद्ध राहत और पुनर्वास को आसान बनाने के लिए केंद्र सरकार से किसी भी आवश्यक सहायता के लिए उचित माध्यमों से प्रयास किये जाएंगे। इस बैठक में राज्यपाल के संयुक्त सचिव अरिंदम बरुआ, राज्यपाल के पीपीएस डॉ. एस. एन. भौमिक और आईआरसीएस के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे।

# मेयर मृगेन शरणिया ने जलमग्न इलाकों का लिया जायजा

**गुवाहाटी, 24 जुलाई (ख.सं.)।** महानगर में बीती रात हुई मूसलाधार बारिश के कारण गुवाहाटी और आसपास के कई इलाकों में गंभीर जलभराव और बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गयी है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए आज गुवाहाटी नगर निगम (जीएमसी) के मेयर मृगेन शरणिया ने वार्ड नंबर 24 के पार्षद बीजू मेधी के साथ उलुबाड़ी, आमबाड़ी, बीरूबाड़ी, लाचित नगर, आर्य नगर, छत्रीबाड़ी, बिष्णुपुर, अनिल नगर, नवीन नगर, भंगागढ़, बरसोला बिल और भरलुमुख स्विस गेट जैसे जलमग्न क्षेत्रों का दौरा किया तथा स्थानीय लोगों की समस्याओं को समझा। मेयर ने कहा कि संकट की इस घड़ी में प्रत्येक नागरिक के साथ खड़े रहना उनका नैतिक कर्तव्य है, जिसके तहत सभी संबंधित विभागों को प्रभावित लोगों तक हर संभव सहायता पहुंचाने के निर्देश दिये गये हैं। विशेष रूप से साउकुची, हॉकी स्टेडियम, सरुसजाई और वार्ड नंबर 24 के प्रभावित इलाकों में एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमों ने तत्परता से बचाव व राहत कार्य शुरू कर दिया है। इसके साथ ही वशिष्ठ नदी के पानी की त्वरित निकासी सुनिश्चित करने के लिए जीएमसी और गुवाहाटी महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) युद्धस्तर पर प्रयासरत हैं। निगम कर्मियों को भी जलजमाव वाले क्षेत्रों की तुरंत सफाई करने और नालों की सुचारू निकासी व्यवस्था कर जनजीवन को शीघ्र सामान्य बनाने के सख्त निर्देश दिये गये हैं। प्रशासन ने सभी नागरिकों से विनम्र अपील की है कि इस मानसून के दौरान सतर्क और जागरूक रहें, बिना किसी अत्यावश्यक कार्य के जलभराव वाले क्षेत्रों में जाने से बचें, बच्चों एवं बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें तथा किसी भी आपात स्थिति में तुरंत संबंधित विभाग से संपर्क करें। जनता के सहयोग और एकजुटता से ही इस प्राकृतिक आपदा की चुनौती से पार पाया जा सकता है।

# डायरीर पाते-पाते अमेरिका भ्रमणर स्मृति पुस्तक का विमोचन

**गुवाहाटी, 24 जुलाई (ख.सं.)।** असमिया भाषा के यात्रा साहित्य के भंडार में नया संयोजन करते हुए आज गुवाहाटी प्रेस क्लब में विशिष्ट लेखिका कल्याणी गोस्वामी की डायरीर पाते-पाते अमेरिका भ्रमणर स्मृति शीर्षक पुस्तक का विमोचन हुआ। असम बुक हाइव द्वारा प्रकाशित पुस्तक का विमोचन विशिष्ट साहित्यकार बंदिता फुकन ने किया। उन्होंने कहा कि यह एक गैर-पारंपरिक यात्रा वृत्तांत है। आजकल अधिकांश यात्रा संबंधी पुस्तकों में यात्रा के दौरान क्या देखा और क्या खाया, इन्हीं बातों का वर्णन अधिक होता है। हालांकि इन बातों के वर्णन की भी आवश्यकता होती है, लेकिन विदेश की सामाजिक व्यवस्था कैसी है, वहां के लोगों की जीवन शैली की क्या विशेषताएं हैं और उससे हमें क्या सीखने तथा अपनाने योग्य है, यदि इन बातों को यात्रा वृत्तांत में शामिल किया जाए तो बेहतर होता है। ऐसी पुस्तकों का स्थायित्व भी अधिक रहता है। समारोह में मुख्य अतिथि लेखक-शोधकर्ता एवं शिक्षाविद डॉ. दयानंद पाठक ने कहा कि यात्रा साहित्य का सभी भाषाओं के साहित्य में एक विशिष्ट स्थान है तथा महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव ने यात्रा से अर्जित ज्ञान के बल पर सृजन का मार्ग प्रशस्त किया था। उन्होंने आगे कहा कि यात्रा साहित्य के दो भाग होते हैं सृजनात्मक यात्रा साहित्य और डायरी साहित्य। हालांकि असमिया साहित्य के इतिहास में डायरी साहित्य के बारे में विशेष विवरण देखने को नहीं मिलता है। विभिन्न समाजों के बारे में जानने और उनसे ज्ञान अर्जित करने के संदर्भ में ऐसे साहित्यिक कार्यों का महत्व अत्यधिक है। हाल के दिनों में असमिया भाषा में यात्रा साहित्य या यात्रा संबंधी पुस्तकों का प्रकाशन बढ़ा है, जो कि एक आशाजनक संदेश है। समारोह में विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार प्रणय बरदलै ने कहा कि यात्रा वास्तव में ज्ञान अर्जन की एक सुंदर परिक्रमा है। अतीत में असम से विशाल भारतवर्ष की यात्रा करके महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव ने इस बात को साबित किया था। उन्होंने आनंदराम बरुवा, लक्ष्मीनाथ बेजबरुवा, हेम बरुवा और डॉ. भबेंद्रनाथ सैकिया की यात्रा संबंधी रचनाओं का उल्लेख करते हुए उम्मीद जतायी कि कल्याणी गोस्वामी की यह नयी पुस्तक पाठक समाज का स्नेह प्राप्त करेगी। पुस्तक के प्रकाशक तथा असम बुक हाइव के संचालक धीराज गोस्वामी और लेखिका ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

# कृत्रिम बाढ़ से निपटने के लिए मंत्री राय ने की बैठक

## नालों की तुरंत और व्यापक सफाई के दिये सख्त निर्देश

**गुवाहाटी, 24 जुलाई (ख.सं.)।** राज्य के आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री कौशिक राय ने आज जनता भवन के ब्लॉक-बी स्थित अपने कार्यालय सभागार में गुवाहाटी की मौजूदा बाढ़ स्थिति और कृत्रिम बाढ़ की रोकथाम के लिए संबंधित एजेंसियों की तैयारियों की समीक्षा के उद्देश्य से एक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में मंत्री ने गुवाहाटी नगर निगम (जीएमसी), लोक निर्माण (सड़क) विभाग और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) सहित सभी संबंधित एजेंसियों को गुवाहाटी के सभी नालों तथा राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे की नालियों की व्यापक सफाई और कचरा निकासी का काम तुरंत एवं तेजी से पूरा करने का निर्देश दिया ताकि बारिश के पानी की निकासी बिना किसी बाधा के हो सके। मंत्री ने कामरूप महानगर जिले के आयुक्त को शहर की जल निकासी प्रणाली के नियमित प्रबंधन के लिए एक विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने के साथ-साथ साफ-सफाई के लिए एक स्पष्ट वार्षिक कार्य योजना बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि नालियों की सफाई केवल एक बार की जाने वाली प्रक्रिया नहीं होनी चाहिए बल्कि मानसून शुरू होने से पहले, मानसून के दौरान, मानसून के बाद और आवश्यकतानुसार हर भारी बारिश के बाद इसे नियमित रूप से अंजाम दिया जाना चाहिए। मंत्री ने कहा कि महानगर में कृत्रिम बाढ़ की समस्या को कम करने के लिए समयबद्ध कदम, नियमित रखरखाव और सभी एजेंसियों का समन्वित दायित्व अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने दोहराया कि राज्य सरकार गुवाहाटी को एक अधिक सुरक्षित, स्वच्छ और बाढ़-मुक्त शहर बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस बैठक में विभाग की आयुक्त सचिव कविता पद्मनाभन और जिले के आयुक्त स्वप्निल पॉल ने वर्चुअल माध्यम से भाग लिया। वहीं लोक निर्माण विभाग के आयुक्त एव विशेष सचिव संजीव श्याम, विभाग के सचिव डॉ. जीवन बी, जीएमसी आयुक्त चिन्मय फुकन, एनएचएआई के अधिकारी और अन्य संबंधित विभागों के प्रतिनिधि प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित रहे।

# चोरी के मामले में तीन चढ़े पुलिस के हत्थे

**गुवाहाटी, 24 जुलाई (ख.सं.)।** सातगांव पुलिस ने चोरी के मामले का सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए पुखरीपार निवासी साहिल अली को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से एक सोने का लॉकेट, एक पीतल का फूलदान, एक बैग तथा 10,000 नकद बरामद किया। वहीं दूसरी ओर वशिष्ठ पुलिस ने चोरी और सेंधमारी के कई मामलों में वांछित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हाकिम अली (27) और दिपज्योति रॉय उर्फ गेमोन (27) के रूप में की गयी है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 1 वॉटर गीजर, एक पीतल का फूलदान, 6 धातु के बाल्व, 1 धातु का पानी का नल, 20 किलोग्राम लोहे की रॉड, अपराध में प्रयुक्त 1 स्क्रूड्राइवर, 1 प्लायर और एक टॉर्च बरामद किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

# तेरापंथ धर्मस्थल में प्रेक्षाध्यान कार्यशाला का आयोजन

**गुवाहाटी, 24 जुलाई (ख.सं.)।** आचार्य महाश्रमण के विद्वान सुशिष्य मुनि आनंद कुमार कालू एवं सहवर्ती मुनि विकास कुमार (ठाणा-2) के सान्निध्य में तेरापंथ धर्मस्थल, गुवाहाटी में प्रेक्षाध्यान कार्यशाला का भव्य आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि ज्ञानशाला संस्कार निर्माण शिविर के सह-संयोजक, कोलकाता से पधारे उपासक रवि छाजेड़ थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुनिश्री के मंगल महामंत्रोच्चार से हुआ। तेरापंथ महिला मंडल की बहनों ने आत्म साक्षात्कार प्रेक्षाध्यान में गीतिका की भावपूर्ण प्रस्तुति देकर मंगलाचरण किया, जिससे पूरा वातावरण आध्यात्मिक भावनाओं से ओतप्रोत हो उठा। अपने मंगल उद्बोधन में मुनि आनंद कुमार कालू ने कहा कि प्रेक्षाध्यान आचार्य महाप्रज्ञ का मानवता को दिया गया एक अमूल्य अवदान है। आचार्य महाप्रज्ञ ने वर्षों तक गहन अध्ययन, साधना, चिंतन और प्रयोग किए। मुनि ने मुख्य अतिथि उपासक रवि छाजेड़ की सराहना करते हुए कहा कि वे वर्षों से प्रेक्षाध्यान के प्रचार-प्रसार में समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं और उनकी सरल एवं प्रभावशाली प्रशिक्षण शैली अनेक लोगों को ध्यान के प्रति प्रेरित कर रही है। मुख्य अतिथि उपासक रवि छाजेड़ ने उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं को प्रेक्षाध्यान का चरणबद्ध अभ्यास कराया। उन्होंने शारीरिक शिथिलीकरण, श्वास पर जागरूकता, कायोत्सर्ग, आंतरिक एकाग्रता तथा भावों के निरीक्षण की प्रक्रिया को सहज एवं सरल ढंग से समझाया। इस अवसर पर तेरापंथी सभा के उपाध्यक्ष अशोक सेठिया एवं मानमल लोढ़ा ने उपासक रवि छाजेड़ का फूलाम गामोछा एवं साहित्य भेंट कर सम्मान किया।

# बौद्धिक विकास केंद्र की शुरुआत

**गुवाहाटी, 24 जुलाई (ख.सं.)।** बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए उपयुक्त वातावरण की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए गुवाहाटी के मध्य में हैप्पी हॉपर्स नाम से एक बौद्धिक विकास केंद्र की शुरुआत की गयी है। शहरी जीवन के एकल परिवारों के बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास को सही दिशा देने के उद्देश्य से इस केंद्र को जू-रोड स्थित बोरा मार्केट की पहली मंजिल पर स्थापित किया गया है। इस केंद्र का उद्घाटन 26 जुलाई को किया जाएगा। हैप्पी हॉपर्स में 3 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा जिम्नास्टिक्स, योग, सही उच्चारण, कहानी सुनाना, भाषण कला, रचनात्मक प्रतिभा और लाइफ स्किल्स जैसी विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

लामडिंग मंडल में टीआरडी कार्य

निविदा सूचना संख्या: TRD/LMG/21 of 2026-27, दिनांक: 25-07-2026. ... ई-निविदाएं आमंत्रित किया जाना है। निविदा संख्या: ... कार्य का नाम ... विज्ञापित मूल्य: ₹ 35,64,379.76/-, अग्रिम राशि: ... निविदा के बंद होने की तिथि और समय 11-08-2026 को 15:30 बजे। ... www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

सीनियर डीईई/टीआरडी, लामडिंग

पूर्वोत्तर सीमा रेल

विद्युत बॉटलिंग सिस्टम के लिए कैटवॉक सुविधा का निर्माण

ई-निविदा सूचना सं. M-TSK-2026-29; दिनांक: 17-07-2026। निविदा सं. M-TSK-2026-29। कार्य का नाम: ... कार्य का स्थान: ... www.ireps.gov.in।

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे


# ताल संगीत विद्यालय की दो दिवसीय संगीत कार्यशाला का शुभारंभ

**गुवाहाटी, 24 जुलाई (ख.सं.)।** कामरूप जिले के उत्तर गुवाहाटी स्थित प्रतिष्ठित ताल संगीत विद्यालय के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय संगीत कार्यशाला का शुभारंभ आज शिलसांको स्थित उदित लक्ष्मी विवाह भवन में हुआ। कार्यशाला का आयोजन प्रातः 10 बजे से प्रारंभ हुआ। कार्यशाला का औपचारिक उद्घाटन असम की प्रसिद्ध गायिका बर्णाली कलिता ने किया। उद्घाटन समारोह में प्रवास बुढ़ागोहाईं, पत्रकार मुकुटेश्वर गोस्वामी, अनेक विशिष्ट अतिथि, सांस्कृतिक जगत से जुड़े व्यक्तित्व, अभिभावक तथा संगीत प्रेमी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। उभरते हुए संगीत विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यशाला में असम के कई प्रतिष्ठित संगीतज्ञ संसाधन विशेषज्ञ (रिसोर्स पर्सन) के रूप में भाग ले रहे हैं तथा प्रतिभागियों को अपने अनुभव और मार्गदर्शन से लाभान्वित कर रहे हैं। उभरते हुए संगीत विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यशाला में असम के कई प्रतिष्ठित संगीतज्ञ संसाधन विशेषज्ञ के रूप में भाग ले रहे हैं तथा प्रतिभागियों को अपने अनुभव और मार्गदर्शन से लाभान्वित कर रहे हैं। कार्यशाला के प्रथम दिन प्रसिद्ध गायिका बर्णाली कलिता ने स्वर-संगीत की मूलभूत अवधारणाओं पर सरल एवं प्रभावशाली प्रशिक्षण दिया। उन्होंने गायन की विभिन्न तकनीकों और अभ्यास की विधियों को सहज ढंग से समझाया, जिससे विद्यार्थियों को विषय को बेहतर ढंग से समझने में सहायता मिली। इसके बाद से मान्यता प्राप्त गाइड एवं प्रतिष्ठित संगीतज्ञ माधुर्य बरदलै ने स्वर-संगीत के तकनीकी पक्ष, नियमित अभ्यासके महत्व तथा व्यवस्थित संगीत शिक्षा की आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा की। इसके बाद ट्रिनिटी कॉलेज लंदन से मान्यता प्राप्त मार्गदर्शक एवं प्रतिष्ठित संगीतज्ञ माधुर्य बरदलै ने स्वर-संगीत के तकनीकी पक्ष, नियमित अभ्यास के महत्व तथा व्यवस्थित संगीत शिक्षा की आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा की। वहीं असम के लोकप्रिय पर्कशन वादक राजा बरुवा ने अपने दीर्घ अनुभव के आधार पर ताल, लय तथा विभिन्न तालवाद्य वाद्यों को बजाने की तकनीकों का व्यावहारिक प्रदर्शन करते हुए प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान किया।

प्रातः खबर
शनिवार, 25 जुलाई 2026

# नगांव में 40 से अधिक गांव बाढ़ की चपेट में, कलंग नदी का बढ़ा जलस्तर

**नगांव, 24 जुलाई (ख.सं)।** कार्बी आंग्लांग की पहाड़ियों से उतरकर आये तेज बहाव के पानी ने नगांव जिले के विस्तृत क्षेत्रों को जलमग्न कर दिया है। कलियाबर और सामागुड़ी राजस्व चक्र के कई गांवों में पहले से बाढ़ की स्थिति बनी हुई थी। अब निशारी और हारिया नदियों के बढ़ते जलस्तर के कारण कामपुर राजस्व चक्र के 18 तथा नगांव सदर राजस्व चक्र के 7 गांव भी बाढ़ की चपेट में आ गये हैं। आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार कामपुर राजस्व चक्र के तेतेलीसरा ग्रांट, महगढ़, पूर्व कावैमारी, पश्चिम नामबर लालुंग गांव, पश्चिम कठियातली, सरुपथार, मिकिरगांव, गरुबंधा गांव, तेतेलीसरा गांव, पूर्व खालैभंगा, पश्चिम कावैमारी, पश्चिम खालैभंगा, बामुनीजान, दरंगीगांव, कछारीखंदा, केकुरीबाड़ी, भलुकागुड़ी और कलाइखोवा गांव बाढ़ से प्रभावित हुए हैं।इसी प्रकार, नगांव सदर राजस्व चक्र के गड़ेहागी, दक्षिण गमारीआटी, बरकंदली मिकिरगांव, उरिया ग्रांट रंगलु, मिकिरपुर उरिया, कचुपीट तथा चकरी गांव भी जलमग्न हैं।वहीं सामगुड़ी राजस्व चक्र के सोनारीबाली, मिसागांव, खलिहामारी शियालेखाटी, पामगांव, आमणिगांव, सामगुड़ी ग्रांट, नंबर-2 गरुमरा, बरदल, कठालगुरी, भोमोरागुरी, नंबर-2 भरागुरी तथा पदुमणि गांव भी बाढ़ से प्रभावित हैं।जिले के इन तीनों राजस्व चक्रों में लगभग 3,000 से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। साथ ही 2,280 हेक्टेयर कृषि भूमि को नुकसान पहुंचा है। पिछले चार दिनों से बाढ़ की चपेट में रहे कलियाबोर राजस्व चक्र की स्थिति में अब सुधार देखा जा रहा है। बाढ़ से लगभग 4,000 से अधिक पशुधन भी प्रभावित हुए हैं। नगांव जिला प्रशासन युद्धस्तर पर राहत एवं सहायता कार्य जारी रखे हुए है।उधर जिले के शिलघाट में ब्रह्मपुत्र नदी का जलस्तर अभी भी खतरे के निशान से नीचे बह रहा है। कामपुर में कपिली नदी भी खतरे के निशान से नीचे है। नगांव शहर में कलंग नदी का जलस्तर बढ़ा है हालांकि यह अभी भी खतरे के निशान से 36 सेंटीमीटर नीचे बह रही है। वहीं, राहा में कलंग नदी का जलस्तर स्थिर बना हुआ है।

## पूप्रमायुमं के निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष पंकज जालान का अभिनंदन

**सिलचर, 24 जुलाई (ख.सं)।** पूर्वोत्तर प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच के निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष श्री पंकज जालान के दो दिवसीय निजी प्रवास के दौरान बैद्यनाथ धाम, देवघर आगमन पर मारवाड़ी युवा मंच, देवघर शाखा द्वारा उनका आत्मीय अभिनंदन किया गया। देवघर शाखा के कार्यालय में आयोजित स्वागत कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष साकेत छावछरिया, सदस्य केशव चोखानी एवं सर्वेश मोदी ने जालान को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया तथा उनके सामाजिक एवं संगठनात्मक योगदान की सराहना की। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष साकेत छावछरिया ने जानकारी दी कि मारवाड़ी युवा मंच, देवघर शाखा इस वर्ष अपना 36वां श्रावण कांवड़िया सेवा शिविर आयोजित करने जा रही है। इस सेवा शिविर में प्रतिवर्ष लाखों कांवड़िया श्रद्धालु पहुंचते हैं, जिन्हें शाखा द्वारा पूर्णतः निःशुल्क भोजन, विश्राम, चिकित्सा एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। उन्होंने बताया कि इस विशाल सेवा अभियान में हजारों स्वयंसेवक विभिन्न प्रकार से अपना योगदान देते हैं। कोई आर्थिक सहयोग प्रदान करता है, कोई आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराता है, तो कोई अपना बहुमूल्य समय देकर श्रद्धालुओं की सेवा में समर्पित रहता है। कार्यक्रम के दौरान देवघर शाखा के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने पूर्वोत्तर प्रदेश के सभी समाजबंधुओं एवं श्रद्धालुओं को इस ऐतिहासिक सेवा शिविर में पधारकर सेवा एवं सहयोग का सहभागी बनने का स्नेहपूर्ण निमंत्रण भी दिया।

## पूर्वोत्तर में भाषाई एकात्म के सूत्र की पड़ताल करना आज की जरूरत : प्रो. विनोद कुमार मिश्र

**सिलचर, 24 जुलाई (ख.सं)।** शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नयी दिल्ली के भारतीय भाषा मंच, पूर्वोत्तर द्वारा कल मणिपुर विश्वविद्यालय में भारतीय भाषा मंच, मणिपुर इकाई स्थापना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन में अध्यक्ष के रूप में प्रो एस इमोबा सिंह, पूर्व मानविकी संकाय प्रमुख एवं भारतीय भाषा समिति, मणिपुर विश्वविद्यालय के समन्वय अधिकारी की उपस्थिति रही।मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय भाषा मंच के राष्ट्रीय सह-संयोजक एवं हिंदी विभाग त्रिपुरा विश्वविद्यालय के आचार्य विनोद कुमार मिश्र मौजूद रहे। साथ ही विशिष्ट अतिथि की भूमिका में ब्रह्मचारीमयुम बिल्की शर्मा,जिला कार्यवाह,राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, इम्फाल, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास,उत्तर -पूर्व के प्रचार प्रसार संयोजक एवं मेघालय प्रान्त संयोजक डॉ. आलोक सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत स्थानीय मंगलाचरण से हुई। इसके बाद इस कार्यक्रम की संयोजक तथा मणिपुर विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग की आचार्य कंचन शर्मा ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रो एस इमोबा सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि यदि आप अपनी भाषा से प्यार करते हैं तो आप अपने समाज और लोगों से प्यार करते हैं। इसके साथ उन्होंने मातृभाषाओं में उपलब्ध साहित्य को बचाएं रखने का आवाहन किया।इसके बाद प्रो विनोद कुमार मिश्र ने अपने विचार रखते हुए कहा कि भारत की प्रत्येक मातृभाषा में निहित भारतीयता की तलाश करना ही हमारा उद्देश्य है। पूर्वोत्तर में भाषाई एकात्म के सूत्र की पड़ताल करना आज की जरूरत है। भारतीय भाषा मंच ने भारत की सभी भाषाओं की ताकत को तलाशने की लगातार कोशिश की है। आभासी माध्यम से जुड़े भारतीय भाषा मंच के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. राजेश्वर कुमार ने कहा कि भाषाओं का विभाजन यह भाषाओं के लिए ठीक नहीं बल्कि उनका भारतीयकरण होना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि भाषा मंच भारतीय भाषाओं के संवर्धन के लिए कार्य करती है सभी भाषाओं को महत्व देती है। तत्पश्चात ब्रह्मचारीमयुम बिल्की शर्मा ने कहा कि हमें अपनी मातृभाषा के प्रति रुचि को विकसित करना चाहिए क्योंकि हमारी मातृभाषा में ही हमारी संस्कृति, कला दर्शन प्रमुखता पाते हैं। इसके उपरांत डॉ. आलोक सिंह ने पूर्वोत्तर में भारतीय भाषा मंच के कार्यों का उल्लेख किया। इस कार्यक्रम में हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो अखिलेश शंखधर, साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त आरके भुवनसाना सिंह, वानिकी संकाय के सहायक आचार्य डॉ विवेक वैष्णव आदि भाषाविद,विद्यार्थी, शोधार्थी उपस्थित थे।

## प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाला युवक बंदी

**नगांव, 24 जुलाई (ख.सं)।** सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के खिलाफ कथित रूप से आपत्तिजनक और अभद्र टिप्पणियां करने के आरोप में बजाली जिले के पाठशाला के एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान निपुण तालुकदार के रूप में हुई है। आरोप के अनुसार करीब दो दिन पहले युवक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संबंधित एक खबर सोशल मीडिया पर साझा कर उस पर अशोभनीय और आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इसके अलावा मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की तस्वीर साझा कर भी कथित रूप से आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप है। यह भी आरोप है कि युवक ने सोशल मीडिया पर ऐसे भड़काऊ पोस्ट किये, जिनमें असम को नेपाल और श्रीलंका जैसी अस्थिर परिस्थितियों की ओर ले जाने जैसी टिप्पणियां की गयी थीं। स्थानीय लोगों के आरोप के अनुसार निपुण तालुकदार पहले भी सोशल मीडिया पर आम लोगों को निशाना बनाकर व्यंग्यात्मक टिप्पणियां और उपहास करता रहा है।

## असम बुक ऑफ रिकाई्स में हितार्थ चाचान ने दर्ज कराया नाम

**तेजपुर, 24 जुलाई (ख.सं)।** असम बुक ऑफ रिकाई्स ने पूर्वोत्तर भारत के सबसे कम आयु के भक्ति श्लोक रत्न के रूप में रतन कुमार एवं श्यामा चाचान के पौत्र तथा लोकेश कुमार चाचान एवं नैंसी किल्ला के सुपुत्र हितार्थ चाचान को शामिल किया है। गुवाहटी के कंगारू किड्स के एलकेजी के छात्र हितार्थ चाचान ने श्रीमद् भागवद गीता के अध्याय -2,श्लोक -47 का नमस्कार मुद्रा के साथ मधुर स्वर, स्पष्ट उच्चारण, शुद्धता एवं उत्कृष्ट लय का परिचय देते हुए मात्र 12 सेकंड में पाठ कर अपना दूसरा रिकॉर्ड स्थापित किया।

## नगांव में विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करने वाले बिरिंची बोरा गिरफ्तार

**नगांव, 24 जुलाई (ख.सं)।** नगांव में प्रदर्शनकारियों को जेल भेज दिया गया है। प्रदर्शन का नेतृत्व करने वाले बिरिंची बोरा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और उन्हें 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। कल नगांव सदर थाने के सामने प्रदर्शनकारियों ने हंगामा किया था। प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की हुई थी। असम पुलिस गो बैक और गोदी मीडिया गो बैक के नारों से माहौल गरमा गया था। बिरिंची बोरा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 189(2), 189(3), 191(2), 121(1), 223, 285, 296 और 61(2) के तहत केस नंबर 551/26 दर्ज किया गया है।

## हाजो के बरम्बई पहाड़ में भयावह भूस्खलन

**हाजो, 24 जुलाई (ख.सं)।** हाजो स्थित बरम्बई पहाड़ में मूसलाधार बारिश के कारण भीषण भूस्खलन हुआ । भूस्खलन के कारण बरम्बई आंचलिक श्रीश्री दुर्गा मंदिर के सभागार की दीवार ढह गयी। पहाड़ से मलबा गिरने के कारण मंदिर की कई वस्तुएं नष्ट हो गयी और करीब लाखों रुपये की संपत्ति का नुकसान होने की जानकारी सामने आयी है। स्थानीय लोगों के अनुसार इस घटना में किसी व्यक्ति के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन मंदिर के एक हिस्से को काफी नुकसान पहुंचा है। फिलहाल घटनास्थल पर प्रशासन के अधिकारियों के पहुंचने की सूचना नहीं है। स्थानीय लोग स्थिति को लेकर सतर्कता बरत रहे हैं।

## कोकराझाड़ कैंसर सेंटर को मिली मान्यता

**कोकराझाड़, 24 जुलाई (ख.सं)।** असम कैंसर केयर फाउंडेशन की इकाई कोकराझाड़ कैंसर सेंटर को नेशनल एक्रिडिटेशन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल्स एंड हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स की प्रतिष्ठित मान्यता प्राप्त हुई है। यह मान्यता अस्पताल द्वारा मरीजों की सुरक्षा, उच्च स्तरीय चिकित्सीय सेवाओं, संक्रमण की रोकथाम एवं नियंत्रण तथा स्वास्थ्य सेवाओं की निरंतर गुणवत्ता सुधार के लिए अपनाए गए राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप कार्य करने की पुष्टि करती है। मान्यता मिलने से यह भी स्पष्ट होता है कि कोकराझाड़ कैंसर सेंटर सुरक्षित, नैतिक और मरीज-केंद्रित कैंसर उपचार उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। यह उपलब्धि असम कैंसर केयर फाउंडेशन के उस उद्देश्य को और मजबूत करती है, जिसके तहत राज्यभर में विश्वस्तरीय एवं गुणवत्तापूर्ण कैंसर उपचार सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। अस्पताल प्रबंधन ने इसे संस्थान के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए भविष्य में भी उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की प्रतिबद्धता दोहराई है।

## असम विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शुरू

**सिलचर, 24 जुलाई (ख.सं)।** असम विश्वविद्यालय, सिलचर के डिजास्टर रिस्क रिडक्शन क्लब द्वारा विकसित भारत 2047 के विजन को साकार करने में हिमालय की भूमिका विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आज शुभारंभ हुआ। यह संगोष्ठी 24 और 25 जुलाई 2026 तक आयोजित की जा रही है। कार्यक्रम का आयोजन कनेक्टिंग हिमालय के सहयोग से किया जा रहा है तथा इसे उत्तर पूर्वी परिषद, शिलांग एवं उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय, भारत सरकार का सहयोग प्राप्त है। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्देश्य हिमालयी क्षेत्र के पर्यावरण, आपदा प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा सतत विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और नीति निर्माताओं को एक साझा मंच प्रदान करना है। कार्यक्रम में इस बात पर विशेष चर्चा होगी कि विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को हासिल करने में हिमालयी क्षेत्र की क्या भूमिका हो सकती है। संगोष्ठी के दौरान देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों और शैक्षणिक संगठनों से आये विशेषज्ञ अपने शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे। जलवायु परिवर्तन, आपदा जोखिम न्यूनीकरण, जैव विविधता संरक्षण, जल संसाधन प्रबंधन और हिमालयी क्षेत्रों के सतत विकास जैसे विषयों पर गहन विचार-विमर्श किया जायेगा। आयोजकों का मानना है कि यह राष्ट्रीय संगोष्ठी हिमालय से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर नयी सोच और प्रभावी नीतियों के निर्माण में सहायक सिद्ध होगी। साथ ही युवाओं और शोधार्थियों को विशेषज्ञों के साथ संवाद का अवसर भी मिलेगा, जिससे भविष्य में आपदा प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में नये शोध और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा।

## तेजपुर में श्री मारवाड़ी दुर्गा पूजा समिति की हुई बैठक

**तेजपुर, 24 जुलाई (ख.सं)।** श्री मारवाड़ी दुर्गा पूजा समिति की एक बैठक श्री मारवाड़ी पंचायती धर्मशाला प्रांगण में आयोजित की गयी। समिति के अध्यक्ष प्रमोद शर्मा की अनुपस्थिति मे वरिष्ठ उपाध्यक्ष दीनदयाल आसोपा की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक मे प्रत्येक वर्ष की भांति इस बार भी दुर्गा पूजा महोत्सव को धूमधाम से मनाने के लिए कई विषयों पर विस्तृत रूप से चर्चा की गयी। बैठक मे सचिव जीतू बोरड़, पूर्व अध्यक्ष प्रेम झंवर, पूर्व सचिव बिष्णु डागा, पूर्व कोषाध्यक्ष अरुण बाहेती, सलाहकार रामरतन पांड्या, के अलावा राजूशर्मा, आनंद शर्मा, जुगल पांड्या, प्रमोद बगड़ा, जीतेंद्र लढा, कामख्या पारीक, राजेश अग्रवाल आदि शामिल थे।

## श्रद्धा व उल्लास के साथ निकाली गयी भगवान जगन्नाथ की उल्टी रथ यात्रा

**कोकराझाड़, 24 जुलाई (ख.सं)।** कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम में आज भगवान जगन्नाथ की घर वापसी (बहुड़ा) रथ यात्रा पूरी श्रद्धा, उल्लास और भव्यता के साथ संपन्न हुई। फकीराग्राम के रेलवे कॉलोनी स्थित लोकनाथ बाबा मंदिर से रथ आयोजक समिति के तत्वावधान में आयोजित इस यात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। दोपहर चार बजे शुरू हुई इस रथ यात्रा में भगवान जगन्नाथ के दर्शन पाने के लिए भक्तों का तांता लगा रहा। पूरा क्षेत्र जय जगन्नाथ के उद्घोष से गूंज उठा और हर कोई भक्ति रस में सराबोर नजर आया। इस दौरान भक्तों में रथ की पवित्र रस्सी को खींचने के लिए होड़ मची रही। लोगों की अटूट मान्यता है कि रथ की रस्सी खींचने मात्र से मनुष्य के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं। रथ यात्रा का मार्ग फकीराग्राम बाजार के मुख्य मार्गों से होते हुए यह रथ यात्रा अपने निर्धारित पड़ाव से गुजरी। यात्रा सबसे पहले राधा-गोबिंदो मंदिर पहुंची, वहां से पुराणबाजार दुर्गा मंदिर होते हुए अंत में कुमारगंज में जाकर पूरी हुई। इस पावन अवसर पर स्थानीय निवासियों ने सेवा भाव का अनूठा उदाहरण पेश किया। चिलचिलाती और भीषण गर्मी के बीच यात्रा मार्ग पर जगह-जगह भक्तों के लिए शीतल जल, शरबत और पेयजल की विशेष व्यवस्था की गयी थी, जिसकी सभी ने भूरि-भरि प्रशंसा की। सुरक्षा के रहे पुख्ता इंतजाम रथ यात्रा के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। पूरे मार्ग पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गयी थी, ताकि श्रद्धालु बिना किसी असुविधा के शांतिपूर्ण ढंग से भगवान की एक झलक पा सकें और उत्सव हर्षोल्लास के साथ संपन्न हो सके।

**सिलचर से हमारे संवाददाता के अनुसार** भक्तिमय वातावरण में अंतर्राष्ट्रीय कृष्ण चेतना समाज द्वारा आज सिलचर में उल्टा रथ यात्रा या बहुदा यात्रा का आयोजन किया गया। रंगिरखारी से शुरू हुआ यह सुशोभित रथ शहर की विभिन्न महत्वपूर्ण सड़कों से होते हुए अंबिकापत्ती स्थित इस्कॉन मंदिर पहुंचा। हिंदू धर्म के सबसे पवित्र त्योहारों में से एक, बहुदा यात्रा, रथ यात्रा के नौ दिन बाद मनायी जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन भगवान जगन्नाथ, बलराम और सुभद्रा अपनी मौसी के घर से अपने मंदिरों में लौटते हैं। यह वार्षिक रथ यात्रा उत्सव के औपचारिक समापन का प्रतीक है। दूसरी ओर रथ यात्रा के अवसर पर रंगिरखारी से शुरू हुई शोभायात्रा में सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। पूरा इलाका हरिनाम संकीर्तन, भजन, ढोल करताल और जय जगन्नाथ के नारों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने रथ की रस्सियां खींचीं और श्री जगन्नाथ को अपना आदर और श्रद्धा अर्पित की। शहर के विभिन्न हिस्सों से गुजरने के बाद जुलूस अंबिकापत्ती स्थित इस्कॉन मंदिर पहुंचा, जहां विशेष प्रार्थनाओं, आरती और प्रसाद वितरण के साथ उल्टा रथ यात्रा का औपचारिक समापन हुआ। भक्तों की आस्था, बहुदा यात्रा में भागीदारी और भगवान जगन्नाथ के दर्शन जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लाते हैं।

# लमडिंग में भूमि हस्तांतरण को लेकर उठे सवाल, पुराने राजस्व अभिलेखों की जांच की मांग तेज

**लमडिंग, 24 जुलाई (ख.सं)।** होजाई जिले के लंका राजस्व चक्र अंतर्गत लमडिंग मौजा स्थित एक भूमि के हस्तांतरण से जुड़ा मामला इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। उपलब्ध राजस्व अभिलेखों के अध्ययन के बाद स्थानीय लोगों के बीच कई सवाल उठे हैं। इन अभिलेखों के अनुसार जिस भूमि का नामांतरण पहले रेमेल ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज लिमिटेड के पक्ष में दर्ज था, बाद के वर्षों में वही भूमि दो निजी व्यक्तियों के नाम राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज दिखाई देती है। इस घटनाक्रम के बाद लोगों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। हालांकि यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि अब तक किसी सक्षम न्यायालय, जांच एजेंसी अथवा सरकारी विभाग ने इस मामले में किसी भी प्रकार की अनियमितता या अवैध कार्य की पुष्टि नहीं की है। उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार लंका राजस्व चक्र के अंतर्गत जोरंगदिशा गांव स्थित लगभग 1 बीघा 4 कठा भूमि को 7 फरवरी 2012 को रेमेल ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा तत्कालीन भू-स्वामियों से खरीदा गया था। इसके बाद संबंधित राजस्व प्रक्रिया पूरी करते हुए म्यूटेशन केस संख्या 347/2011-12 के माध्यम से भूमि का नामांतरण कंपनी के पक्ष में दर्ज किया गया। बाद में सामने आए राजस्व अभिलेखों से पता चलता है कि वर्ष 2017 में म्यूटेशन केस संख्या 2232/2017 के तहत उसी भूमि का नामांतरण दो निजी व्यक्तियों के नाम पर दर्ज किया गया। यहीं से पूरे मामले ने नया मोड़ लिया और स्थानीय लोगों के बीच यह जिज्ञासा बढ़ी कि पहले से कंपनी के नाम दर्ज भूमि का बाद में नामांतरण किस प्रक्रिया के तहत किया गया तथा क्या उस समय लागू सभी नियमों और औपचारिकताओं का पालन किया गया था। भूमि कानून से जुड़े जानकारों का कहना है कि नामांतरण केवल राजस्व अभिलेखों को अद्यतन करने की प्रक्रिया होती है। इसका उद्देश्य भूमि कर और प्रशासनिक रिकॉर्ड को व्यवस्थित रखना है। केवल नामांतरण के आधार पर किसी व्यक्ति का स्वामित्व अंतिम रूप से सिद्ध नहीं होता। भूमि से जुड़े अधिकारों अथवा दस्तावेजों की वैधता का निर्णय केवल सक्षम न्यायालय या अधिकृत प्राधिकारी ही कर सकता है। रेमेल ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज लिमिटेड का नाम पहले भी राज्य में संचालित वित्तीय गतिविधियों के कारण सार्वजनिक चर्चा में रहा है। ऐसे में कुछ स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि किसी ऐसी कंपनी के नाम दर्ज भूमि का बाद में नामांतरण किया जाता है, तो संबंधित प्रक्रिया का पूर्ण रिकॉर्ड सार्वजनिक रूप से स्पष्ट होना चाहिए, जिससे भविष्य में किसी प्रकार का विवाद न रहे। इस मामले को लेकर स्थानीय नागरिकों ने कहा कि वे किसी व्यक्ति विशेष या सरकारी अधिकारी के खिलाफ आरोप नहीं लगा रहे हैं। उनकी मांग केवल इतनी है कि संबंधित राजस्व रिकॉर्ड की निष्पक्ष जांच कर यह स्पष्ट किया जाए कि नामांतरण की पूरी प्रक्रिया कानून के अनुरूप संपन्न हुई थी या नहीं। यदि सभी नियमों का पालन किया गया है, तो जांच से यह बात भी स्पष्ट हो जाएगी और अनावश्यक विवाद समाप्त हो जाएगा। विशेषज्ञों के अनुसार किसी भी भूमि के नामांतरण से पहले आवेदन, पंजीकृत विक्रय विलेख, सत्यापन रिपोर्ट, राजस्व अधिकारियों की संस्तुति तथा अन्य आवश्यक दस्तावेजों का परीक्षण किया जाता है। इसलिए इस मामले में भी वास्तविक स्थिति का पता तभी चल सकेगा जब संबंधित मूल सरकारी फाइलों और अभिलेखों की विस्तार से जांच की जाएगी। मामले के दौरान उस समय संबंधित राजस्व कार्यालय में कार्यरत अधिकारियों के नाम भी सार्वजनिक चर्चा में आए हैं। लेकिन यह उल्लेख करना आवश्यक है कि अब तक किसी विभागीय जांच या न्यायिक आदेश में किसी अधिकारी के खिलाफ कोई प्रतिकूल टिप्पणी या निष्कर्ष दर्ज नहीं किया गया है। इसलिए किसी भी अधिकारी की भूमिका पर अंतिम टिप्पणी करना उचित नहीं होगा। इसी प्रकार जिन व्यक्तियों के नाम बाद के नामांतरण रिकॉर्ड में दर्ज हैं, उनका उल्लेख केवल उपलब्ध सरकारी दस्तावेजों के संदर्भ में किया गया है। इस समाचार का उद्देश्य किसी व्यक्ति की छवि को प्रभावित करना या उनके खिलाफ कोई आरोप लगाना नहीं है। प्रत्येक नागरिक को कानून के अनुसार निष्पक्ष सुनवाई और अपना पक्ष रखने का अधिकार प्राप्त है। भूमि प्रशासन से जुड़े विशेषज्ञों का मानना है कि यदि किसी राजस्व अभिलेख को लेकर सार्वजनिक स्तर पर संदेह उत्पन्न होता है, तो प्रशासन द्वारा समय पर उसकी जांच किया जाना जनहित में होता है। इससे न केवल विवाद समाप्त होता है बल्कि सरकारी रिकॉर्ड की विश्वसनीयता भी बनी रहती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि जिला प्रशासन और राजस्व विभाग इस मामले की आधिकारिक जांच शुरू करते हैं, तो घटनाक्रम की पूरी सच्चाई सामने आ सकती है। इससे यह भी स्पष्ट होगा कि नामांतरण की प्रक्रिया पूरी तरह नियमों के अनुरूप हुई थी या फिर किसी स्तर पर अतिरिक्त जांच की आवश्यकता है। भूमि विशेषज्ञों के अनुसार राजस्व रिकॉर्ड केवल प्रशासनिक दस्तावेज होते हैं।

# राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने राज्य की विकास प्राथमिकताओं पर की अहम चर्चा

**इटानगर, 24 जुलाई (एजें.)।** गवर्नर केटी परनाइक और मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने राज्य की विकास प्राथमिकताओं, अहम प्रोजेक्ट्स को लागू करने और प्राकृतिक आपदाओं व मौसम से जुड़ी घटनाओं से पैदा होने वाली चुनौतियों से निपटने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की। कल यहां लोक भवन में मुख्यमंत्री के साथ बैठक के दौरान परनाइक ने खांडू और टीम अरुणाचल प्रदेश को 10 साल की समर्पित जनसेवा पूरी करने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि पिछले दशक में इंफ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, कनेक्टिविटी, पर्यटन और ग्रामीण विकास जैसे कई क्षेत्रों में काफी प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार के जन-केंद्रित दृष्टिकोण ने शासन को नागरिकों के करीब लाने में मदद की है, खासकर दूर-दराज और सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए। सेवा आपके द्वार जैसी प्रमुख

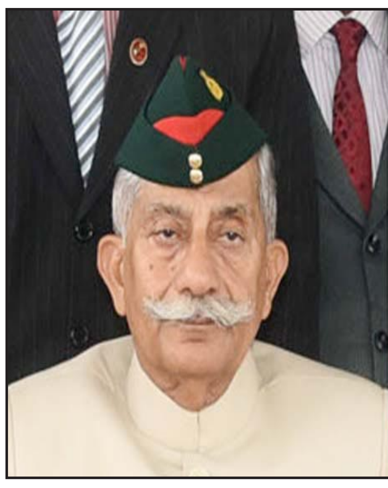

पहलों की सराहना करते हुए गवर्नर ने कहा कि इस कार्यक्रम ने सरकारी सेवाओं को लोगों के घर-घर तक पहुंचाकर जनसेवा वितरण में बदलाव किया है। उन्होंने कहा कि ऐसी पहलों ने जनता का भरोसा मजबूत किया है और समावेशी विकास की भावना को बढ़ावा दिया है। गवर्नर ने ई-गवर्नेंस और डिजिटल सेवा वितरण को आगे बढ़ाने में राज्य सरकार के प्रयासों की भी सराहना की। टेक्नोलॉजी-आधारित प्रशासन के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने विकास परियोजनाओं की योजना बनाने, निगरानी करने और मूल्यांकन के लिए जियोस्पेशियल एप्लिकेशन, सैटेलाइट इमेजरी और डेटा एनालिटिक्स के अधिक उपयोग की वकालत की।

उन्होंने कहा कि ये उपकरण निर्णय लेने की क्षमता को काफी बढ़ा सकते हैं, आपदा की तैयारी में सुधार कर सकते हैं, संसाधनों का बेहतर उपयोग कर सकते हैं और अरुणाचल प्रदेश के लोगों के लाभ के लिए कल्याणकारी और इंफ्रास्ट्रक्चर कार्यक्रमों को समय पर लागू करना सुनिश्चित कर सकते हैं।

# मेघालय ने पहला स्कूल परफॉर्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स किया लांच

**शिलांग, 24 जुलाई (एजें)।** मेघालय के शिक्षा मंत्री ने 24 जुलाई को मेघालय स्कूल परफॉर्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स (एमएसपीजीआई) 2025-26 लांच किया, जो राज्य का पहला कॉम्प्रिहेंसिव स्कूल-लेवल असेसमेंट फ्रेमवर्क है, जिसमें इसके

12 जिलों के सभी 11,443 मान्यता प्राप्त स्कूल शामिल हैं। एजुकेशन डिपार्टमेंट द्वारा सर्टिफाइड यूडीआईएसई+ 2025-26 डेटा का इस्तेमाल करके तैयार किया गया, स्कूलों को पांच मुख्य डोमेनएक्सेसिबिलिटी, डिजिटल एजुकेशन, इंफ्रास्ट्रक्चर फैसिलिटीज, नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) एक्टिविटीज, और क्वालिटी पैरामीटर्समें 43 इंडिकेटर्स पर इवैल्यूएट करता है, जिसका मैक्सिमम कंपोजिट स्कोर 1,000 पॉइंट्स है। हर स्कूल को एक अलग स्कूल रिपोर्ट कार्ड मिलेगा, जिसमें उसके ओवरऑल स्कोर, परफॉर्मेंस ग्रेड और रैंकिंग की डिटेल होगी। लॉन्च के मौके पर बोलते हुए, शिक्षा मंत्री ने कहा कि एमएसपीजीआई का मकसद सिर्फ एक रैंकिंग सिस्टम के बजाय एक डायग्नोस्टिक और प्लानिंग टूल के तौर पर काम करना है। यह फ्रेमवर्क स्कूल हेड, टीचर, स्कूल मैनेजमेंट कमेटियों और एजुकेशन अथॉरिटी को इंस्टीट्यूशनल ताकत पहचानने, कमियों को दूर करने और स्कूल की ओवरऑल तैयारी को बेहतर बनाने में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह असेसमेंट पूरी तरह से स्कूलों द्वारा सबमिट और सर्टिफाइड ऑथेंटिकेटेड यूडीआईएसई+ डेटा पर आधारित है। स्कूलों को 17 परफॉर्मेंस ग्रेड में बांटा गया है, जो उत्कर्ष (आउटस्टैंडिंग) से लेकर आकांक्षा-10 (इंटेंसिव सपोर्ट) तक हैं, जिससे सिर्फ़ रिलेटिव रैंकिंग के बजाय तय बेंचमार्क के आधार पर इवैल्यूएशन पक्का होता है। डिपार्टमेंट ने कहा कि एमएसपीजीआई को केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के परफॉर्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स (पीजीआई) पर बनाया गया है, जो नेशनल असेसमेंट फ्रेमवर्क को हर स्कूल लेवल तक बढ़ाता है।

# डीजीपी की मौत की जांच के लिए पश्चिम त्रिपुरा के एसपी के नेतृत्व में तीन सदस्यीय दल गठित

**अगरतला, 24 जुलाई (भा)।** त्रिपुरा सरकार ने पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग धनखड़ की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत की जांच के लिए पश्चिम त्रिपुरा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) की अगुवाई में तीन सदस्यीय दल का गठन किया है। इस संबंध में आज एक सरकारी आदेश जारी किया गया। भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी से जुड़े करीब 13,000 करोड़ रुपये के पीएनबी घोटाले की सीबीआई जांच और 1984 के सिख विरोधी दंगों की फिर से जांच की अगुवाई कर चुके धनखड़ का शव सोमवार को पुलिस मुख्यालय स्थित उनके कार्यालय के शौचालय में फंदे से लटका हुआ मिला। राज्य सरकार द्वारा जारी आदेश के अनुसार डीजीपी अनुराग धनखड़ की अप्राकृतिक मृत्यु की जांच पश्चिम त्रिपुरा के पुलिस अधीक्षक नमित पाठक के नेतृत्व में तीन सदस्यीय टीम करेगी। इस जांच में पश्चिम त्रिपुरा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ध्रुव नाथ और मामले के मौजूदा जांच अधिकारी एवं उप-निरीक्षक (पीएसआई) शुभजीत देब, एसपी की सहायता करेंगे। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यदि जांच के दौरान आवश्यकता पड़ती है, तो पुलिस अधीक्षक त्रिपुरा पुलिस की अपराध शाखा या किसी अन्य इकाई के अधिकारी को भी इस दल में शामिल कर सकते हैं। इसके अलावा जांच में किसी भी प्रकार की तकनीकी सहायता के लिए पश्चिम त्रिपुरा के पुलिस अधीक्षक साइबर अपराध शाखा का सहयोग ले सकते हैं। शासकीय आदेश में कहा गया है कि जांच की प्रगति रिपोर्ट साप्ताहिक आधार पर महानिरीक्षक (कानून एवं व्यवस्था) मंचक इप्पर को सौंपी जाएगी, जिसे आगे की समीक्षा के लिए त्रिपुरा के कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

# आपसी मतभेद भूलकर एकजुट हो त्रिपुरा भाजपा : देबरॉय

**त्रिपुरा, 24 जुलाई (एजें.)।** ट्राइबल एरियाज ऑटोनॉमस डिस्ट्रिक्ट काउंसिल की विलेज कमेटियों और शहरी स्थानीय निकायों के चुनाव पास आ रहे हैं। इसे देखते हुए त्रिपुरा भाजपा के अध्यक्ष अभिषेक देबरॉय ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से कहा है कि वे आपसी मतभेद भुलाकर संगठन को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करें। 24 जुलाई को सिपाहीजाला जिले के विशालगढ़ टाउन हॉल में पार्टी के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए देबरॉय ने चेतावनी दी कि पार्टी के अंदर गुटबाजी से भाजपा कमजोर होगी। उन्होंने नेताओं से अपील की कि वे निजी दुश्मनी के बजाय संगठन की एकता को प्राथमिकता दें। पार्टी में हाल ही में हुए संगठनात्मक बदलावों का जिक्र करते हुए- जिसमें

विधायक सुशांत देब की जगह अरिंदम देब को भाजपा युवा मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया। देबरॉय ने उन बातों को खारिज कर दिया, जिनमें कहा जा रहा था कि इस कदम से नेताओं को किनारे किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग कह सकते हैं कि सुशांत देब को किनारे कर दिया गया है क्योंकि वे अब युवा मोर्चा के अध्यक्ष नहीं हैं। मेरे साथ भी ऐसा ही हुआ था, जब मुझे गोमती जिले का अध्यक्ष पद से हटाया गया था। उस समय कुछ लोगों ने कहा था कि मुझे किनारे कर दिया गया है। लेकिन आज मैं प्रदेश अध्यक्ष हूं। अगर मुझे उस पद से नहीं हटाया गया होता तो शायद मैं प्रदेश अध्यक्ष नहीं बन पाता। भाजपा को एक ऐसा संगठन बताते हुए जो अलग-अलग जिम्मेदारियों के जरिये मौके देता है। देबरॉय ने कहा कि संगठनात्मक भूमिकाओं में बदलाव को नकारात्मक रूप से नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इसे पार्टी की विकास रणनीति का हिस्सा माना जाना चाहिए। राज्य भाजपाी प्रमुख ने पार्टी के भीतर गुट बनने के खिलाफ कड़ी चेतावनी भी दी और साफ किया कि वे किसी खास गुट का पक्ष नहीं लेंगे। उन्होंने कहा कि मुझे अगले तीन साल तक राज्य इकाई का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। अगर हम संगठन को मजबूत करना चाहते हैं, तो नेताओं और कार्यकर्ताओं को अपने मतभेद भुलाने होंगे। यह मानते हुए कि हर राजनीतिक संगठन में असहमति होती है, देबरॉय ने ज़ोर दिया कि पार्टी के हित में ऐसे मुद्दों को कम से कम किया जाना चाहिए।

# मेघालय के किसानों को नया बाजार, क्विक कॉमर्स से बेंगलुरु के ग्राहकों तक पहुंच रहे अनानास

**शिलांग, 24 जुलाई (एजें.)।** मेघालय के बेहतरीन अनानास बेंगलुरु के क्विक-कॉमर्स मार्केट में आ गये हैं। इससे ऑनलाइन ग्रोसरी डिलीवरी सर्विस के जरिए राज्य की पहुंच शहरी ग्राहकों तक बढ़ गयी है। ये अनानास सीधे जिरंग ऑर्गेनिक फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी से मंगाये जा रहे हैं और हवाई जहाज से बेंगलुरु भेजे जा रहे हैं। राज्य सरकार का कहना है कि इस कदम का मकसद किसानों के लिए मार्केट तक पहुंच बेहतर बनाना और उनकी उपज के लिए अच्छी कीमत सुनिश्चित करना है। ये अनानास अपनी ज्यादा ब्रिक्स वैल्यू (मिठास का पैमाना), मिठास और खुशबू के लिए जाने जाते हैं। अधिकारियों ने बताया कि यह पहल किसानों के लिए सीधे मार्केट से जुड़ने के रास्ते मजबूत करने और पारंपरिक सप्लाई चेन पर निर्भरता कम करने की कोशिशों का हिस्सा है। यह घटनाक्रम नयी दिल्ली के दिल्ली हाट में हुए चौथे मेघालय अनानास फेस्टिवल के बाद हुआ है, जहां सरकार के मुताबिक तीन दिनों में लगभग 30 मीट्रिक टन ताजे अनानास बेचे गये थे। मार्केट तक पहुंच और बढ़ाने के लिये मेघालय सरकार ने फ्लिपकार्ट और एनसीडीईएक्स ई-मार्केट्स लिमिटेड (NeML) के साथ समझौते किये हैं, ताकि डिजिटल और संस्थागत प्लेटफॉर्म के जरिये राज्य की कृषि उपज को बढ़ावा दिया जा सके।

# नागा संगठनों ने की कामजोंग बेली ब्रिज धमाके की जांच की मांग

**इंफाल, 24 जुलाई (एजें.)।** मणिपुर के कामजोंग जिले में 21-22 जुलाई की रात नंबन लोक नदी पर बने 130 फीट लंबे बेली ब्रिज को नष्ट किये जाने की घटना की नागा सिविल सोसायटी ने कड़ी निंदा की है। प्रमुख संगठनों ने आम लोगों के लिये बेहद जरूरी इस लाइफलाइन को नष्ट करने के मामले में तुरंत जांच और आपराधिक कार्रवाई की मांग की है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के तहत 2016 में बने इस पुल को एक जबर्दस्त धमाके में उड़ा दिया गया, जिससे कामजोंग और सहमफुंग सब-डिविजन के बीच सड़क संपर्क टूट गया है। धमाके में पुल का बीच का हिस्सा नष्ट हो जाने से सहमफुंग ब्लॉक के 10 से ज्यादा गांव कट गए हैं; इस ब्लॉक में कुल 21 से ज्यादा गांव हैं। खनुइथोट-खोन (वॉयस ऑफ द नागा यूथ) और तंगखुल नागा लांग (टीएनएल) की वर्किंग कमेटी ने आरोप लगाया है कि इसके लिए कुकी उग्रवादी समूह जिम्मेदार हैं। खनुइथोट-खोन ने इसमें असम राइफल्स के जवानों की मिलीभगत का भी आरोप लगाया है। उनका कहना है कि नेशनल हाईवे-202 पर आवाजाही पर सख़्त पाबंदियां लगने के बाद यह रास्ता बहुत अहम हो गया था। टीएनएव ने यह भी दावा किया है कि कुल्तुह, फाइकोह और मोलनोई जैसे गांवों से सक्रिय हथियारबंद कुकी समूहों ने भारत-म्यांमार सीमा के पार से काम करने वाले और पीपल्स डिफेंस फोर्स (पीडीएफ) के सदस्यों के साथ मिलकर, हाल के महीनों में कामजोंग जिले के कुछ इलाकों में हिंसक गतिविधियां तेज कर दी हैं। हमलावरों ने हमले के दौरान टेलीकॉम विभाग की खड़ी बोलेरो गाड़ी में भी आग लगा दी। दोनों संगठनों ने न्यायिक या स्वतंत्र जांच, युद्ध स्तर पर पुल की तुरंत बहाली और इसमें शामिल पाए जाने वाले सभी लोगों और सुरक्षा कर्मियों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज करने की मांग की है। पुलिस ने स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज कर लिया है और इस अहम सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को नष्ट करने के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

# समग्र शिक्षा के तहत त्रिपुरा विद्याज्योति स्कूलों में रोबोटिक्स, वीआर लैब शुरू करेगा

**त्रिपुरा, 24 जुलाई (एजें.)।** त्रिपुरा सरकार ने समग्र शिक्षा योजना के तहत राज्य भर के विद्याज्योति स्कूलों में रोबोटिक्स, ड्रोन टेक्नोलॉजी और वर्चुअल रियलिटी (वीआर)-आधारित लर्निंग शुरू करने के लिए टेक्नोलॉजी-आधारित शिक्षा कार्यक्रम शुरू किया है। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा लागू की जा रही इस पहल का मकसद नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) 2020 के लक्ष्यों के अनुसार क्लासरूम की पढ़ाई में नयी टेक्नोलॉजी को शामिल करना है। अनुभव-आधारित लर्निंग को बढ़ावा देने और छात्रों की एनालिटिकल, क्रिएटिव और समस्या-समाधान क्षमताओं को बेहतर बनाने के लिए सभी विद्याज्योति स्कूलों में रोबोटिक्स और वीआर लैब बनायी जा रही हैं। इस कार्यक्रम को सपोर्ट करने के लिए स्कूलों को जरूरी टेक्नोलॉजी इंफ्रास्ट्रक्चर दिया जा रहा है, जिसमें रोबोटिक्स उपकरण, वीआर डिवाइस और प्रैक्टिकल लर्निंग के लिए जरूरी अन्य इलेक्ट्रॉनिक टूल शामिल हैं। इस पहल के हिस्से के तौर पर 20 जुलाई को शिशु बिहार स्कूल में शिक्षकों के लिए पांच दिन का क्षमता-निर्माण कार्यक्रम शुरू हुआ। इस ट्रेनिंग का मकसद शिक्षकों को लैब को स्वतंत्र रूप से संभालने और क्लासरूम की पढ़ाई में नयी टेक्नोलॉजी को प्रभावी ढंग से शामिल करने के लिए तैयार करना है। सेशन के दौरान शिक्षकों को रोबोटिक्स, सेंसर-आधारित सिस्टम, बैटरी से चलने वाले मॉडल और ड्रोन ऑपरेशन का प्रैक्टिकल अनुभव मिल रहा है। उन्हें ड्रोन कंट्रोल के लिए मोबाइल एप्लीकेशन का इस्तेमाल करने की ट्रेनिंग भी दी जा रही है ताकि बाद में छात्रों को इस टेक्नोलॉजी के प्रैक्टिकल इस्तेमाल के बारे में बताया जा सके। यह कार्यक्रम शिक्षकों को वीआर हेडसेट के इस्तेमाल से भी परिचित कराता है, जिससे छात्र सिम्युलेटेड माहौल के जरिये विज्ञान, इतिहास, अंतरिक्ष अन्वेषण और मानव शरीर रचना विज्ञान जैसे विषयों में इमर्सिव (गहन अनुभव वाले) पाठों का अनुभव कर सकते हैं। शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने कहा कि लैब के चालू होने के बाद उपकरणों के सही इस्तेमाल और कार्यक्रम के सुचारू रूप से लागू होने को सुनिश्चित करने के लिए उनकी नियमित रूप से निगरानी की जाएगी। सरकार को उम्मीद है कि इस पहल से क्लासरूम की पढ़ाई ज्यादा दिलचस्प बनेगी, विज्ञान और टेक्नोलॉजी में रुचि बढ़ेगी, छात्रों में इनोवेशन को बढ़ावा मिलेगा और उन्हें भविष्य के शैक्षणिक और कैरियर के अवसरों के लिए जरूरी स्किल्स से लैस किया जा सकेगा। अधिकारियों का यह भी मानना है कि इंटरैक्टिव लर्निंग तरीकों के ज्यादा इस्तेमाल से छात्रों की भागीदारी बढ़ाने और स्कूल छोड़ने की दर को कम करने में मदद मिल सकती है।

# पूसी रेलवे ने ग्राहक अनुकूल पहलों के साथ माल परिवहन सेवाओं को दी गति

**गुवाहाटी, 24 जुलाई (ख.सं.)।** पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने अपने नेटवर्क में माल ढुलाई राजस्व को बढ़ाने के साथ-साथ माल परिवहन सेवाओं में सुधार के लिए कई ग्राहक-केंद्रित पहलें शुरू की हैं। इन उपायों का उद्देश्य ग्राहकों के लिए कार्गो की आवाजाही को अधिक तेज, कुशल और सुविधाजनक बनाना है। पार्सल हैंडलिंग सुविधाओं का विस्तार करने के लिए लामडिंग मंडल के अधीन नारंगी स्टेशन में 10 जून से आवक और जावक दोनों तरह के लीज्ड पार्सल की बुकिंग और हैंडलिंग, एसएलआर और पार्सल वैन में पार्सल स्पेस की अग्रिम बुकिंग और इंडेंटेड पार्सल ट्रैफिक शुरू किया गया है। माल परिवहन के संचालन को सुव्यवस्थित करने की दिशा में एक अन्य कदम के तहत कटिहार मंडल के अधीन बालुरघाट-हिली सेक्शन पर नवनिर्मित ब्रॉड-गेज स्टेशनों

के लिए प्रभार्य अंतर-दूरी को 23 जून से स्वीकृत कर दिया गया है, ताकि माल की सुगम आवाजाही सुनिश्चित हो। एनएफआर ने अपने मंडलों में शानदार माल लोडिंग भी दर्ज किया है। अलीपुरद्वार मंडल ने मक्का के छह रैक (252 वैगन) लोड किए, जिससे माल ढुलाई राजस्व के रूप में 4.22 करोड़ रुपये की आय हुई। कटिहार मंडल ने मक्का के 39 रैक लोड किये, जिससे 23.53 करोड़ रुपये की आय हुई। लामडिंग मंडल ने भी स्टोन चिप्स के 1,712 वैगन बुक कर, राजस्व में 6.97 करोड़ रुपये अर्जित करते हुए मजबूत स्थिति दर्ज की। इसके अलावा सीमेंट के 2,420 वैगन लोड किये गये और 9.89 करोड़ रुपये का राजस्व योगदान मिला, जबकि पेट्रोलियम, तेल और लुब्रिकेंट्स के 444 वैगन की लोडिंग से 4.08 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल हुआ। ये पहलें माल ढुलाई सुविधाओं का विस्तार करने, लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और कार्गो की कुशल आवाजाही सुनिश्चित कर ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के निरंतर प्रयासों को दर्शाती हैं। व्यापारों के लिएरेल परिवहन के अधिक अवसरों का सृजन कर, एनएफआरपूरे क्षेत्र में क्षेत्रीय व्यापार, आर्थिक विकास और विश्वसनीय माल परिवहन सेवाओं को बढ़ावा देने को प्रतिबद्ध है।

# शिरुई जंगलों में पहली बार दिखे लुप्तप्राय ढोल, वन्यजीव संरक्षण के लिए बड़ी उपलब्धि

**इंफाल, 24 जुलाई (एजें.)।** मणिपुर में वन्यजीव संरक्षण की दिशा में एक अहम खोज के तहत, उखरुल जिले के शिरुई गांव के जंगलों में कैमरा ट्रैप के जरिये पहली बार लुप्तप्राय ढोल जिसे एशियाई जंगली कुत्ते के नाम से भी जाना जाता है की मौजूदगी दर्ज की गयी है। यह रिकॉर्ड एनवायरनमेंटल फोर्स एट ग्रासरूट लेवल द्वारा किये गये वन्यजीव निगरानी सर्वेक्षण के दौरान बनाया गया। यह संगठन शिरुई गांव की जैव-विविधता को दर्ज करने और समुदाय के नेतृत्व में संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है।

पिछले आठ वर्षों से ईएनएफओजीएएल उखरुल जिले में वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर कार्यक्रम चला रहा है। इसमें स्कूलों, युवाओं, गांव के अधिकारियों और स्थानीय समुदायों को शामिल करके वन्यजीवों की देखभाल और संरक्षण की संस्कृति को मजबूत किया जा रहा है। पीढ़ियों से कई लोगों का मानना था कि शिरुई के आस-पास की पहाड़ियों में ढोल नहीं पाये जाते हैं। कैमरा ट्रैप फुटेज ने अब इस मुश्किल से दिखने वाले मांसाहारी जानवर की मौजूदगी की पुष्टि कर दी है। इससे गांव के वन्यजीव रिकॉर्ड की बढ़ती सूची में एक और उल्लेखनीय प्रजाति जुड़ गयी है और शिरुई को वन्यजीवों के लिए एक सुरक्षित ठिकाने और मणिपुर के सबसे महत्वपूर्ण जैव-विविधता वाले इलाकों में से एक के रूप में और अधिक पहचान मिली है।

यह सर्वेक्षण स्थानीय समुदाय, विशेषकर पमरेइथिंग के सहयोग से संभव हो पाया। पमरेइथिंग पहले शिकारी थे, लेकिन अब वे पूरी तरह से संरक्षण के काम में समर्पित हैं। जंगल और वन्यजीवों की गतिविधियों के बारे में अपनी गहरी जानकारी का इस्तेमाल करते हुए उन्होंने कैमरा ट्रैप लगाने की जगह तय करने में अहम भूमिका निभायी, जहां आखिरकार ढोल की तस्वीर कैद हुई। शिकारी से संरक्षणवादी बनने का उनका सफर यह दिखाता है कि वन्यजीवों की सुरक्षा में स्थानीय समुदाय कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

ढोल को आईयूसीएन रेड लिस्ट में लुप्तप्राय श्रेणी में रखा गया है और यह एशिया के सबसे ज्यादा खतरे वाले सामाजिक मांसाहारी जानवरों में से एक है। इनका अस्तित्व स्वस्थ जंगलों, शिकार की प्रचुरता और इंसानी दखल की कमी पर निर्भर करता है। शिरुई में इस प्रजाति की मौजूदगी यह बताती है कि गांव के जंगल इस मुश्किल से दिखने वाले शिकारी जानवर के लिए उपयुक्त आवास बने हुए हैं। इस खोज से शिरुई गांव का पारिस्थितिक महत्व और भी बढ़ गया है। पिछले कुछ वर्षों में, इस इलाके से वन्यजीवों के कई उल्लेखनीय रिकॉर्ड सामने आये हैं, जो संकेत देते हैं कि यहां के जंगलों में अभी भी ऐसी प्रजातियां मौजूद हैं, जिनके बारे में वैज्ञानिक रूप से कोई जानकारी दर्ज नहीं की गयी है।

संरक्षणवादियों का मानना है कि अभी और भी बहुत कुछ खोजना बाकी है और लगातार शोध से इस अद्भुत इलाके में कई और दुर्लभ और महत्वपूर्ण प्रजातियों का पता चल सकता है। एक लुप्तप्राय मांसाहारी जानवर की मौजूदगी दर्ज करने के अलावा, कैमरा ट्रैप से मिले सबूतों से वन्यजीव संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता और सराहना की भावना मजबूत होने की उम्मीद है। इस तरह की खोज न केवल दुर्लभ प्रजातियों की मौजूदगी की पुष्टि करती है, बल्कि समुदायों को अपने आस-पास की समृद्ध जैव-विविधता और आने वाली पीढ़ियों के लिए इसे बचाने के महत्व के प्रति जागरूक होने के लिए भी प्रोत्साहित करती है। उखरुल वन विभाग जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से पूरे जिले में वन्यजीव संरक्षण को बढ़ावा दे रहा है। कम्युनिटी-बेस्ड सस्टेनेबल फॉरेस्ट मैनेजमेंट परियोजना के तहत शिरुई गांव में फॉरेस्ट एरिया क्लोजर पहल ने संरक्षण प्रयासों को और मजबूत किया है। इस पहल के हिस्से के रूप में गांव की एक विशेष वन गश्ती टीम संरक्षित वन की नियमित निगरानी करती है ताकि शिकार और फंसाने जैसी अवैध गतिविधियों को रोका जा सके, जिससे वन्यजीवों के लिए सुरक्षित वातावरण बनाने में मदद मिलती है। इस खोज पर बात करते हुए ईएनएफओजीएएल के सह-संस्थापक और शिरुई गांव के निवासी पैट्रिक शांग ने कहा कि शिरुई गांव के निवासी के रूप में यह खोज मेरे लिए बहुत मायने रखती है। यह हमारे जंगलों की समृद्धि और उन्हें बचाने के लिए हमारे समुदाय की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस उपलब्धि का श्रेय शिरुई ग्राम प्राधिकरण और शिरुई के लोगों को जाता है, जिन्होंने शिकार पर प्रतिबंध लगाने और वन्यजीव संरक्षण का समर्थन करने का निर्णय लिया। उनकी सामूहिक कोशिशों के कारण हमारे जंगल वन्यजीवों के लिए सुरक्षित आश्रय स्थल बने हुए हैं। मुझे उम्मीद है कि यह खोज सभी को आने वाली पीढ़ियों के लिए हमारी प्राकृतिक विरासत की रक्षा और संरक्षण जारी रखने के लिए प्रेरित करेगी। यह खोज शिरुई गांव के संरक्षण मूल्य का एक और प्रमाण है, जहां सामुदायिक देखरेख, पारंपरिक नेतृत्व, वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण और निरंतर संरक्षण प्रयास वन्यजीवों की रक्षा करने और मणिपुर की छिपी हुई जैव-विविधता को सामने लाने में मदद कर रहे हैं। जैसे-जैसे शोध आगे बढ़ रहा है। संरक्षणवादियों का मानना है कि शिरुई के जंगलों में अभी और भी कई प्रजातियां मिल सकती हैं जिनका दस्तावेजीकरण होना बाकी है, जिससे पूर्वोत्तर भारत के उत्कृष्ट समुदाय-संरक्षित इलाकों में से एक के रूप में गांव का महत्व और बढ़ेगा।

# भारत के लिए बढ़ता संकट दुनिया के लिए चेतावनी

मध्य-पूर्व में तेजी से बदलते युद्ध के हालात भारत के लिए भी गंभीर चिंता का विषय बनते जा रहे हैं। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है, जिसका बड़ा हिस्सा खाड़ी देशों से आता है। इसके अलावा, लगभग 90 लाख भारतीय विभिन्न खाड़ी देशों में कार्यरत हैं और हर वर्ष अरबों डॉलर की विदेशी मुद्रा भारत भेजते हैं। यदि ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच जारी संघर्ष और व्यापक होता है तो यमन के हूती विद्रोही लाल सागर और बाब-अल-मंदेब जलडमरूमध्य में समुद्री मार्गों को अवरुद्ध करते हैं, तो इसका सीधा प्रभाव भारत की ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार, समुद्री परिवहन और विदेशों में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा पर पड़ेगा। तेल की कीमतों में वृद्धि से महंगाई बढ़ेगी, परिवहन लागत बढ़ेगी और आर्थिक विकास की गति भी प्रभावित हो सकती है। इसलिए यह संघर्ष भारत के लिए केवल एक अंतर्राष्ट्रीय घटना नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हितों से जुड़ा एक महत्वपूर्ण विषय है।

यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा सऊदी अरब के लाल सागर स्थित बंदरगाहों की नाकेबंदी की घोषणा ने इस युद्ध को एक नये और अधिक खतरनाक चरण में पहुंचा दिया है। अब तक ईरान और इजराइल के बीच प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संघर्ष चल रहा था, लेकिन हूतियों की सक्रिय भागीदारी ने संकेत दे दिया है कि यह युद्ध पूरे पश्चिम एशिया को अपनी चपेट में ले सकता है। हूती विद्रोही लंबे समय से ईरान के करीबी सहयोगी माने जाते हैं और लाल सागर के महत्वपूर्ण तटीय क्षेत्रों पर उनका प्रभाव है। यदि वे बाब-अल-मंदेब जलडमरूमध्य को प्रभावी रूप से बाधित करते हैं, तो यूरोप और एशिया के बीच समुद्री व्यापार बुरी तरह प्रभावित होगा।

यह संकट इसलिए भी गंभीर है क्योंकि ईरान पहले से ही होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से वैश्विक तेल आपूर्ति पर दबाव बनाये हुए है। यदि होर्मुज और बाब-अल-मंदेब दोनों समुद्री मार्ग प्रभावित होते हैं, तो विश्व अर्थव्यवस्था को दोहरी मार झेलनी पड़ेगी। समुद्री माल ढुलाई महंगी होगी, तेल और गैस की कीमतों में उछाल आएगा तथा वैश्विक आपूर्ति शृंखला एक बार फिर बाधित होगी। कोविड महामारी के बाद जिस प्रकार दुनिया धीरे-धीरे आर्थिक स्थिरता की ओर लौट रही थी, उस पर यह युद्ध गंभीर आघात पहुंचा सकता है।

सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और अन्य खाड़ी देशों की अर्थव्यवस्था मुख्यतः ऊर्जा निर्यात पर आधारित है। यदि उनके निर्यात मार्ग बाधित होते हैं तो इसका प्रभाव केवल इन देशों तक सीमित नहीं रहेगा। एशिया, यूरोप और अफ्रीका के अनेक देश इसकी कीमत चुकाएंगे। भारत भी इससे अछूता नहीं रहेगा। ऊर्जा आयात महंगा होने से सरकार पर वित्तीय दबाव बढ़ेगा और आम नागरिकों को महंगाई का सामना करना पड़ेगा। उद्योगों की उत्पादन लागत बढ़ेगी और आर्थिक विकास की गति धीमी पड़ सकती है।

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे चिंताजनक पक्ष यह है कि युद्ध का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। पहले यह संघर्ष ईरान और इस्राइल तक सीमित था। बाद में अमेरिका सीधे इसमें शामिल हुआ। अब यमन, जॉर्डन और खाड़ी देशों पर भी इसका प्रभाव स्पष्ट दिखायी दे रहा है। यदि यह स्थिति नियंत्रण से बाहर होती है तो पूरा पश्चिम एशिया एक व्यापक युद्ध की आग में झुलस सकता है। इतिहास बताता है कि इस क्षेत्र में छिड़े युद्ध वर्षों तक चलते हैं और उनके परिणाम पूरी दुनिया को भुगतने पड़ते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने इस समय सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वे सैन्य कार्रवाई को आगे बढ़ाते हैं या कूटनीति का रास्ता अपनाते हैं। पिछले दो दशकों के अनुभव बताते हैं कि अफगानिस्तान और इराक जैसे युद्धों ने सैन्य विजय तो दी, लेकिन स्थायी शांति नहीं ला सके। इसके विपरीत, लंबे युद्धों ने मानवीय संकट, आर्थिक क्षति और राजनीतिक अस्थिरता को ही जन्म दिया। ईरान भी प्रत्यक्ष युद्ध के साथ-साथ अपने सहयोगी संगठनों के माध्यम से जवाब देने की रणनीति अपना रहा है। ऐसे में केवल सैन्य कार्रवाई से समाधान निकलने की संभावना बहुत कम दिखायी देती है।

भारत ने हमेशा संवाद, संयम और शांतिपूर्ण समाधान की नीति का समर्थन किया है। वर्तमान परिस्थितियों में यही सबसे व्यवहारिक और दूरदर्शी दृष्टिकोण है। संयुक्त राष्ट्र और प्रमुख वैश्विक शक्तियों को तत्काल युद्धविराम सुनिश्चित करने तथा सभी पक्षों को बातचीत की मेज पर लाने का प्रयास करना चाहिए। युद्ध जितना लंबा चलेगा, उतना ही अधिक मानवीय संकट, आर्थिक अस्थिरता और वैश्विक तनाव बढ़ेगा।

आज दुनिया को हथियारों की नहीं, बल्कि कूटनीति की आवश्यकता है। यदि समय रहते इस संघर्ष को नहीं रोका गया, तो इसका प्रभाव केवल मध्य-पूर्व तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि भारत सहित पूरी दुनिया को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। यही समय है जब सभी पक्ष शक्ति प्रदर्शन के बजाय संवाद, धैर्य और विवेक का मार्ग अपनाएं। स्थायी शांति का रास्ता युद्ध नहीं, बल्कि कूटनीति और पारस्परिक विश्वास से होकर गुजरता है।

# संवाद से सशक्त होगा लोकतंत्र, हिंसा से नहीं

**ललित गर्ग**

दिल्ली के जंतर-मंतर से संसद भवन तक हाल के आंदोलन के दौरान जो तनाव, टकराव और हिंसक घटनाएं देखने को मिलीं, वे केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं हैं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती हैं। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव, बैरिकेड तोड़ने के प्रयास, मेट्रो स्टेशन में जबरन प्रवेश की कोशिश, पुलिस द्वारा लाठीचार्ज और आंसू गैस का प्रयोग-ये सभी दृश्य उस लोकतांत्रिक संस्कृति के अनुरूप नहीं कहे जा सकते, जिसकी आधारशिला अहिंसा, संवाद और संवैधानिक मर्यादाओं पर रखी गयी है। भारत आज आजादी के शताब्दी वर्ष 2047 की ओर बढ़ रहा है। यह केवल आर्थिक महाशक्ति बनने का लक्ष्य नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक परिपक्वता की कसौटी पर भी स्वयं को सिद्ध करने का अवसर है। यदि हम आज भी असहमति को हिंसा, टकराव और अराजकता के माध्यम से व्यक्त करेंगे, तो लोकतंत्र की आत्मा कमजोर होगी। लोकतंत्र की शक्ति सड़क पर शक्ति-प्रदर्शन में नहीं, बल्कि विचारों की शक्ति, संवाद की संस्कृति और संवैधानिक प्रक्रियाओं में निहित होती है।

राहुल गांधी द्वारा नीट पेपर लीक प्रकरण को लेकर चल रहे घरना-प्रदर्शन के दौरान अचानक अपने सहयोगी सांसदों के साथ प्रधानमंत्री आवास के निकट धरने पर बैठना और संसद की बजाय सड़क को राजनीतिक संघर्ष का मंच बनाना अनेक गंभीर प्रश्न खड़े करता है। जिस प्रकार इससे पहले कॉकरोच जनता पार्टी के तथाकथित छात्रों एवं कार्यकर्ताओं ने संसद चलो मार्च के दौरान तनावपूर्ण, अराजक एवं हिंसक माहौल बनाने की घटनाएं सामने आईं, उससे यह आशंका बलवती हुई कि कुछ राजनीतिक शक्तियां भारत में भी नेपाल जैसी अराजक परिस्थितियां पैदा करने को उजावले हैं। सरकार की सतर्कता और सुरक्षा एजेंसियों की समय रहते की गयी कार्रवाई से, कुछ कमियों के बावजूद, इस बड़े संकट को टाल दिया गया, अन्यथा दिल्ली लंबे समय तक हिंसा और अशांति की चपेट में आ सकती थी। देश पहले भी नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के विरोध के दौरान शाहीन बाग में लगभग सौ दिनों तक एक प्रमुख सड़क के अवरुद्ध रहने और उससे आम नागरिकों को हुई भारी कठिनाइयों का अनुभव कर चुका है। लोकतंत्र में असहमति और विरोध का अधिकार निर्विवाद है, लेकिन उसका स्थान संसद, संवाद और संवैधानिक संस्थाएं हैं, न कि सड़क पर टकराव और अराजकता। विपक्ष यदि बार-बार ऐसे आंदोलनों को प्रोत्साहित करता है, तो यह प्रश्न स्वाभाविक है कि उसका उद्देश्य लोकतांत्रिक विमर्श को मजबूत करना है या राजनीतिक ध्रुवीकरण और अस्थिरता को बढ़ावा देना। जनता अपेक्षा करती है कि सभी दल संसद को सर्वोच्च मंच मानते हुए वहीं जवाबदेही सुनिश्चित करें।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19 प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा शांतिपूर्ण और निरस्त्र सभा करने का अधिकार देता है। यह अधिकार लोकतंत्र की सबसे बड़ी पहचान है। किंतु प्रत्येक अधिकार के साथ कर्तव्य और मर्यादा भी जुड़ी होती है। प्रदर्शन करना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना, पुलिस से टकराव करना, हिंसा फैलाना अथवा आम नागरिकों के जीवन को बाधित करना किसी भी दृष्टि से लोकतांत्रिक आचरण नहीं कहा जा सकता। यदि आंदोलन अपनी नैतिक शक्ति खो देता है, तो उसकी मांगें भी समाज की सहानुभूति खो बैठती हैं। यह भी उतना ही सत्य है कि लोकतंत्र केवल जनता के लिए नहीं, बल्कि सरकार के लिए भी उत्तरदायित्व का नाम है। सरकार को भी आंदोलनों को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मानकर नहीं देखना चाहिए। जब भी किसी वर्ग, विशेषकर युवाओं और छात्रों में असंतोष उत्पन्न हो, तो उसका समय रहते समाधान खोजने का प्रयास होना चाहिए। संवाद के दरवाजे जितनी जल्दी खुलेंगे, टकराव की संभावनाएं उतनी ही कम होंगी। लोकतंत्र में सरकार की सबसे बड़ी शक्ति उसका धैर्य, संवेदनशीलता और संवाद की इच्छा होती है।

इतिहास साक्षी है कि भारत के अधिकांश सफल जनआंदोलन अहिंसा और संवाद की शक्ति से ही सफल हुए हैं। महात्मा गांधी ने विश्व को यह संदेश दिया कि सत्य और अहिंसा सबसे बड़े अस्त्र हैं। वर्ष 2011 का अन्ना हजारे का भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन भी इसका उदाहरण है। लाखों लोग सड़कों पर उतरे, लेकिन आंदोलन का नैतिक बल उसकी शांति और अनुशासन में था। उसी कारण सरकार को संवाद का रास्ता अपनाना पड़ा और पूरे देश में एक सकारात्मक बहस प्रारंभ हुई। इसके विपरीत जहां-जहां आंदोलनों ने हिंसा का मार्ग अपनाया, वहां उनका मूल उद्देश्य पीछे छूट गया और चर्चा केवल हिंसा तक सीमित होकर रह गयी। आज सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर ऐसी कौन-सी शक्तियां हैं, जो सामान्य और भोली-भाली जनता एवं देश के युवाओं को हिंसा की ओर धकेल देती हैं? कौन-से तत्व आंदोलनों की दिशा बदलकर उन्हें अराजकता में परिवर्तित कर देते हैं? यह चिंता केवल सरकार की नहीं, पूरे समाज की होनी चाहिए। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, लेकिन यदि असहमति के मंच पर राष्ट्रविरोधी, अराजक अथवा हिंसक तत्व सक्रिय हो जाएं, तो उन्हें नियंत्रित करना भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का अनिवार्य दायित्व बन जाता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ अराजकता की स्वतंत्रता नहीं हो सकता।

संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च मंदिर है। जंतर-मंतर लोकतांत्रिक विरोध का प्रतीक स्थल है। यदि इन दोनों के बीच हिंसा, तोड़फोड़ व अराजकता का दृश्य निर्मित होता है, तो यह केवल राजधानी की घटना नहीं रहती, बल्कि पूरे देश और विश्व के सामने भारतीय लोकतंत्र की छवि को प्रभावित करती है। लोकतंत्र की गरिमा इस बात में नहीं कि कौन अधिक आक्रामक है, बल्कि इस बात में है कि कौन अधिक संयमित और उत्तरदायी है। राजनीतिक दलों को भी आत्ममंथन करना होगा। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों लोकतंत्र के दो पहिए हैं। यदि दोनों के बीच संवाद समाप्त हो जाएगा, तो लोकतंत्र टकराव का अखाड़ा बन जाएगा। विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक विकल्प प्रस्तुत करना भी है। उसी प्रकार सरकार का दायित्व केवल शक्ति प्रदर्शन करना नहीं, बल्कि असहमति को सम्मानपूर्वक सुनना भी है। लोकतंत्र में किसी की पूर्ण विजय या पूर्ण पराजय नहीं होती, यहां अंततः संवाद, सहमति और समाधान ही सबसे बड़ी जीत होती है।

छात्रों और युवाओं की समस्याओं का समाधान भी अत्यंत आवश्यक है। युवा किसी भी राष्ट्र की ऊर्जा हैं। यदि उनकी आशाओं और अपेक्षाओं की उपेक्षा होगी, तो असंतोष स्वाभाविक रूप से बढ़ेगा। इसलिए सरकार को चाहिए कि वह युवाओं से नियमित संवाद स्थापित करे, उनकी समस्याओं को समयबद्ध ढंग से सुने और समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाये। वहीं युवाओं को भी यह समझना होगा कि हिंसा उनके आंदोलन की सबसे बड़ी शत्रु है। पत्थर और लाठी किसी समस्या का समाधान नहीं करते, वे केवल संवाद के पुलों को तोड़ते हैं। आज आवश्यकता लोकतंत्र को अधिक परिपक्व बनाने की है। हमें ऐसी राजनीतिक संस्कृति विकसित करनी होगी, जिसमें विरोध हो, लेकिन वैमनस्य न हो। मतभेद हों, लेकिन मनभेद न हों। संघर्ष हो, लेकिन हिंसा न हो। लोकतंत्र में बहस जितनी प्रखर होगी, राष्ट्र उतना ही मजबूत होगा। किंतु बहस का स्थान यदि हिंसा ले लेगी, तो लोकतंत्र की आत्मा आहत होगी। जंतर-मंतर से संसद तक जो कुछ हुआ, उसे लोकतांत्रिक आदर्श नहीं कहा जा सकता। यह किसी परिपक्व राजनीतिक सोच का भी परिचायक नहीं है। राष्ट्र निर्माण का मार्ग टकराव नहीं, सहयोग है। हिंसा नहीं, सहमति है। उग्रता नहीं, उदारता है। इसलिए आवश्यक है कि सभी पक्ष अपने-अपने आग्रहों से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखें।

आज देश को ऐसे नेतृत्व और ऐसी जनचेतना की आवश्यकता है, जो संवाद को संघर्ष से ऊपर रखे। सरकार उदारता और संवेदनशीलता दिखाये, आंदोलनकारी संयम और अनुशासन अपनाएं तथा राजनीतिक दल अल्पकालिक लाभ के बजाय लोकतंत्र की दीर्घकालिक मजबूती को प्राथमिकता दें। यही भारत की लोकतांत्रिक परंपरा की वास्तविक पहचान भी है और भविष्य की आवश्यकता भी। अंततः यही कामना की जानी चाहिए कि जिन शक्तियों के कारण आंदोलनों में हिंसा और टकराव का वातावरण बनता है, उन्हें सद्बुद्धि प्राप्त हो। सभी पक्ष संवाद की मेज पर बैठें, अपनी बात तर्क, तथ्यों और संवैधानिक मर्यादाओं के साथ रखें तथा समाधान का मार्ग खोजें। लोकतंत्र की सबसे बड़ी विजय किसी पक्ष की जीत नहीं होती, बल्कि वह क्षण होता है जब विरोधी पक्ष भी एक-दूसरे की बात सुनने और समझने के लिए तैयार हो जाते हैं। यही आदर्श लोकतंत्र की पहचान है और यही विकसित भारत की सबसे मजबूत बुनियाद भी है।

# जंतर-मंतर पर प्रदर्शन: विरोध की भाषा या भाषा का पतन

**विनोद पाठक**

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति यह है कि वह असहमति को स्थान देता है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में नागरिकों को अपनी मांगों, शिकायतों और विचारों को शांतिपूर्ण ढंग से अभिव्यक्त करने का अधिकार होता है। भारत में जंतर-मंतर लंबे समय से ऐसे जनांदोलनों का प्रतीक रहा है, जहां विभिन्न वर्ग अपनी समस्याओं को सरकार और समाज के सामने रखते रहे हैं।

विरोध, प्रदर्शन और नारे लोकतंत्र की स्वाभाविक अभिव्यक्तियां हैं, लेकिन इन सबके बीच संवाद की मर्यादा और भाषा का संयम भी उतना ही आवश्यक है।

अभी जंतर-मंतर पर चल रहे प्रदर्शन के दौरान सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में जिस प्रकार की अभद्र, अश्लील और आक्रामक भाषा सुनाई दी, उसने केवल एक आंदोलन की शैली पर ही नहीं, अपितु हमारे सार्वजनिक विमर्श की गुणवत्ता पर गंभीर प्रश्न खड़े किये हैं। किसी भी घटना का मूल्यांकन कुछ वीडियो के आधार पर पूरे समाज पर आरोप लगाकर नहीं किया जा सकता, फिर भी यह स्वीकार करना होगा कि सार्वजनिक जीवन में भाषा का स्तर लगातार गिर रहा है। चिंता केवल इस बात की नहीं है कि गालियां दी गईं, बल्कि इस बात की है कि उन्हें विरोध की वैध भाषा के रूप में प्रस्तुत किया जाने लगा है।

भारत के छात्र और युवा आंदोलनों का इतिहास बताता है कि यहां विचारों की लड़ाई तर्क, संगठन और वैचारिक प्रतिबद्धता के आधार पर लड़ी जाती रही है। स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर आपातकाल के विरोध और भ्रष्टाचार विरोधी अभियानों तक अनेक आंदोलनों में युवाओं ने अपनी असहमति मुखरता से व्यक्त की, लेकिन लोकतांत्रिक संवाद की मर्यादा को महत्व दिया।

इसका अर्थ यह नहीं कि अतीत पूरी तरह आदर्श था, बल्कि यह कि प्रभावी विरोध के लिए अशिष्ट भाषा कभी अनिवार्य शर्त नहीं रही।

आज सार्वजनिक जीवन में भाषा के बदलते स्वरूप के पीछे अनेक सामाजिक और तकनीकी कारण दिखायी देते हैं। पहला कारण परिवारों की बदलती संरचना है। आधुनिक जीवन की व्यस्तता ने परिवार के भीतर संवाद का समय कम कर दिया है। संयुक्त परिवारों के स्थान पर छोटे परिवार बढ़े हैं, माता-पिता पर कार्य का दबाव अधिक है और बच्चों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय पहले की तुलना में कम हो गया है।

यह कहना उचित नहीं होगा कि केवल परिवारों की संरचना बदलने से यह स्थिति उत्पन्न हुई है, लेकिन यह अवश्य कहा जा सकता है कि बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में संवाद, अनुशासन और व्यवहार संबंधी शिक्षा की भूमिका कमजोर हुई है।

दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष शिक्षा व्यवस्था का है। आज विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में ज्ञान और कौशल पर अपेक्षाकृत अधिक बल दिया जा रहा है, जबकि नागरिक उत्तरदायित्व, संवाद कौशल, संवैधानिक मूल्यों, नैतिक आचरण जैसे विषय अक्सर औपचारिकता तक सीमित रह जाते हैं। शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार उपलब्ध कराना नहीं, अपितु जिम्मेदार नागरिक तैयार करना भी है।

यदि विद्यार्थी उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर लें, लेकिन मतभेद व्यक्त करने की सभ्य भाषा और लोकतांत्रिक संस्कार विकसित न कर सकें तो शिक्षा का उद्देश्य अधूरा रह जाता है। भारतीय परंपरा में विद्या ददाति विनयम् केवल एक सूक्ति नहीं, बल्कि शिक्षा का मूल दर्शन रहा है। ज्ञान के साथ विनम्रता, असहमति के साथ संयम और अधिकारों के साथ कर्तव्यों का बोध, यही शिक्षा की वास्तविक कसौटी है।

डिजिटल क्रांति ने भारतीय समाज को अभूतपूर्व अवसर दिये हैं। इंटरनेट ने शिक्षा, सूचना और अभिव्यक्ति के नये द्वार खोले हैं, लेकिन इसके साथ नई चुनौतियां भी सामने आयी हैं। सोशल मीडिया मंचों की एल्गोरिदमिक संरचना अक्सर उत्तेजक, विवादास्पद और आक्रामक सामग्री को अधिक दृश्यता देती है। ऐसे वातावरण में संयमित और तथ्यपरक संवाद की अपेक्षा तीखी भाषा अधिक तेजी से फैलती है।

परिणामस्वरूप कई बार युवा यह मानने लगते हैं कि प्रभावशाली बनने के लिए आक्रामक भाषा आवश्यक है। मनोरंजन उद्योग और डिजिटल सामग्री का प्रभाव भी इस विमर्श का हिस्सा है। फिल्मों, वेब सीरीज, स्टैंड-अप कॉमेडी और सोशल मीडिया कंटेंट में अभद्र भाषा का प्रयोग पहले की तुलना में अधिक सामान्य दिखायी देता है। यह कहना उचित नहीं होगा कि केवल यही कारण है, लेकिन यह भी अनदेखा नहीं किया जा सकता कि लोकप्रिय संस्कृति समाज की भाषायी आदतों को प्रभावित करती है। विशेष रूप से किशोर और युवा वर्ग अपने पसंदीदा कलाकारों, कंटेंट क्रिएटर्स व प्रभावशाली व्यक्तियों की भाषा और व्यवहार से प्रभावित होता है। इसलिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ सामाजिक उत्तरदायित्व भी उतना ही आवश्यक है।

लोकतंत्र में असहमति का अधिकार मौलिक है, लेकिन उसके साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी हुई है। संविधान नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है, लेकिन यही संविधान सार्वजनिक व्यवस्था, शिष्टाचार और दूसरों की गरिमा का सम्मान करने की भी अपेक्षा करता है।

विरोध तब अधिक प्रभावी होता है, जब वह तथ्यों, तर्कों और नैतिक बल पर आधारित हो। यदि संवाद का स्थान अपमान, गाली और व्यक्तिगत आक्षेप ले लें, तो अंततः लोकतांत्रिक संस्कृति ही कमजोर होती है। इस समस्या का समाधान केवल कानूनों से नहीं निकलेगा।

सबसे पहले परिवारों में संवाद की संस्कृति को पुनर्जीवित करना होगा। बच्चों के साथ समय बिताना, उनकी डिजिटल गतिविधियों में रुचि लेना और उन्हें भाषा तथा व्यवहार की मर्यादा सिखाना अभिभावकों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। विद्यालयों व विश्वविद्यालयों को भी संवाद कौशल, नागरिक शास्त्र, संवैधानिक मूल्यों और डिजिटल नागरिकता को शिक्षा का प्रभावी हिस्सा बनाना होगा।

सरकार की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। डिजिटल मंचों पर आयु-आधारित सुरक्षा उपायों, प्रभावी कंटेंट मॉडरेशन, पारदर्शी नियामक व्यवस्था और मौजूदा कानूनों के निष्पक्ष क्रियान्वयन को मजबूत किया जाना चाहिए। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सामाजिक उत्तरदायित्व के बीच संतुलन बनाये रखना भी उतना ही आवश्यक है, ताकि अनावश्यक प्रतिबंधों के बजाय जवाबदेही की संस्कृति विकसित हो।

मनोरंजन उद्योग, सोशल मीडिया मंचों और प्रभावशाली डिजिटल रचनाकारों को भी यह समझना होगा कि उनका प्रभाव करोड़ों युवाओं तक पहुंचता है। लोकप्रियता के लिए अभद्रता का सहारा लेना अल्पकालिक लाभ दे सकता है, लेकिन दीर्घकाल में यह सामाजिक संवाद को नुकसान पहुंचाता है। आत्म-नियमन और जिम्मेदार अभिव्यक्ति इस क्षेत्र की विश्वसनीयता को भी मजबूत करेंगे।

# देव की डायरी : इस्तीफे की दृश्य व अदृश्य प्रदर्शनी

**देव प्रकाश चौधरी**

पहले आदमी से पूछा जाता था, क्या करते हैं? फिर पूछा जाने लगा, कहां रहते हैं? अब नया जमाना है। सबसे पहला सवाल होगा, इस्तीफा दिया कि नहीं? आदमी का चरित्र, संस्कार, अनुभव, सब बाद में देखे जाएंगे। पहले उसका इस्तीफा देखा जाएगा। जिसने एक बार दिया, वह नौसिखिया माना जाएगा। जिसने कई बार दिया, वह अनुभवी कहलाएगा।

आने वाले समय में बायोडाटा भी बदलेगा। नाम, पता, शिक्षा के बाद एक नया खाना होगा-अब तक दिये गये इस्तीफे। उसके नीचे एक और कॉलम होगा, जिसमें किसी एक पर टिक लगाना होगा- स्वीकार हुए, लंबित, विचाराधीन और केवल चर्चा में रहे। इतिहास भी नये सिरे से लिखा जाएगा। पहले लिखा जाता था कि अमुक व्यक्ति ने देश के लिए क्या किया? अब लिखा जाएगा कि उसने कितनी बार इस्तीफा दिया, कितनी बार देने की घोषणा की और कितनी बार देने की इच्छा व्यक्त की।

धीरे-धीरे वह दिन भी आएगा जब आदमी अपने नाम से नहीं, अपने इस्तीफे से पहचाना जाएगा। कुछ लोग इतने प्रसिद्ध होंगे कि उनका परिचय बस इतना होगा- अरे, वही... जिनका इस्तीफा पिछले छह महीने से रास्ते में है। ऐसे लोग लोकतंत्र के वरिष्ठ कलाकार माने जाएंगे। मुझे पूरा विश्वास है कि आने वाले वर्षों में ललित कला अकादमी को अपना पाठ्यक्रम बदलना पड़ेगा। मूर्तिकला, चित्रकला, छापाकला, लोककला के साथ एक नया विभाग खोलना ही होगा-इस्तीफा कला।

कला का विकास समाज के साथ होता है। जिस समाज में जितनी मांग होती है, वहां उतनी ही कला पैदा होती है। इस समय सबसे अधिक मांग जिस वस्तु की है, वह न पानी है, न हवा, न रोजगार। वह है इस्तीफा। इस्तीफा कला के दो विभाग होंगे। पहला- मूर्त। दूसरा-अमूर्त।

इस्तीफा मांगना मूर्त कला (फिगरेटिव आर्ट ) है। इसमें कलाकार दिखायी देता है। उसका चेहरा दिखायी देता है। उसकी तर्जनी दिखायी देती है। उसका नैतिक आक्रोश दिखायी देता है। यदि आस-पास कैमरे हों तो उसकी सबसे अच्छी प्रोफाइल भी दिखायी देती है। कला में दृश्यता का बहुत महत्व है। इस कला का अभ्यास कठिन नहीं है। इसके लिए वर्षों की साधना की आवश्यकता नहीं पड़ती। केवल इतना पर्याप्त है कि संसार की हर घटना में आपको एक ही समाधान दिखायी दे। फिर चाहे पुल टूटे, पुल बने, धूप निकले, बादल बरसें, रेल रुके या रेल चल पड़े। महान कलाकार हर दृश्य में अपनी कला का अवसर खोज लेता है।

अब बात अमूर्त कला यानी एब्सट्रैक्ट आर्ट की। इस्तीफा देना अमूर्त कला है। यह आंखों से नहीं दिखायी देता। इसकी अनुभूति कराई जाती है। इसके बारे में बताया जाता है कि यह आने वाला है। इसके संबंध में सूत्र सक्रिय रहते हैं। विशेषज्ञ उसका आकार बताते हैं। जानकार उसके रंग की चर्चा करते हैं। दर्शक उसकी प्रतीक्षा करते हैं। लेकिन स्वयं कलाकृति, कला के उच्च सिद्धांतों का पालन करते हुए दृश्य में उपस्थित नहीं होती।

अगर गौर से देखें तो सरकारी शब्दकोश में इस्तीफा कोई क्रिया नहीं है। वह काल है-भविष्य काल। उसका परिवार बहुत बड़ा है। विचाराधीन, उचित समय, जल्द, शीघ्र, प्रक्रिया जारी है, ये सब उसके रिश्तेदार हैं।

कल मैंने अपने एक मित्र और प्रसिद्ध कला समीक्षक से पूछा, क्या आपने कभी इस्तीफा देखा है? उन्होंने मुझे ऐसे देखा, जैसे मैंने किसी चित्रकार से पूछा हो कि उसने कभी इंद्रधनुष का वजन पता किया है?

वह बोले, आप कला को बहुत सतही ढंग से समझते हैं। आधुनिक कला दिखायी नहीं देती, महसूस की जाती है।

मैंने फिर पूछा, तो क्या इस्तीफा भी आधुनिक कला है? उन्होंने जोर देकर कहा कि आधुनिक नहीं, उत्तर आधुनिक, पोस्टमॉडर्न ! बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए मेरा मन मचलने लगा। मैंने पूछा, कैसे? वह विशेषज्ञ की आवाज में बोले-क्योंकि वहां कला-कृति से अधिक उसकी चर्चा महत्वपूर्ण होती है।

मैं चुप हो गया। यह बात सच है कि अब इस्तीफा दिया कम जाता है, उसकी व्याख्या अधिक होती है। उसकी संभावना पर बहस होती है। उसकी अनुपस्थिति पर विमर्श होता है। उसके आने की तिथियां बनती हैं। फिर तिथियों पर पुनर्विचार होता है। ऐसी जटिल कला भारतीय परंपरा में पहले कभी नहीं रही। सोचते-सोचते मुझे लगने लगा कि कला गैलरियां शीघ्र ही कहीं इस्तीफा : एक पुनरावलोकन नाम से प्रदर्शनी न लगा ले? मेरे दिमाग में प्रदर्शनी की रूपरेखा बनने लगी।

एक कक्ष में मूर्त कला होगी, जहां अनेक कलाकार एक दिशा में उंगली उठाये खड़े होंगे। दर्शक कहेंगे, 'कितनी जीवंत अभिव्यक्ति है!

दूसरे कक्ष में अमूर्त कला होगी। पूरा हॉल खाली होगा। बीच में केवल एक कुर्सी। सामने एक खाली फ्रेम। बगल में एक सफेद कागज। नीचे एक पट्टिका पर लिखा होगा-इस्तीफा। दर्शक देर तक उस खालीपन को देखते रहेंगे। कुछ लोग कहेंगे, कुछ दिखायी नहीं दे रहा। कला समीक्षक मुस्कुराएगा- यही तो कलाकार की सफलता है। जो दिखायी नहीं दे रहा, उसी पर पूरा देश बात कर रहा है।

दर्शक बाहर निकलने ही वाले होंगे कि गैलरी के अंतिम कक्ष पर नजर पड़ेगी। वहां भी एक कुर्सी रखी मिलेगी। कुर्सी पर कोई नहीं बैठा होगा। फिर भी वह अपनी जगह से हिल नहीं रही होगी। दर्शक समीक्षक से पूछेंगे, इस कृति का नाम क्या है? वह बताएंगे, स्थायित्व। लोग फिर पूछेंगे, लेकिन कुर्सी पर कोई बैठा ही नहीं है।

समीक्षक की हंसी नहीं रुक पाएगी, यही तो इसकी विशेषता है। यहां आदमी नहीं बैठता, व्यवस्था बैठती है।

लोग नीचे झुककर देखेंगे। कुर्सी के पायों के पास एक छोटी-सी शीशी रखी मिलेगी। उस पर लिखा होगा- फेविकोल। नीचे एक और पट्टिका लगी होगी-माध्यम : लकडी, लोहा और फेविकोल। दर्शक फिर पूछेंगे, इसका मतलब? कला समीक्षक इस बार गहरी सांस लेकर बोलेंगे, लोकतंत्र में कुर्सियां केवल चुनाव से नहीं टिकतीं। कुछ कला से टिकती हैं, कुछ तर्क से, और कुछ... फेविकोल से।

सोचते-सोचते मुझे लगने लगा है कि इस्तीफा अब कागज नहीं रहा। यह एक सांस्कृतिक आयोजन है। कई लोग पूरी जिंदगी इस्तीफा मांगते हुए बूढ़े हो जाते हैं। कई लोग पूरी जिंदगी इस्तीफा न देते हुए अमर हो जाते हैं।

इधर मांगने वाले का गला बैठ जाता है, उधर न देने वाले का गला और खुल जाता है।

कई बार तो लगता है कि हमारे यहां लोकतंत्र का सबसे सुरक्षित पद वह है, जिससे हर घंटे इस्तीफा मांगा जाए और हर घंटे वह न दिया जाए। इससे दोनों पक्षों का रोजगार चलता रहता है। एक मांगता रहता है, दूसरा नहीं देता रहता है। मांगने वाले कहते हैं, नैतिकता का तकाजा है, पद छोड़ो! और न देने वाले वाले सोचते हैं-अरे, जब नैतिकता ही छोड़ दी, तो पद क्यों छोड़ें? जनता इन सब के बीच में यह सोचकर खुश रहती है कि कुछ न कुछ चल तो रहा है।

सच कहें तो मुझे तो अब इस्तीफे पर दया आने लगी है। सुबह से शाम तक लोग उसे खोजते रहते हैं। कुछ लोग उसे बुलाते हैं, कुछ लोग उससे बचते हैं। वह बेचारा एक ऐसा शब्द है, जिसे चैन से शब्दकोश में भी नहीं रहने दे रहे लोग। पिछले कुछ दिनों में मैंने इतनी बार इस्तीफा शब्द सुना है कि कल रात में वह सपने में भी आ गया। मैंने तपाक से पूछा, तुम रहते कहां हो आजकल ?

वह बोला, पहले तो मैं जेब में रहता था। अब टीवी स्टूडियो में रहता हूं। नींद खुलने पर मुझे लगा कि अगर यही स्थिति रही तो एक दिन इस्तीफा खुद एक प्रेस वार्ता करेगा। कहेगा, भाइयो, मेरी भी कुछ इज्जत है। मुझे रोज-रोज मत घसीटो। जब सचमुच मेरी जरूरत होगी, मैं खुद चला आऊंगा। तब तक मुझे आराम करने दो।

और मुझे पूरा विश्वास है, उस प्रेस वार्ता के तुरंत बाद खबर चलेगी- सूत्रों के हवाले से खबर है कि इस्तीफा अपने पद से इस्तीफा देने वाला है। यही हमारे समय की सबसे सुरक्षित अधूरी खबर होगी, क्योंकि कला में अधूरापन भी महानता की निशानी माना जाता है। इतिहास गवाह है कि हमारे यहां कई इस्तीफे इसलिए महान माने गये कि आज तक पूरे ही नहीं हुए। लोकतंत्र का सौंदर्य भी यही है। इसलिए मैं कहता हीं कि लोकतंत्र का सबसे सफल कलाकार भी वही है, जिसने जनता को दर्शक बना दिया और इस्तीफे को कला।

## संक्षिप्त समाचार

### जीएसटी विवादों के निपटारे के लिए आगरा में करें अपील, 15 जिलों को मिलेगा फायदा

आगरा, एजेंसी। करदाताओं की सुविधा के लिए वस्तु एवं सेवा कर अपीलीय अधिकरण की आगरा खंडपीठ का संचालन शुरू हो गया है। उप पंजीयक अजय लवानिया की ओर से इसकी सूचना जारी की गई है। राजस्व विभाग की अधिसूचना के तहत इस खंडपीठ के क्षेत्राधिकार में कुल 15 जिले शामिल किए गए हैं, जिनमें आगरा, फर्रुखाबाद (फतेहगढ़), औरैया, कन्नौज, मैनपुरी, फिरोजाबाद, अलीगढ़, एटा, कासगंज, मथुरा, हाथरस, झांसी, ललितपुर, जालौन और इटावा हैं। पीठ सीजीएसटी एवं यूपीजीएसटी अधिनियम के तहत अपीलों की

फाइलिंग व सुनवाई करेगी। अपील दाखिल करने में सहायता के लिए जीएसटीएटी पोर्टल पर ई-फाइलिंग संबंधी नियम उपलब्ध हैं। किसी भी तकनीकी समस्या के समाधान के लिए टोल-फ्री नंबर 1800-103-4782 पर संपर्क किया जा सकता है। यह खंडपीठ सिकंदरा स्थित वैशाली कॉलोनी के अस्थायी पते से कार्य कर रही है। इसे क्रॉस रोड मॉल, सिकंदरा के स्थायी पते पर स्थानांतरित किया जाएगा।

### फिर शुरू होगा मानसूनी बारिश का सिलसिला

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में बारिश ने छोटा सा ब्रेक लिया है। छिटपुट बारिश को छोड़ दें तो आने वाले 26 जुलाई तक किसी भी जिले में भारी बारिश की संभावना नहीं हैं। हालांकि लखनऊ में गुरुवार की शाम को कुछ इलाकों में बारिश हुई। मानसूनी बारिश के फिलहाल कमजोर रहने के बाद 26 जुलाई से फिर से मौसमी बदलाव की आहट है। मौसम विभाग का कहना है कि 24 से 26 जुलाई के बीच प्रदेश में मानसूनी बारिश मद्धिम पड़ेगी। हालांकि इस बीच बुंदलखंड और कुछ दक्षिणी जिलों में छिटपुट बारिश की परिस्थितियां रहेंगी। बृहस्पतिवार को इटावा में सबसे अधिक 27 मिमी बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा लखनऊ, कानपुर, हमीरपुर, सुल्तानपुर, अमेठी और आजमगढ़ समेत कई जिलों में हल्की बारिश हुई। मौसम विभाग ने 25 जुलाई तक प्रदेश में कहीं भी भारी बारिश की चेतावनी जारी नहीं किया है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि 26 जुलाई को मानसून ट्रफ उत्तर की ओर खिसकेगा। इसके प्रभाव से पूर्वांचल में फिर बारिश शुरू होगी और 29 जुलाई तक तराई समेत पूरे उत्तर प्रदेश में मानसूनी गतिविधियां तेज होने की संभावना है।

### सावन में शिवभक्तों की राह आसान करेगी क्यूआरटी

वाराणसी , एजेंसी। सावन में काशी आने वाले श्रद्धालुओं और कांवरियों की सुविधा को ध्यान में रख नगर निगम ने तैयारी तेज कर दी है। श्रद्धालुओं को किसी तरह की असुविधा न हो, इसके लिए निगम ने क्विक रिस्पांस टीम (क्यूआरटी) के गठन का निर्णय लिया है। यह टीम कांवर मार्गों की साफ-सफाई, सीवर ओवरफ्लो, पेयजल और मार्ग प्रकाश (स्ट्रीट लाइट) से जुड़ी समस्याओं का निस्तारण करेगी। बृहस्पतिवार को सिगरा स्मार्ट सिटी सभागार में मेयर अशोक कुमार तिवारी ने तैयारियों की समीक्षा की। मेयर ने श्रीकाशी विश्वनाथ धाम समेत शहर के सभी प्रमुख शिवालयों और गंगा घाटों विशेषकर दशाश्वमेध, शीतला, राजेंद्र प्रसाद और अस्सी घाट को जोड़ने वाली गलियों में सुबह-शाम अनिवार्य रूप से सफाई का निर्देश दिया। श्रद्धालुओं के मार्ग में आवारा पशु न दिखें और अतिक्रमण से मुक्ति मिले। शहर को भिक्षामुक्त काशी बनाने के लिए भी अभियान में तेजी लाने का निर्णय लिया गया है। सीवर जाम की समस्या से निपटने के लिए जेटिंग मशीनों को अलर्ट मोड पर रखा जाएगा। सावन में पंचक्रोशी यात्रा का विशेष महत्व होता है। इसे ध्यान में रख पंचक्रोशी मार्ग की सड़कों की मरम्मत और व्यापक सफाई के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। कांवरियों के लिए लगाए जाने वाले शिविरों में निगम की ओर से शुद्ध पेयजल, डस्टबिन, चूना छिड़काव और अस्थायी प्रकाश की व्यवस्था की जाएगी। नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने बताया कि अतिक्रमण के खिलाफ निगम का अभियान सावन के दौरान और सख्त रहेगा। काशी विश्वनाथ धाम से लेकर सारंगनाथ तक रहेगी विशेष नजर निगम ने सावन के दृष्टिगत शहर के प्रमुख शिवालयों की सूची तैयार की है जहां विशेष प्रबंध किए जाएंगे।

# सिर्फ नाम की होगी सीईओ की पॉवर, असली ताकत महासचिव के पास

लखनऊ , एजेंसी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की नियुक्ति होने के बाद भी ट्रस्ट की वास्तविक प्रशासनिक और नीतिगत कमान महासचिव के हाथ में ही रहेगी। ट्रस्ट ने सीईओ नियुक्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, लेकिन नियमावली के मुताबिक सीईओ स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने के बजाय महासचिव के अधीन कार्य करेगा। उसकी नियुक्ति, कार्यों की समीक्षा और बजट पर अंतिम मंजूरी का अधिकार भी महासचिव के पास ही रहेगा। ऐसे में ट्रस्ट की सबसे प्रभावशाली जिम्मेदारी महासचिव के पास ही बनी रहेगी।

ट्रस्ट के नियमों के मुताबिक महासचिव ट्रस्ट का सर्वोच्च पदाधिकारी होता है। मंदिर की संपत्तियों, बैंक खातों और कानूनी दस्तावेजों पर अंतिम नियंत्रण उसी के पास रहता है। मंदिर के विकास, बड़े निर्माण कार्य, वित्तीय निवेश, धार्मिक आयोजनों और महत्वपूर्ण नीतिगत फैसलों पर अंतिम निर्णय लेने का अधिकार भी महासचिव को ही प्राप्त है। अदालतों, केंद्र व राज्य सरकार और अन्य संस्थाओं के सामने ट्रस्ट का आधिकारिक प्रतिनिधित्व भी वही करता है। इसके अलावा सीईओ की नियुक्ति, उसके कार्यों का मूल्यांकन और ट्रस्ट की ओर से तैयार किए गए बजट को मंजूरी देने की जिम्मेदारी भी महासचिव की होगी।

सीईओ की भूमिका मुख्य रूप से मंदिर के दैनिक प्रशासन तक सीमित रहेगी। दर्शन व्यवस्था, सुरक्षा, स्वच्छता, वीआईपी मूवमेंट, कर्मचारियों की निगरानी, प्रशासनिक व्यवस्था, स्थानीय प्रशासन और

पुलिस के साथ समन्वय, ट्रस्ट द्वारा स्वीकृत बजट के अनुरूप खर्च, आय-व्यय का पूरा हिसाब रखना उसकी जिम्मेदारी होगी। त्योहारों और विशेष अवसरों पर भीड़ प्रबंधन की व्यवस्था भी सीईओ के जिम्मे रहेगी। सीईओ को समय-समय पर अपने सभी कार्यों का ब्योरा महासचिव को देना होगा और प्रशासनिक फैसलों की समीक्षा भी महासचिव करेंगे। यानी सीईओ मंदिर के संचालन का पेशेवर प्रशासक होगा, लेकिन ट्रस्ट की नीतिगत दिशा, वित्तीय नियंत्रण और अंतिम निर्णय लेने की शक्ति महासचिव के पास ही केंद्रित रहेगी। यही वजह है कि सीईओ की नियुक्ति के बाद भी ट्रस्ट में सबसे प्रभावशाली पद महासचिव का ही माना जाएगा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की 22 जुलाई को हुई बैठक में भी महासचिव के नाम पर मुहर नहीं लग सकी। इसे लेकर लगातार मंथन जारी है। महासचिव के नामों पर किसी न किसी स्तर पर पेच फंस रहा है। दिल्ली स्तर से नाम फाइनल होगा या फिर लखनऊ की राय अहम होगी, इस पर अभी फैसला होना बाकी है। सूत्रों के मुताबिक, दोनों स्तरों पर इसे लेकर जद्दोजहद जारी है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का गठन केंद्र सरकार ने किया था। सभी नाम वहीं से तय किए गए थे। विश्व हिंदू परिषद के चंपत राय को सबसे अहम महासचिव पद की जिम्मेदारी दी गई थी। चढ़ावा चोरी मामले में उनका इस्तीफा हो चुका है। 6 जुलाई को उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया था। तब बताया गया था कि 22 जुलाई को होने वाली बैठक में नए महासचिव का चयन किया जाएगा। तब तक कृष्ण मोहन को अंतरिम महासचिव बनाया गया था, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। अब बताया जा रहा है।

# संतों की बढ़ी सक्रियता

**विपक्षी पार्टियों पर ट्रस्ट की छवि खराब करने का आरोप; चंपत की पैरवी**

लखनऊ, एजेंसी। राम मंदिर के चढ़ावा चोरी प्रकरण को लेकर सियासी बयानबाजी तेज होने के बीच अब संत समाज खुलकर मैदान में उतर आया है। मणिराम दास छावनी में बृहस्पतिवार को हुई संतों की बैठक में विपक्ष की ओर से इस मुद्दे पर की जा रही राजनीति का जवाब देने की रणनीति बनाई गई। संतों ने आरोप लगाया कि कुछ राम विरोधी और सनातन विरोधी ताकतें इस प्रकरण को आधार बनाकर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट, संत समाज और राम मंदिर की छवि धूमिल करने का प्रयास कर रही हैं।

बैठक के बाद महंत वैदेही बल्लभ शरण ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार ने निष्पक्ष जांच कराई है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई भी हुई है। उन्होंने कहा कि जो भी जांच में दोषी मिलेगा, उसके खिलाफ आगे भी कार्रवाई होगी, लेकिन कुछ लोगों के कृत्य के आधार पर पूरे ट्रस्ट और संत समाज को कटघरे में खड़ा करना उचित नहीं है।

महंत मनीष दास ने कहा कि जिन्होंने चोरी की, उन्हें सजा मिल रही है। एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट आने से पहले किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि जो लोग हमेशा अयोध्या और राम मंदिर को निशाने पर लेते रहे हैं, वही अब इस मामले को लेकर माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। नाका हनुमानगढ़ी के महंत रामदास ने न्यायिक प्रक्रिया और एसआईटी जांच पर भरोसा जताने की अपील करते हुए कहा कि 500 वर्षों के संघर्ष और लाखों रामभक्तों की आस्था से बने राम मंदिर को एक घटना के बहाने बदनाम करना उचित नहीं है। उन्होंने राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों से भी

अनावश्यक बयानबाजी से बचने तथा जांच पूरी होने तक संयम बरतने का आग्रह किया।

संतों ने स्पष्ट किया कि वे भगवान श्रीराम, रामभक्तों और राम मंदिर निर्माण के कार्य के साथ पूरी मजबूती से खड़े हैं। उनका कहना था कि जांच पूरी होने तक अफवाहों और राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से बचना चाहिए तथा अंतिम रिपोर्ट के बाद ही किसी पर निष्कर्ष निकाला जाना उचित होगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि अब हर महीने दो बार संतों की बैठक आयोजित की जाएगी। इन बैठकों में राम मंदिर से जुड़े विषयों, सामाजिक मुद्दों और सनातन धर्म से संबंधित गतिविधियों पर चर्चा होगी। संत अपने-अपने मठों, मंदिरों और आश्रमों के माध्यम से अनुयायियों को भी जागरूक करेंगे, ताकि राम मंदिर और संत समाज से जुड़े मामलों में किसी प्रकार की अफवाह या भ्रम न फैले। साथ ही, लोगों से अपील की जाएगी कि वे केवल आधिकारिक और सत्यापित जानकारी पर ही विश्वास करें। संत समाज की बैठक में निर्णय लिया गया कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की नवगठित धर्म समिति राम मंदिर और सनातन धर्म के खिलाफ किए जा रहे दुष्प्रचार का तथ्यात्मक जवाब देने और संत समाज के बीच समन्वय स्थापित करने का कार्य करेगी। समिति समय-समय पर संतों के साथ संवाद करेगी, राम मंदिर से जुड़े विषयों पर सही जानकारी उपलब्ध कराएगी तथा भ्रामक प्रचार का प्रभावी ढंग से प्रतिवाद करेगी। राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण की जांच नई एसआईटी के गठन की प्रतीक्षा में धीमी पड़ गई है। सुप्रीम कोर्ट के नए सिरे से एसआईटी गठित कर जांच कराने के निर्देश के बाद स्थानीय स्तर पर चल रही विवेचना फिलहाल आगे नहीं बढ़ रही है। तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की मांग पर सरकार ने तीन सदस्यीय एसआईटी गठित की थी। एसआईटी में लखनऊ के मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत, लखनऊ जोन की पुलिस महानिरीक्षक किरन एस और विशेष वित्त सचिव नीलरतन शामिल थे।

# रस्साकसी महिला वर्ग में प्राथमिक विद्यालय डोरिया की टीम रही प्रथम

बरेली , एजेंसी। रुहेलखंड विश्वविद्यालय के 24वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर गोद लिए गए प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। बृहस्पतिवार को आयोजित इन प्रतियोगिताओं में छात्र-छात्राओं ने पारंपरिक खेल खो-खो, रस्साकसी और संपोलिया (पिट्ठू) में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सफलता हासिल की।

रस्साकसी महिला वर्ग में प्राथमिक विद्यालय डोरिया की टीम ने ललिता, जोया, सायमा, माही, अलीश, आसिया, अनम, प्राथी, अलीना, आलीया, अंजू, सोफिया के दम पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं पुरुष वर्ग में समद, तौसिफ, तहसीम, इशा अली, बिलाल, तसलीम, अरमान, मो. आरिस, तैमूर, गौरव, अदनान, हार्दिक, हुसनैन और अल्तमस की टीम विजेता बनी। इसके साथ ही प्राथमिक विद्यालय डोरिया ने खो-खो के बालक व बालिका दोनों वर्गों में पहला स्थान हासिल किया। संपोलिया में पुरुष वर्ग से अमित, राकेश, अनश, पीयूष, ऋषिभा व तैमूर तथा महिला वर्ग से जीनस, मन्नत, सोफिया, श्रेया, आरसी व अनाया नूर की टीम अव्वल रही।

उच्च प्राथमिक विद्यालय डोरिया का प्रदर्शन भी सराहनीय रहा। रस्साकसी पुरुष वर्ग में अरसलाल रजा, अरशद, खालिद, शादाब, अरमान, लक्ष्मण, हुसैन अली, जैनुल, माहित, फैजाल और सैफ की टीम ने बाजी मारी। महिला वर्ग में खुशबू, कीर्ति, आलिय, रजनी, प्रियांशी, प्रियंका, मोहिनी, श्रुति, मनवी और आरोही प्रथम स्थान पर रहीं। इसके अलावा उच्च प्राथमिक विद्यालय डोरिया ने खो-खो तथा संपोलिया के पुरुष व महिला दोनों वर्गों की ट्रॉफी अपने नाम की।

पूर्व माध्यमिक विद्यालय बेनीराम की ओर से खो-खो महिला वर्ग में शिल्पी, तान्या, महिमा, अनामिका, मीनाक्षी, खुशी, निशा, अर्पाशी, अमृता व नैन्सी ने पहला स्थान हासिल किया। रस्साकसी पुरुष वर्ग में लव, आदित्य, यश, कपिल, हिमांशु, मुनींद्र, मिथिलेश, कमल, शिव, अनमोल व अखिलेश की टीम विजयी रही। संपोलिया के पुरुष वर्ग में मुनींद्र, लव, शल्प, सिद्धार्थ, अनुराग और अंश ने बाजी मारी। प्राथमिक विद्यालय लालपुर की टीम ने संपोलिया पुरुष वर्ग में अभिनव, प्रशांत, अंकुश, कुश और ऋतिक के शानदार खेल से प्रथम स्थान पाया। रस्साकसी पुरुष वर्ग में प्रशांत, राहुल, कुश, ऋतिक, चिराग, राजीव, रामनिवास व वंश की टीम विजेता बनी।

### 50.45 करोड़ रुपये की 27 पर्यटन परियोजनाओं पर मंथन

मेरठ , एजेंसी। प्रदेश सरकार मेरठ मंडल को धार्मिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पर्यटन का मजबूत केंद्र बना रही है। बृहस्पतिवार को कमिश्नरी सभागार में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कैंट विधायक अमित अग्रवाल, विधायक गुलाम मोहम्मद, कमिश्नर भानु चंद्र गोस्वामी सहित अन्य अधिकारियों के साथ बैठक कर परियोजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सभी कार्य समयबद्ध और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे करने के निर्देश दिए। बैठक में पर्यटन विभाग की वर्ष 2026-27 के लिए 27 परियोजनाएं प्रस्तावित की गईं। इनकी अनुमानित लागत करीब 50.45 करोड़ रुपये है। इनमें मेरठ के दो, गाजियाबाद के चार, गौतमबुद्धनगर के तीन, बुलंदशहर के सात और हापुड़ के आठ प्रस्ताव हैं। सरकार का ध्यान धार्मिक पर्यटन, विरासत संरक्षण और स्थानीय स्थलों को आधुनिक सुविधाओं से जोड़ने पर है। प्रमुख स्थलों में प्राचीन विश्वनाथ महादेव मंदिर, मां संतोषी माता मंदिर, महाभारत कालीन गंगा मंदिर शामिल हैं। भावेश्वर महादेव मंदिर, मां चामुंडा देवी मंदिर, गुरु गोरखनाथ मंदिर और भूतेश्वर शिव मंदिर भी विकसित होंगे। संत कबीरदास से जुड़े ऐतिहासिक स्थल और ब्रजघाट क्षेत्र को भी प्राथमिकता मिलेगी। गंगा तट से जुड़े स्थलों के पर्यटन विकास पर भी सहमति बनी। इन योजनाओं से मंदिर परिसरों का सुंदरीकरण होगा। पर्यटकों के लिए आधारभूत सुविधाएं, मार्गों का सुधार और प्रकाश व्यवस्था विकसित की जाएगी। विश्राम स्थल और अन्य आवश्यक सुविधाएं भी बनाई जाएंगी। कम चर्चित स्थलों के विकास से धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। संस्कृति विभाग की दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर भी चर्चा हुई।

# खेतों तक पहुंचा क्रोमियम युक्त कचरा

**अफसर बोले- इसके बाद हटाया जाएगा मलबा**

कानपुर , एजेंसी। कानपुर के पुरवामीर गांव में अवैध रूप से डाला गया क्रोमियम युक्त कचरा अब खेतों तक पहुंच गया है। वनस्पति विशेषज्ञों का कहना है कि इस जहरीले कचरे से पैदावार को तो नुकसान नहीं पहुंचेगा पर उपजी सब्जियों, फसलों और अनाज से क्रोमियम शरीर में पहुंच जाएगा। यह सेहत को काफी नुकसान पहुंचाएगा। वहीं, अफसर जांच रिपोर्ट आने के बाद ही इस हरे रंग के कचरे को हटाने की बात कह रहे हैं। इससे ग्रामीण आक्रोशित हैं।

महाराजपुर के पुरवामीर गांव में चार दिन पहले रात के अंधेरे में डंपरों से क्रोमियम युक्त रासायनिक कचरा डाला गया था। इसके बाद प्रशासन, पुलिस के साथ ही उत्तर प्रदेश प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपी पीसीबी) की कानपुर नगर और प्रयागराज की टीम ने मौके पर जाकर जांच-पड़ताल की। साक्ष्य जुटाने के साथ ही बोर्ड की दोनों टीमों ने नमूने लेकर जांच के लिए भेजे हैं। टीमों ने कहा था कि यह कचरा सेहत और मिट्टी दोनों के लिए हानिकारक है।

यूपी पीसीबी कानपुर नगर के क्षेत्रीय अधिकारी अजीत सुमन के अनुसार पुरवामीर में फेंका गया मलबा शुरुआती जांच में क्रोमियम सल्फेट का प्रतीत हो रहा है। वहां से लिए गए नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं, जिनकी रिपोर्ट 24 जुलाई को आएगी। इससे स्थिति स्पष्ट होगी। आशंका है कि फतेहपुर जिले में क्रोमियम सल्फेट की किसी फैक्टरी से यह घातक रसायन युक्त मलबा कानपुर-प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्ग से सटे इस गांव में फेंका गया।

यह गांव फतेहपुर जिले की सीमा से मात्र ढाई किलोमीटर दूर है। ग्रामीणों ने बताया कि खुले में पड़े इस मलबे से निकलने वाली बदबू और जहरीली हवा के कारण सांस लेना भी मुश्किल हो रहा है। गांव के लोगों का साफ कहना है कि जांच चलती रहे लेकिन पहले इस मलबे को वहां से हटाकर वैज्ञानिक तरीके से निस्तारित

कराया जाए। ग्रामीणों का कहना है कि इस कचरे से जमीन के बंजर होने का भी खतरा है।

यह रासायनिक कचरा रात के अंधेरे में चोरी छिपे फेंका गया है। अभी तक इसको हटवाया नहीं गया है। उस जगह रहने वाले कई लोगों ने शिकायत की है। हरा कचरा बेहद बदबू कर रहा है। वहां थोड़ी देर खड़े होने से मेरा सिर चकराने लगा। यदि इसको जल्द हटवाया नहीं गया तो उच्च अधिकारियों से शिकायत करूंगा। -जितेंद्र सिंह गौतम, ग्राम प्रधान जिस जगह पर यह कचरा डाला गया है, वहीं मेरा चट्टा है। चट्टे में 50 भैंस हैं। जिस दिन से यह कचरा डाला गया है, उस दिन से मवेशियों को बांधकर रखना पड़ रहा है। उस जगह पानी न पिलाकर अब दूर ले जाना पड़ता है। कचरा नहीं हटवाया गया तो बारिश में और ज्यादा फैलेगा। कचरा डाले कई दिन बीत गए हैं। इससे बहुत बदबू आ रही है। आसपास खड़ा होना तो दूर सांस लेना भी दूभर है। लोगों के बीमार होने का खतरा है।

# जिसे बच्चा समझकर किया भरोसा.. उसी ने दो लोगों के साथ मिलकर नेपाल की महिला से किया सामूहिक दुष्कर्म

औरंगाबाद, एजेंसी। बिहार के औरंगाबाद जिला मुख्यालय पर रहकर चाय बेचने वाले एक नेपाल निवासी व्यक्ति की पत्नी के साथ तीन अपराधियों ने सामूहिक दुष्कर्म किया है. अपराधियों ने नगर थाना क्षेत्र के पास एक जर्जर भवन में घटना को अंजाम दिया है. पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है. वहीं एक नाबालिग को भी पकड़ा गया है. पुलिस ने महिला का सदर हॉस्पिटल में मेडिकल कराया है.

**दो आरोपी हैं टोटो चालक:** गिरफ्तार लोगों की पहचान हो गई है. एक नगर थाना क्षेत्र का है तो दूसरा नवादा का रहने वाला है. अभिषेक और राकेश औरंगाबाद में ही टोटो चलाते हैं. इन्होंने कहीं ऐसी और किसी घटनाओं का अंजाम तो नहीं दिया है, पुलिस इस मामले की भी छानबीन कर रही है.

**3 साल पहले हुई थी दूसरी शादी:** सामूहिक दुष्कर्म की शिकार महिला नेपाल की रहने वाली है. उसका पति औरंगाबाद में रहकर घूम- घूमकर चाय बेचने का काम करता है. पहली

पत्नी की मौत के बाद पीड़ित महिला से उसने तीन साल पहले दूसरी शादी की थी. पहली पत्नी से उसे चार बच्चे हैं. बच्चों को घुमाने के बहाने ले गए आरोपीः जानकारी के अनुसार, मंगलवार की शाम पांच बजे महिला घर के बाहर खड़ी थी तभी नाबालिग आरोपी जोकि उसके बगल में ही रहता था, बच्चों को शहर घुमाने के बहाने अपने टोटो पर बिठा लिया. टोटो पर पहले से ही जीतू उर्फ पाली और अभिषेक बैठे हुए थे. इधर-उधर घूमाते हुए आरोपियों ने शाम कर दिया. जब अंधेरा बढ़ने लगा तब वे लोग एक शिव मंदिर के पास पुराने जर्जर भवन में ले गए, जहां तीनों ने उसके साथ बारी-बारी से जबरदस्ती की. बात नहीं मानने पर उसके साथ मारपीट भी की गई.

**कार्टून लगाकर बच्चों को दिया मोबाइल:** महिला से दुष्कर्म करने से पहले आरोपियों ने बच्चों को मोबाइल में कार्टून फिल्म लगाकर दे दिया. बच्चे टोटो में ही बैठकर कार्टून फिल्म देख रहे थे. जबकि आरोपियों ने खंडहर में ले जाकर महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया.

**महिला को 200 रुपये देकर फरार:** सामूहिक दुष्कर्म के बाद तीनों आरोपी पीड़ित नेपाल की महिला को पानी टंकी के पास छोड़कर फरार हो गए. जाते समय उसे आरोपियों ने 2 सौ रुपए दिए.

**पुलिस ने किया गिरफ्तार:** घटना की जानकारी महिला ने अपने पति को दी. पति ने नगर थाना में जाकर थाना प्रभारी से शिकायत की. शिकायत मिलते ही नगर थानाध्यक्ष बबन बैठा के निर्देश पर एक टीम गठित की गई. टीम ने लगातार छापेमारी करते हुए किशोर सहित दो अन्य अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है.

# पॉक्सो आरोपी ने जेल में की खुदकुशी, मां से मुलाकात के बाद उठाया खौफनाक कदम, सिपाही सस्पेंड

नवादा , एजेंसी। बिहार के नवादा मंडल कारा में बंद पॉक्सो मामले के एक विचाराधीन कैदी ने संदिग्ध परिस्थितियों में आत्महत्या कर ली है. घटना से पहले उसकी मां उससे मिलने आई थी. घटना के बाद जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया है. मामले में लापरवाही सामने आने पर ड्यूटी पर तैनात सिपाही को निलंबित कर दिया गया है, जबकि पूरी घटना की जांच जारी है.

**विचाराधीन कैदी ने की खुदकुशी :** नवादा जिले के मंडल कारा में बंद 20 वर्षीय विचाराधीन कैदी घनश्याम कुमार उर्फ दुलारचंद ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. वह नाबालिग से गैंगरेप, पॉक्सो और एससी/एसटी एक्ट के मामले में 15 मई 2025 से जेल में बंद था. यह मामला मेसकौर थाना क्षेत्र में दर्ज किया गया था.

**ग्रिल काटकर उतारा गया कैदी :** बताया जा रहा है कि कैदी ने वार्ड संख्या 14 और 15 के बीच स्थित सीढ़ी वाले कमरे को अंदर से बंद कर

लिया और ऊपर ग्रिल में गमछा बांधकर खुदकुशी कर ली. जब तक जेल प्रशासन को इसकी जानकारी मिली, तब तक काफी देर हो चुकी थी. ग्रिल काटकर उसे नीचे उतारा गया और तत्काल सदर अस्पताल भेजा गया.

**मां से मुलाकात के बाद उठाया कदम :** सूत्रों के अनुसार घटना से कुछ समय पहले कैदी की मां उससे मुलाकात कर वापस लौटी थी. बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों के बीच सुलह की बातचीत भी चल रही थी. हालांकि, मां के जाने के बाद अचानक कैदी ने यह कदम क्यों उठाया, इसका स्पष्ट कारण सामने नहीं आ सका है. जेल सूत्रों के अनुसार बताया जा रहा है कि घटना से पहले वह सामान्य व्यवहार कर रहा था और दोपहर का भोजन भी किया था.

**अस्पताल में डॉक्टरों ने मृत घोषित किया :** जेल प्रशासन द्वारा कैदी को ऑक्सीजन सपोर्ट के साथ इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने दोपहर 3:57 बजे क्लीनिकल और ईसीजी जांच के आधार पर उसे मृत घोषित कर दिया, इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए पुलिस को सौंप दिया गया.

**चाबी लेकर खुद ही किया गेट लॉक :** जानकारी के अनुसार ड्यूटी पर तैनात सिपाही नीतीश कुमार वार्ड खोलने के लिए चाबी लेकर आया था. इसी दौरान कैदी ने उससे चाबी लेकर सीढ़ी का गेट बंद कर लिया और ऊपर जाकर फांसी लगा ली. घटना के बाद जेल परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया.

# फर्जी तरीके से पेंशन लेने के आरोप लगाने वालों पर करूंगी मुकदमा : माकपा नेता

**कन्नूर, 24 जुलाई (भा)।** मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की वरिष्ठ नेता पीके श्रीमति ने आज कहा कि केवल माफी मांग लेना पर्याप्त नहीं है और वह उनके खिलाफ पूर्व विधायक की पारिवारिक पेंशन लेने को लेकर झूठा अभियान चलाने वालों पर मानहानि का मुकदमा दायर करेंगी। कुछ ऑनलाइन समाचार पोर्टल ने कथित आरटीआई दस्तावेजों का हवाला देते हुए दावा किया कि पीके श्रीमति पूर्व विधायक पीआर कृष्णन के नाम पर पारिवारिक पेंशन प्राप्त कर रही हैं। इसे लेकर विवाद उत्पन्न हो गया था। हालांकि पीआर कृष्णन के परिवार ने कल स्पष्ट किया कि पेंशन की वास्तविक लाभार्थी उनकी पत्नी हैं और उनका नाम भी पीके श्रीमति है। परिवार ने बताया कि माकपा नेता के खिलाफ यह आरोप केवल इसलिए लगा, क्योंकि उनका नाम पूर्व विधायक की पत्नी के नाम से मेल खाता है। पीआर कृष्णन कांग्रेस के नेता थे और वर्ष 1954 से 1956 के बीच त्रावणकोर-कोचीन विधानसभा सीट से विधायक रहे थे। पूर्व मंत्री ने आज यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा कि इस झूठे प्रचार अभियान से उन्हें गहरी व्यक्तिगत पीड़ा हुई है और उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि अब मेरे परिवार के लोग और दोस्त मुझसे पूछ रहे हैं कि सच्चाई क्या है। मैं ऐसी स्थिति में पहुंच गयी हूं कि उन्हें ठीक से जवाब भी नहीं दे पा रही हूं। किसी भी परिवार को झूठी खबरों की वजह से ऐसी पीड़ा नहीं झेलनी चाहिए। श्रीमति ने बताया कि उन्होंने इस मामले में मुख्यमंत्री वीडी सतीशन, गृह मंत्री रमेश चेन्निथला, राज्य पुलिस प्रमुख और केरल महिला आयोग से शिकायत की है। उन्होंने कहा कि ये सिर्फ शुरुआती शिकायतें हैं। अब मैंने कानूनी कार्रवाई शुरू करने का फैसला किया है। मेरे वकील मेरे साथ हुई गंभीर सार्वजनिक बदनामी और मेरी प्रतिष्ठा को पहुंचे नुकसान के लिए मानहानि का मुकदमा तैयार कर रहे हैं। यह पूछने पर कि अगर आरोप लगाने वाले लोग माफी मांग लें, तो क्या मामला वहीं समाप्त हो जाएगा, जिसपर श्रीमति ने कहा कि सिर्फ माफी मांगना पर्याप्त नहीं होगा।

# मुंबई विरोध प्रदर्शन : महिला से बदसलूकी के आरोपों को मुंबई पुलिस ने खारिज किया

**मुंबई, 24 जुलाई (भा)।** मुंबई पुलिस ने आज कहा कि विरोध प्रदर्शन के दौरान सादे कपड़ों में एक पुलिसकर्मी द्वारा एक महिला के साथ कथित रूप से बदसलूकी करने का वीडियो गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। पुलिस ने सफाई दी कि अधिकारी वास्तव में एक पुरुष प्रदर्शनकारी को रोकने की कोशिश कर रहा था, तभी वह महिला अनजाने में बीच में आ गयी। यह वीडियो तब राजनीतिक विवाद का कारण बन गया, जब कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़ ने इसे एक्स पर साझा किया, जबकि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के नेता रोहित पवार ने वीडियो में दिख रहे पुलिस अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।मुंबई पुलिस ने एक्स पर एक पोस्ट कर आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उनके कर्मचारी के व्यवहार की अत्यंत गैर-जिम्मेदाराना और गलत व्याख्या की जा रही है। पुलिस ने कहा कि संबंधित अधिकारी एक पुरुष प्रदर्शनकारी को पकड़ रहा था और दूसरी तरफ देख रहा था, तभी एक महिला प्रदर्शनकारी अनजाने में बीच में आ गयी। पुलिस ने कहा कि आपसे अपेक्षा की जाती है कि किसी वीडियो के आधार पर कोई निष्कर्ष निकालने से पहले आप तथ्यों की पुष्टि करें। वरिष्ठ अधिकारियों ने सभी तथ्यों की पुष्टि की है। नीट प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर छात्र और विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ताओं ने कल मध्य मुंबई के शिवाजी पार्क मैदान में प्रदर्शन करते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की थी। इस दौरान प्रदर्शनकारियों को खदेड़ते समय कुछ लोग गिर गये थे।

# महाराष्ट्र : एमबीबीएस छात्रों के लिए एक वर्षीय सेवा बांड की अनिवार्यता समाप्त

**मुंबई, 24 जुलाई (भा)।** महाराष्ट्र सरकार ने राज्य के मेडिकल कॉलेजों से एमबीबीएस करने वाले छात्रों के लिए एक वर्षीय सेवा बांड की अनिवार्यता को समाप्त कर दिया है। यह फैसला इसलिए लिया गया, क्योंकि एमबीबीएस की डिग्री लेने वाले छात्रों की संख्या के मुकाबले सेवा बांड के लिए उपलब्ध पदों की संख्या बहुत कम है। सामाजिक जिम्मेदारी सेवा (सेवा बांड) को खत्म करने के इस फैसले से सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और नगर निगम के मेडिकल कॉलेजों के साथ-साथ गैर सहायता प्राप्त निजी कॉलेजों से एमबीबीएस करने वाले छात्रों को भी फायदा होगा। सरकार की ओर से 23 जुलाई को जारी आदेश में कहा गया है कि जिन एमबीबीएस डिग्री धारी छात्रों ने यह आदेश जारी होने से पहले ही सेवा बांड के तहत आवंटित पद पर कार्यभार ग्रहण कर लिया है, केवल उन्हें ही बांड अवधि को पूरा करना होगा। आदेश में कहा गया कि राज्य में मेडिकल कॉलेजों की बढ़ती संख्या, हर साल एमबीबीएस डिग्री लेने वाले छात्रों की संख्या तथा इन छात्रों को सेवा बांड प्रदान करने के लिए अलग-अलग सरकारी विभागों में उपलब्ध सीमित पदों को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। इसमें कहा गया कि सीमित पदों के चलते एमबीबीएस पास छात्रों को तय समय के भीतर ये पद उपलब्ध नहीं कराए जा सकते। इसके परिणामस्वरूप योग्य होने के बावजूद कई एमबीबीएस पास छात्रों को स्नातकोत्तर मेडिकल पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए जरूरी शर्तों को पूरा करने में मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, क्योंकि वे अपनी सामाजिक जिम्मेदारी वाली सेवा पूरी नहीं कर पाते हैं। नतीजतन वे अपने पद पर पूरी क्षमता से चिकित्सा सेवाएं नहीं दे पाते हैं।

# झारखंड में गोलीबारी : अपराधियों के गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

**हजारीबाग, 24 जुलाई (भा)।** झारखंड के हजारीबाग जिले में आज पुलिस के साथ हुई संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद एक आपराधिक गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया गया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किये गये दोनों आरोपियों में से एक मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से घायल हो गया। बड़कागांव के अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) अमित कुमार आनंद ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि 'राहुल दुबे' गिरोह के दो सदस्य मोटरसाइकिल पर सवार होकर केरेडारी क्षेत्र स्थित एक कोयला औद्योगिक इकाई से रंगदारी वसूलने जा रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस की एक टीम ने इलाके में छापेमारी की। एसडीपीओ ने कहा कि बुकरू ट्रांसपोर्टिंग रोड के पास जब उन दोनों को रोका गया, तो उन्होंने पुलिस टीम का सामना किया और जवानों पर गोली चलायी, जिससे पुलिस को जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी। दोनों में से एक के पैर में गोली लगी।

# पूर्वी दिल्ली में कार सवार की चाकू मारकर हत्या, जांच जारी

**नयी दिल्ली, 24 जुलाई (भा)।** पूर्वी दिल्ली के कृष्णा नगर इलाके में एक कार सवार व्यक्ति की कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी गयी। पुलिस के एक अधिकारी ने आज यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पश्चिमी विनोद नगर निवासी विजय कुमार को कल रात डॉ. हेडगेवार अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि रात करीब नौ बजे पीसीआर को सूचना मिली कि कृष्णा नगर की मुख्य सड़क पर एक व्यक्ति को चाकू मार दिया गया है। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो कुमार की कार सड़क किनारे लावारिस हालत में खड़ी मिली। तब तक स्थानीय लोग घायल को अस्पताल पहुंचा चुके थे। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस संबंध में हत्या का मामला दर्ज कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि फॉरेंसिक और अपराध जांच दल ने घटनास्थल का निरीक्षण किया तथा हमलावर की पहचान के लिए पुलिस सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है और प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ कर रही है।

# नीट समाप्त कर 12वीं के अंकों के आधार पर हो मेडिकल दाखिले : एलंगोवन

**चेन्नई, 24 जुलाई (भा)।** द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के प्रवक्ता टीकेएस एलंगोवन ने राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) को लेकर अपनी पार्टी का रुख दोहराते हुए आज कहा कि मेडिकल पाठ्यक्रमों में दाखिला पूरी तरह से कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षा के अंकों के आधार पर दिया जाना चाहिए। एलंगोवन ने कावेरी जल विवाद को लेकर कर्नाटक के रुख की भी आलोचना की। एलंगोवन ने कहा कि नीट ने स्कूली शिक्षा व्यवस्था को नुकसान पहुंचाया है। कक्षा एक से 12वीं तक लगातार अच्छे अंक हासिल करने वाले छात्र मेडिकल सीट पाने से वंचित रह जाते हैं, जबकि महंगे कोचिंग संस्थानों पर भारी रकम खर्च करने वाले छात्रों को प्रवेश मिल जाता है। नीट परीक्षा की संरचनात्मक असमानता का उल्लेख करते हुए उन्होंने अरियलूर जिले की छात्रा अनीता का उदाहरण दिया। एलंगोवन ने कहा कि अनीता ने स्कूल की परीक्षाओं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त किये थे, लेकिन नीट के आधार पर मेडिकल सीट नहीं मिलने के बाद उसने आत्महत्या कर ली थी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष नीट उत्तीर्ण करने वाले करीब नौ लाख अभ्यर्थियों के मुकाबले मेडिकल पाठ्यक्रमों में लगभग 91,000 सीट ही उपलब्ध हैं। द्रमुक नेता ने कहा कि सरकारी मेडिकल कॉलेज की लगभग 46,000 सीट पर पूरी तरह मेधा के आधार पर प्रवेश दिया जाता है, जबकि निजी संस्थानों की करीब 43,000 सीट पर कई मामलों में योग्यता से अधिक आर्थिक क्षमता को महत्व मिलता है। एलंगोवन ने कहा कि मेडिकल सीट का आवंटन पूरी तरह कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षा के अंकों के आधार पर होना चाहिए। अगस्त के प्रारंभ में तमिलनाडु और कर्नाटक के नेताओं के बीच प्रस्तावित वार्ता से पहले एलंगोवन ने साझा नदी जल संसाधनों पर राज्यों के अधिकारों का उल्लेख करते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सिद्धांतों के अनुसार ऊपरी तटवर्ती राज्य निचले तटवर्ती राज्यों की ओर पानी के प्रवाह को नहीं रोक सकते। एलंगोवन ने दोहराया कि कावेरी नदी के जल बंटवारे का अधिकार केवल कावेरी जल विवाद न्यायाधिकरण और कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण के पास है, न कि कर्नाटक सरकार के पास।

# टीएमसी सदस्य के खिलाफ भाजपा विधायक ने पेश किया विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव

**कोलकाता, 24 जुलाई (भा)।** पश्चिम बंगाल में भाजपा के विधायक शंकर घोष ने आज तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के विधायक कुणाल घोष के खिलाफ विधानसभा में विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव पेश किया और आरोप लगाया कि बजट पर चर्चा के दौरान कुणाल ने अनुचित व्यवहार किया तथा विधानसभा अध्यक्ष के अधिकार का सम्मान नहीं किया। विधानसभा अध्यक्ष रतींद्र बोस ने कहा कि वह इस मामले की जांच करने के बाद फैसला लेंगे। वहीं, कुणाल घोष ने कहा कि उनका अध्यक्ष का अपमान करने का कोई इरादा नहीं था और अगर उनके व्यवहार को ऐसा माना गया है, तो उन्हें इसका खेद है। टीएमसी विधायक कुणाल घोष और शोभनदेब चट्टोपाध्याय ने 22 जुलाई को घोष को सदन से बाहर किये जाने की घटना को लेकर आज विधानसभा में आसन के करीब जाकर विरोध प्रदर्शन किया था। गृह विभाग के बजट पर चर्चा के दौरान बुधवार को हुए हंगामे के बाद कुणाल घोष को एक दिन के लिए सदन से बाहर कर दिया गया था। भाजपा विधायक की ओर से दिये गये नोटिस के अनुसार कल बजट पर चर्चा के दौरान सदन में कुणाल घोष का व्यवहार बेहद खराब था।

# उपराज्यपाल ने अनंतनाग आतंकी हमले में जान गंवाने वाले पुलिसकर्मी के परिजनों से की मुलाकात

श्रीनगर, 24 जुलाई (भाषा) जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आतंकी हमले में जान गंवाने वाले हेड कांस्टेबल आशिक हुसैन कुरैशी के बडगाम जिले स्थित आवास पर शुक्रवार को उनके परिजनों से मुलाकात की और उन्हें आश्वस्त किया कि प्रशासन इस कठिन समय में उनके साथ मजबूती से खड़ा है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उपराज्यपाल के साथ पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात, पुलिस महानिरीक्षक वी. के. बिरदी और बडगाम के उपायुक्त अतहर आमिर खान भी मौजूद थे। अधिकारियों के अनुसार, सिन्हा ने बडगाम के लालपोरा में कुरैशी के घर पर उनके परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने ड्यूटी के दौरान हेड कॉन्स्टेबल के सर्वोच्च बलिदान की सराहना की और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

## पृष्ठ 1 का शेष

**500% ज्यादा ...**

स्थिति पैदा कर दी, जहां चराइदेव से आने वाला लोकल पानी का बहाव नगालैंड से आने वाले भारी पानी के बहाव के साथ मिल गया। इसका दोहरा असर हुआ। पानी नगालैंड से नीचे की ओर बह रहा था, जबकि चराइदेव में खुद बहुत ज्यादा बारिश हो रही थी। उन्होंने कहा कि उसी समय ब्रह्मपुत्र पहले से ही बहुत ऊंचे स्तर पर बह रही थी, क्योंकि पड़ोसी जिलों और आसपास के राज्यों, जिनमें अरुणाचल प्रदेश, मेघालय और मणिपुर शामिल हैं, में भी भारी बारिश हुई थी। मुख्यमंत्री ने बताया कि उफनती ब्रह्मपुत्र ने सहायक नदियों को अपने आप बहने से रोक दिया। उन्होंने कहा कि जब हमने स्थिति का आंकलन किया, तो हमने पाया कि चराइदेव से बाढ़ का पानी ब्रह्मपुत्र में नहीं जा सका क्योंकि नदी खुद ही ओवरफ्लो हो रही थी। नतीजतन, सहायक नदियां ओवरफ्लो हो गयीं और बड़े इलाके जलमग्न हो गए। शर्मा ने इस अंदाजे को खारिज कर दिया कि नगालैंड में एक हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट से छोड़ा गया पानी इस आपदा का कारण बना। उन्होंने साफ किया कि अभी तक, हमारे पास ऐसी कोई जानकारी नहीं है, जिससे पता चले कि नगालैंड में किसी हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट ने बाढ़ में योगदान दिया है। बाढ़ सिर्फ बहुत ज्यादा बारिश के कारण आयी थी। बादल फटने के दावों का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इंडिया मेटियोरोलॉजिकल डिपार्टमेंट (आईएमडी) ने ऐसी किसी घटना से इनकार किया है। आईएमडी ने हमें बताया है कि कोई बादल नहीं फटा था। टेक्निकली, यह बहुत ज्यादा बारिश का एक मामला था। उन्होंने कहा कि पॉलिटिकली इसकी तुलना बादल फटने से की जा सकती है, क्योंकि असर वैसा ही था, लेकिन साइंटिफिक तौर पर यह बहुत ज़्यादा बारिश थी। शर्मा ने कहा कि असम में आम बाढ़ के उलट, यह आपदा बहुत तेजी से आयी। उन्होंने कहा कि आमतौर पर हमें पहले से चेतावनी मिल जाती है, क्योंकि नदियां धीरे-धीरे बढ़ती हैं। इस बार 18 जुलाई को दोपहर करीब 3 बजे बारिश शुरू हुई, और शाम 7 बजे तक, बड़े पैमाने पर तबाही शुरू हो चुकी थी। लोगों को निकालने का बिल्कुल भी समय नहीं मिला। उन्होंने आगे कहा कि धेमाजी या लखीमपुर के लोगों के उलट, चराईदेव के लोगों को इतनी बड़ी बाढ़ का बहुत कम अनुभव था। उन्होंने आगे कहा कि चराईदेव के लोगों को इस तरह की बाढ़ की आदत नहीं थी। कई लोग छतों पर चढ़ गये, लेकिन पानी बढ़ता रहा। शुरू में कोई बांध नहीं टूटा और बाढ़ के पानी ने कुछ ही घंटों में सब कुछ डुबो दिया।

**जोराबाट में बिना...**

रहे डेवलपमेंट की वजह से है। यूएसटीएम तो बस आगे का हिस्सा है; यूएसटीएम के पीछे जो हो रहा है, वह कहीं ज्यादा खतरनाक है, जिसमें पहाड़ियों की बड़े पैमाने पर तबाही हो रही है। मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी कि मेघालय की पहाड़ियों से बहने वाले पानी के बहाव की वजह से लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै इंटरनेशनल एयरपोर्ट को भी खतरा बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि अब, मेघालय सरकार ने प्रदूषण की वजह से बर्नीहाट में कुछ काम रोक दिये हैं। मुझे लगता है कि उन्हें असम पर पड़ने वाले असर के बारे में सहानुभूतिपूर्ण नजरिया अपनाने की ज़रूरत है। पड़ोसी राज्य से जोराबाट के पास डेवलपमेंट को रेगुलेट करने की अपील करते हुए, शर्मा ने चेतावनी दी कि अगर पहाड़ियों की तबाही जारी रही तो कोई भी ड्रेनेज इंफ्रास्ट्रक्चर गुवाहाटी में बहने वाले पानी की मात्रा को संभाल नहीं पाएगा। उन्होंने कहा कि मैं मेघालय सरकार से बस यही अपील करूंगा कि वह देखे कि जोराबाट और उसके आसपास के डेवलपमेंट को कैसे कंट्रोल किया जा सकता है। नहीं तो गुवाहाटी एक ऐसा शहर बन जाएगा, जिसे मैनेज नहीं किया जा सकेगा। हम शहर को ठीक नहीं रख पाएंगे, क्योंकि जिस तरह का पानी नीचे आता है, उसे किसी भी तरह के ड्रेनेज से रोका नहीं जा सकता। शर्मा ने कहा कि वह इस मामले में मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा के संपर्क में थे, लेकिन उन्होंने माना कि मेघालय की भी अपनी डेवलपमेंट प्राथमिकताएं हैं। उन्होंने कहा कि वे कहते हैं कि उन्हें भी डेवलपमेंट की जरूरत है और पूछते हैं कि सिर्फ असम को ही क्यों डेवलपमेंट करना चाहिए। उनके अपने तर्क हैं। मैं उसमें नहीं पड़ना चाहता, क्योंकि मामला सुप्रीम कोर्ट में है। स्थिति को एक ज्योग्राफिकल चुनौती बताते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि असम, एक निचला मैदानी राज्य होने के नाते, पड़ोसी पहाड़ी राज्यों में डेवलपमेंट के नतीजे जरूर झेलेगा। उन्होंने कहा कि ये दो बातें हैं। असम एक मैदानी इलाका है और दूसरे राज्यों में डेवलपमेंट का असर आखिरकार यहीं पड़ेगा। गुवाहाटी में बार-बार आने वाली बाढ़ पर शर्मा ने कहा कि कुछ इलाकों में हर साल पानी भर जाता है, लेकिन इस मौसम में बहुत ज्यादा भारी बारिश ने हालात और खराब कर दिये हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि गुवाहाटी में शहरी बाढ़ की स्थिति ऊपरी असम में हुई तबाही के सामने दब गई। उन्होंने कहा कि अगर कोई शिवसागर और चराइदेव को देखे, तो कोई भी गुवाहाटी के बारे में बात नहीं करेगा। ऊपरी असम की स्थिति शहरी बाढ़ से कहीं ज्यादा खराब है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की अभी की प्राथमिकता राज्य भर में बाढ़ से प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाना और उनका पुनर्वास करना है।

**80 हजार प्रभावितों...**

11 जिलों में 7.21 लाख से अधिक लोग इस आपदा से प्रभावित हैं। मुख्यमंत्री ने इससे पहले कहा था कि करीब 40 लोग अब भी लापता हैं और आशंका है कि मृतकों की संख्या में और बढ़ोतरी हो सकती है।

**पीड़ितों की मदद के...**

हिमंत विश्वा शर्मा को हर संभव सहायता और सहयोग का आश्वासन दिया है। इसके अलावा शीघ्र ही केंद्रीय मंत्रालयों के विभिन्न विभागों का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल असम भेजा जाएगा। यह दल राज्य सरकार के साथ बैठक करने के साथ-साथ बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर नुकसान का विस्तृत मूल्यांकन करेगा, जिसके आधार पर राज्य को विशेष वित्तीय सहायता प्रदान करने का निर्णय भी केंद्रीय कैबिनेट द्वारा लिया गया है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा उठाये गये त्वरित कदमों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि सेना, सांसद, विधायक, पंचायत प्रतिनिधि और जिला प्रशासन मिलकर राहत व बचाव कार्यों को सफलतापूर्वक आगे बढ़ा रहे हैं। वर्तमान में प्रभावित 2,023 गांवों के लिए 255 राहत शिविर स्थापित किये गये हैं। विशेष रूप से शिवसागर, चराईदेव, जोरहाट, गोलाघाट, होजाई, कामरूप, कामरूप महानगर, डिब्रूगढ़, नगांव, कार्बी आंगलांग और तिनसुकिया जिलों में राहत और बचाव अभियान लगातार जारी हैं। सोनोवाल ने असम के सभी वर्गों, सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं और नागरिकों से इस संकट की घड़ी में बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में मानवीय जिम्मेदारी और सामूहिक प्रयासों के बल पर ही इस आपदा से उबरा जा सकता है तथा केंद्र सरकार बाढ़ प्रभावित लोगों के पुनर्वास के लिए सभी आवश्यक सहयोग प्रदान करती रहेगी।

**केंद्रीय मंत्रिमंडल ने...**

संगठित कदाचार पर रोक लगाना है। सूत्रों ने बताया कि संशोधित विधेयक के सोमवार को संसद में पेश किये जाने की संभावना है। प्रधानमंत्री ने कल मध्यरात्रि को एक वीडियो संदेश में कहा था कि सोमवार को जब संसद के मानसून सत्र का दूसरा सप्ताह शुरू होगा तो प्रश्नपत्र लीक के मामलों में सख्त कार्रवाई के प्रावधानों वाला एक विधेयक लाया जाएगा और हम उसे जल्द से जल्द पारित कराने की कोशिश करेंगे। यह घोषणा ऐसे समय में की गयी, जब कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे, परीक्षा में हुई अनियमितताओं के लिए जवाबदेही तय करने, शिक्षा प्रणाली में सुधार और मई में नीट-यूजी परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक होने के बाद आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को एक करोड़ रुपये का मुआवजा देने की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रही है। सूत्रों के अनुसार पूरा मंत्रिमंडल प्रधान के समर्थन में खड़ा है और सरकार द्वारा विपक्ष की उनके इस्तीफे की मांग को स्वीकार करने की संभावना नहीं है। विपक्ष 20 जुलाई को अपनी मांगों के समर्थन में संसद तक मार्च निकालने वाले प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की कथित ज्यादती के लिए प्रधानमंत्री से माफी की मांग भी कर रहा है। सूत्रों ने बताया कि सरकार राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) में सुधारों से जुड़े सभी मुद्दों पर भी काम कर रही है। एनटीए चिकित्सा प्रवेश के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (स्नातक) यानी नीट-यूजी आयोजित करती है। वहीं दूसरी ओर नीट प्रश्नपत्र लीक मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने 47 अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया और कुछ के खिलाफ कानूनी तथा आपराधिक कार्रवाई की जायेगी। अधिकारियों ने आज यह जानकारी दी। यह कदम उच्च शिक्षा सचिव विनीत जोशी को पंचायती राज मंत्रालय भेजे जाने के एक दिन बाद उठाया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि एनटीए में व्यापक बदलाव किये जाने की तैयारी है और आगे भी कई सुधारात्मक कदम उठाये जाएंगे। कम से कम 47 अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया गया है और उनमें से कुछ के खिलाफ कानूनी तथा आपराधिक कार्रवाई शुरू की जाएगी। प्रश्नपत्र लीक और सीबीएसई के डिजिटल मूल्यांकन में आई गड़बड़ियों को लेकर पैदा हुए छात्रों के आक्रोश के कारण शीर्ष अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई का सिलसिला शुरू हो गया है।

**नीट प्रश्नपत्र लीक...**

डॉ. के. राधाकृष्णन समिति की सिफारिशों के लागू करने तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) की परीक्षा प्रणाली से जुड़े मॉडल को अपनाने के संबंध में विस्तृत हलफनामा दाखिल करे। शिक्षा मंत्रालय ने सात-सदस्यीय राधाकृष्णन समिति का गठन नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक के बाद परीक्षा प्रक्रिया, डेटा सुरक्षा व्यवस्था तथा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की संरचना और कार्यप्रणाली में सुधार संबंधी सिफारिशें देने के लिए किया था। याचिकाओं में से एक में नीट-यूजी आयोजित करने वाली राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के पुनर्गठन अथवा उसके स्थान पर मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं के संचालन के लिए अधिक सशक्त और स्वायत्त निकाय गठित करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। मेहता ने कहा कि इस मामले में कुछ नये घटनाक्रम हुए हैं और केंद्र सरकार एक विस्तृत रिपोर्ट दाखिल करेगी, जिसमें राधाकृष्णन समिति की सिफारिशों के अलावा उठाये गये अन्य कदमों की जानकारी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के भविष्य को खतरे में नहीं डाला जा सकता। हम राधाकृष्णन समिति की सिफारिशों से भी आगे बढ़कर कदम उठा रहे हैं। मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि सरकार अपेक्षा से कहीं अधिक प्रयास कर रही है और हर चीज की सर्वोच्च स्तर पर निगरानी की जा रही है। मेहता ने यह भी कहा कि दो वर्ष पहले भी इसी तरह का मामला सामने आया था और उस समय प्रश्नपत्र की छपाई से लेकर उसके परिवहन तक की पूरी प्रक्रिया अदालत के समक्ष स्पष्ट की गयी थी। इसपर पीठ ने कहा कि सरकार ने नीट-यूजी की पुन:परीक्षा के लिए प्रश्नपत्रों के परिवहन में वायुसेना की मदद ली थी, लेकिन ऐसे उपाय केवल तदर्थ व्यवस्था हैं। न्यायमूर्ति नरसिम्हा ने कहा कि वर्षों से चली आ रही तदर्थ व्यवस्थाओं ने परेशानी खड़ी की हैं। उन्होंने कहा कि न्यायालय यह सुनिश्चित करेगा कि परीक्षा प्रक्रिया के लिए एक स्थायी और संस्थागत व्यवस्था तैयार की जाए, ताकि भविष्य में प्रश्नपत्र लीक जैसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। केंद्र सरकार और एनटीए को विस्तृत हलफनामा दाखिल करने का निर्देश देते हुए पीठ ने कहा कि सरकार ने पहले अदालत को बताया था कि परीक्षा प्रक्रिया में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) की भूमिका होगी, लेकिन अब तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि उनकी भूमिका क्या होगी। एफएआईएमए की ओर से पेश अधिवक्ता तन्वी दुबे ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा अगले वर्ष से नीट-यूजी के लिए लागू किये जाने वाले कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) मॉडल से संबंधित मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का विस्तृत खाका भी मांगा। दुबे ने यह भी निवेदन किया कि परीक्षा अगले वर्ष से सीबीटी मॉडल में स्थानांतरित होने जा रही है, इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए याचिकाकर्ताओं ने परीक्षा से संबंधित कई सुझावों की एक सूची तैयार की है। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष करीब 22 लाख अभ्यर्थी कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) देंगे, इसलिए परीक्षा आयोजित किये जाने से पहले सरकार को मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का विस्तृत खाका प्रस्तुत करना चाहिए, जिसमें यह स्पष्ट हो कि परीक्षा के प्रत्येक चरण का संचालन किस प्रकार किया जाएगा। दुबे ने यह भी आग्रह किया कि परीक्षा से काफी पहले छात्रों के लिए डेमो टेस्ट और नमूना प्रश्नपत्र उपलब्ध कराए जाएं, ताकि वे कंप्यूटर आधारित परीक्षा के प्रारूप से भलीभांति परिचित हो सकें। मामले की सुनवाई तीन अगस्त तक स्थगित करते हुए पीठ ने कहा कि वह पूरे मामले पर बारीकी से नजर रखेगी और अगले एक वर्ष तक इसकी नियमित समीक्षा करेगी। पीठ ने कहा कि हम यह सुनिश्चित करेंगे कि परीक्षा प्रक्रिया के लिए एक मजबूत और स्थायी संस्थागत व्यवस्था विकसित की जाए। इससे पहले 29 मई को शीर्ष अदालत ने कहा था कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी से जुड़ी वास्तविक समस्या तब तक समाप्त नहीं होगी, जब तक वास्तविक जवाबदेही तय नहीं की जाती। नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक के आरोपों के बीच राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने 12 मई को तीन मई को आयोजित परीक्षा रद्द कर दी थी। इसके बाद पुन:परीक्षा 21 जून को करायी गयी।

**विपक्ष प्रदान के...**

श्रद्धांजलि दी। कारगिल विजय दिवस हर वर्ष 26 जुलाई को मनाया जाता है। इस बार 26 जुलाई को रविवार होने के कारण अवकाश है, इसलिए आज ही कारगिल के शहीदों को श्रद्धांजलि दी गयी। श्रद्धांजलि के बाद विपक्षी सदस्य नीट प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर सोमवार को राजधानी में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई सहित विभिन्न मुद्दों को उठाते हुए सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्षी सदस्यों से प्रश्नकाल चलने देने की अपील करते हुए कहा कि प्रश्नकाल समाप्त होने के बाद उन्हें अपनी बात रखने का अवसर दिया जाएगा। बिरला ने यह भी कहा कि प्रश्नकाल के बाद नियमों के तहत किसी भी विषय पर चर्चा की अनुमति दी जाएगी। हालांकि विपक्षी सदस्यों का हंगामा जारी रहने पर उन्होंने सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। दोपहर 12 बजे सदन की बैठक दोबारा शुरू होने पर संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने कहा कि सरकार नीट मामले पर चर्चा के लिए तैयार है और विपक्ष को चर्चा के लिए कोई शर्त नहीं रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विपक्ष शुरू से ही इस मुद्दे पर चर्चा की मांग कर रहा था और सरकार चर्चा के लिए तैयार है। रिजिजू ने कहा कि प्रधानमंत्री ने भी नीट मामले में देश को आश्वासन दिया है और सरकार प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ कड़ा कानून लाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में मंत्रिमंडल की बैठक में फैसला किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में अगर हम संसद में चर्चा नहीं करेंगे तो देश के सामने अच्छा संदेश नहीं जाएगा। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जी से अनुरोध है कि वह अपने सांसदों को समझाएं। कई अन्य दलों के सांसदों ने निजी तौर पर कहा है कि चर्चा होनी चाहिए। हम सार्थक बहस क्यों नहीं कर सकते? आप शर्त मत रखिए, हम चर्चा के लिए तैयार हैं। पीठासीन सभापति जगदंबिका पाल ने कहा कि संसदीय कार्य मंत्री ने बताया है कि सरकार चर्चा के लिए तैयार है और सरकार ने इस मामले में उठाये गये कदमों की भी जानकारी दी है। उन्होंने सदस्यों से अपने-अपने स्थान पर लौटने का आग्रह करते हुए कहा कि वह नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बोलने का अवसर देंगे। उन्होंने उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने के प्रावधान वाले विधेयक का हवाला देते हुए कहा कि सदन के समक्ष महत्वपूर्ण विधेयक भी है और इस पर चर्चा करनी चाहिए। हंगामा जारी रहने पर पीठासीन सभापति ने सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजकर 13 मिनट पर सोमवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। उधर राज्यसभा में भी विपक्षी सदस्यों ने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के बाद ही नीट परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक मामले पर चर्चा कराने की मांग करते हुए हंगामा किया। सुबह उच्च सदन की बैठक शुरु होने पर सभापति सीपी राधाकृष्णन ने 26 जुलाई को मनाये जाने वाले कारगिल विजय दिवस का उल्लेख किया। उन्होंने सैन्य बलों के साहस और शौर्य की सराहना करते हुए कहा कि उनकी निगरानी में सीमाएं सुरक्षित हैं। शहीदों को श्रद्धांजलि देने के बाद सभापति ने आवश्यक दस्तावेज सदन के पटल पर रखवाये और प्रश्नकाल शुरू करना चाहा। इसी बीच विपक्षी सदस्यों ने नीट प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई के विरोध में तथा शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए सरकार के खिलाफ नारेबाजी और हंगामा शुरू कर दिया। सभापति राधाकृष्णन ने सदन में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे को बोलने की अनुमति दी। खरगे ने प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई का जिक्र किया। उनकी बात पूरी भी नहीं हो पायी थी कि सत्ता पक्ष के सदस्य विरोध जताने लगे। सभापति ने हंगामे के कारण बैठक दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। एक बार के स्थगन के बाद दोपहर बारह बजे बैठक शुरू होने पर विपक्ष के नेता खरगे ने कहा कि शिक्षा मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए और प्रधानमंत्री को स्थिति स्पष्ट करते हुए बयान देना चाहिए। खड़गे अपनी बात पूरी नहीं कर पाये थे कि सत्ता पक्ष के सदस्यों ने विरोध जताना शुरू कर दिया। इस बीच विपक्ष के सदस्यों ने भी हंगामा और नारेबाजी शुरू कर दी। सदन में अव्यवस्था देख राधाकृष्णन ने बैठक दोपहर दो बजे तक स्थगित कर दी। दो बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बजे बैठक शुरू होते ही विपक्षी सदस्यों ने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए हंगामा शुरू कर दिया। उप-सभापति हरिवंश ने कहा कि राष्ट्र गौरव अपमान निवारण (संशोधन अधिनियम) विधेयक 2026 को पेश किया जाना है, जो आज के कामकाज की सूची में सूचीबद्ध है। विधेयक का उद्देश्य राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् को वही वैधानिक संरक्षण प्रदान करना है, जो वर्तमान में राष्ट्रगान जन गण मन को प्राप्त है।

**बांग्लादेश के प्रधानमंत्री...**

और मानसिक रूप से असमर्थ हूं। संसद अध्यक्ष अहमद बैंकॉक में अपना इलाज बीच में ही छोड़कर शुक्रवार को ढाका लौट आये और कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। बांग्लादेश के संविधान के अनुसार नये राष्ट्रपति के चुने जाने तक अहमद कार्यवाहक राष्ट्रपति के तौर पर काम करेंगे। वर्ष 1971 के मुक्ति संग्राम में भूमिका निभाने वाले और निचली अदालत के न्यायाधीश रहे शहाबुद्दीन ने अप्रैल 2023 में पांच साल के कार्यकाल के लिए राष्ट्रपति के तौर पर शपथ ली थी।

**हिमाचल : वाहन पर...**

चंबा और लाहौल-स्पीति के उपायुक्तों से राहत और बचाव कार्यों में तेजी लाने का आग्रह किया। पुलिस और बचाव दल घटनास्थल पर पहुंच गये हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यात्री टिंडी में फंस गये थे, क्योंकि उदयपुर-किलाड़ मार्ग पिछले दिन बंद था। सड़क फिर से खुलने के बाद वे आज पांगी के लिए रवाना हुए लेकिन रास्ते में दुर्घटना का शिकार हो गये। हालांकि पीड़ितों की पहचान की आधिकारिक रूप से अभी पुष्टि नहीं हुई है। लाहौल और स्पीति की उपायुक्त किरण भड़ाना ने बताया कि इस हादसे में 13 लोगों की मौत हो गयी। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना की सूचना मिलते ही एक दल को तुरंत घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। इसने बताया कि राहत और बचाव कार्य जारी है तथा प्रशासन स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है। इस बीच मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने लाहौल-स्पीति के उपायुक्त को निर्देश दिया कि वह तुरंत घटनास्थल पर जाएं और बचाव एवं राहत कार्यों की निगरानी करें। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने एक बयान में कहा कि सुक्खू ने शोक संतप्त परिवार के सदस्यों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। उन्होंने अधिकारियों को घायलों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

**अश्लाल सामग्री...**

सवाल किया गया था कि क्या सरकार ने इस बात पर ध्यान दिया है कि बच्चों के लिए बने मोबाइल एप पर अश्लील विज्ञापन दिखाए जाते हैं? वैष्णव ने अपने जवाब में कहा कि सरकार की नीतियों का उद्देश्य बच्चों सहित अपने उपयोगकर्ताओं के लिए मुक्त, संरक्षित, विश्वसनीय और जवाबदेह इंटरनेट सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि आईटी अधिनियम और आईटी नियम ने मिलकर डिजिटल क्षेत्र में गैरकानूनी और हानिकारक सामग्री से निपटने के लिए एक सशक्त ढांचा तैयार किया है। उन्होंने कहा कि सरकार सूचना सुरक्षा के क्षेत्र में मानव संसाधन सृजित करने और जनता के बीच साइबर स्वच्छता और साइबर सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर सामान्य जागरूकता पैदा करने के लिए सूचना सुरक्षा शिक्षा और जागरूकता (आईएसईए) पर एक परियोजना कार्यान्वित कर रही है। अब तक, देश भर में 6,650 जागरूकता कार्यशालाएं आयोजित की गयी हैं।

**एनएससीएन (आईएम)...**

के लिए चुने जाने से एनएससीएन (आईएम) का अंदरूनी संकट और गहरा गया है, क्योंकि इसे मूल संगठन के नेतृत्व के लिए एक चुनौती के तौर पर देखा जा रहा है। इस संगठन का नेतृत्व थुइंगालेंग मुइवा कर रहे हैं, जो अब 90 साल से अधिक उम्र के हैं। ये फैसले मंगलवार को म्यांमा के माउंट होरेब कैंप में हुई ईस्टर्न फ्लैंक' की बैठक में किये गये।यह पता नहीं है कि इस नये गुट में कितने नेता शामिल हैं। केंद्र और एनएससीएन (आईएम) के बीच संघर्ष विराम समझौता वर्ष 1997 में हुआ था।

**मिजोरम : 6.89...**

की गोलियां बरामद हुईं, जिनकी अनुमानित कीमत 4.75 करोड़ रुपये है। इस संबंध में जोखावथार थाने में स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। बयान में कहा गया कि 23 जुलाई को एक अन्य अभियान में विशेष पुलिस दल ने खुफिया सूचना के आधार पर सैतुअल जिले में एक ट्रक को रोका। वाहन की तलाशी के दौरान दो किलोग्राम मॉर्फीन बरामद की गयी, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 2.09 करोड़ रुपये आंकी गयी है। पुलिस ने बताया कि असम के कछार जिले के तारापुर गांव निवासी ट्रक चालक कबीर हुसैन (30) को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि 15 जुलाई की शाम चंफाई पुलिस के विशेष कार्यबल ने खानकावन जांच चौकी पर एक कार को रोका।

## शक्ति संगम नारी कौशल केंद्र एवं आरआरआर केंद्र का शुभारंभ

**जयपुर, एजेंसी।** ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा देने की दिशा में गुरुवार को जयपुर जिले के फागी ब्लॉक में शक्ति संगम नारी कौशल केंद्र एवं आरआरआर (रिड्यूस, रियूज, रिसायकल) केंद्र का शुभारंभ किया गया। यह केंद्र जिला परिषद जयपुर, फिनोवा कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड के 10 लाख रूपए के सीएसआर सहयोग तथा शक्ति संगम संस्था की सहभागिता से स्थापित किया गया है। यह केंद्र ग्रामीण महिलाओं के कौशल विकास, आजीविका संवर्धन तथा हरित अर्थव्यवस्था को नई दिशा देगा। मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतिभा वर्मा ने कहा कि यह केंद्र सरकारी प्रयासों और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रभावी समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण है। फिनोवा कैपिटल के प्रबंध निदेशक मोहित साहनी ने कहा कि महिलाओं का उत्साह इस बात का प्रमाण है कि यह केंद्र भविष्य में महिला उद्यमिता और आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार बनेगा। केंद्र में हाई स्पीड सिलाई मशीन, पीको मशीन, ओवरलॉक मशीन सहित आधुनिक उपकरण स्थापित किए गए हैं। समारोह के दौरान वेस्ट टू वेल्थ थीम पर ग्रामीण महिलाओं द्वारा तैयार अपसाइकिल उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसमें पुराने कपड़ों से तैयार बैग, कैप, चश्मे के कवर, यूटिलिटी पाउच, मैट, टोकरियां, हस्तशिल्प उत्पाद तथा पर्यावरण अनुकूल राखियां आकर्षण का केंद्र रहीं।

उद्घाटन के साथ ही केंद्र में प्रशिक्षण गतिविधियां भी प्रारंभ कर दी गईं। प्रथम चरण में 20 ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला शुरू की गई है। जयपुर की स्थानीय टेक्सटाइल इकाइयों ने केंद्र को कच्चे माल के रूप में कपड़ों की कटिंग एवं स्क्रैप फैब्रिक उपलब्ध कराना प्रारंभ कर दिया है। पहले ही दिन फागी क्षेत्र की लगभग 60 महिलाओं ने प्रशिक्षण के लिए पंजीकरण कराया। फिनोवा कैपिटल ने भविष्य में भी महिला सशक्तीकरण की इस पहल में सहयोग जारी रखने का आश्वासन दिया।

उद्घाटन समारोह में जिला प्रमुख रमा देवी चौपड़ा, प्रधान पंचायत समिति फागी सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। समारोह में लगभग 200 स्थानीय नागरिकों, स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं एवं पंचायत प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

## टोंक : शहरी सेवा शिविरों से आमजन को मिल रही त्वरित राहत, एक ही छत के नीचे 175 पट्टों का हुआ वितरण

**टोंक, एजेंसी।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुसार प्रदेशभर के शहरी क्षेत्रों में आयोजित 'शहरी सेवा शिविर-2026' के फॉलोअप कैंप आमजन के लिए वरदान साबित हो रहे हैं। टोंक नगर परिषद क्षेत्र में आयोजित फॉलोअप शिविरों में नागरिकों के वर्षों से लंबित कार्यों का एक ही छत के नीचे त्वरित, पारदर्शी और समयबद्ध निस्तारण किया जा रहा है। 175 पात्र लाभार्थियों को सौंपे गए पट्टे शिविर के दौरान विभिन्न श्रेणियों के कुल 175 पट्टों का वितरण लाभार्थियों को किया गया-स्टेट ग्रांट योजनाः 65 पट्टे, कृषि भूमि पट्टेः 65 पट्टे, अन्य श्रेणियां: 45 पट्टे।

पट्टा प्राप्त करने वाले नागरिकों ने राज्य सरकार और प्रशासन की इस अनूठी पहल की सराहना करते हुए कहा कि जो काम वर्षों से अटके हुए थे, वे अब बेहद सरल प्रक्रिया से पूरे हो रहे हैं। शिविर में नगर परिषद के साथ-साथ राजस्व, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, जलदाय (क्राश्चष्ठ), विद्युत, चिकित्सा, महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने मौके पर ही शिकायतों और आवेदनों की सुनवाई कर त्वरित समाधान किया, जिससे आमजन को अलग-अलग दफ्तरों के चक्कर लगाने से मुक्ति मिली।

## भीलवाड़ा में ACB का बड़ा एक्शन : राजकीय महाविद्यालय का संस्थापन अधिकारी ?40 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

**भीलवाड़ा।** ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर ए.सी.बी. भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो भीलवाडा-द्वितीय इकाई द्वारा आज कार्यवाही करते हुये आरोपी शिव नुवाल संस्थापन अधिकारी, माणिक्यलाल वर्मा राजकीय महाविधालय भीलवाडा को परिवादी से 40,000 रूपये रिश्वत राशि ग्रहण करने पर गिरफ्तार किया गया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि ए.सी.बी. भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो भीलवाडा द्वितीय को एक शिकायत इस आशय की मिली कि परिवादी की फर्म द्वारा माणिक्यलाल वर्मा राजकीय महाविधालय भीलवाडा मे आपूर्ति किये गये सिक्योरिटी गार्ड एवं कम्प्युटर ऑपरेटर एवं सफाई कर्मचारी की निविदा महाविधालय द्वारा स्वीकृत की गई। उक्त फर्म के द्वारा उक्त मानव संसाधन महाविधालय में उपलब्ध करवाये गये। आरोपी शिव नुवाल, संस्थापन अधिकारी द्वारा रविवार को महाविधालय पहुँचने पर चौकीदार अपने कार्यस्थल महाविधालय पर उपस्थित नही होने पर प्राचार्य द्वारा संबधित फर्म को फर्म का ठेका निरस्त करने हेतु पत्र जारी किया गया था।

# खाटू श्याम जी, पुष्कर और रामदेवरा का बदलेगा स्वरूप, सीएम भ जनलाल शर्मा ने दिए निर्देश

**जयपुर एजेंसी।** राज्य सरकार प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए बड़ा कदम उठाने जा रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य के प्रमुख तीर्थ स्थलों के कायाकल्प और वहां जारी विकास कार्यों को तेजी से पूरा करने के सख्त निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के प्रमुख मंदिरों को भव्य और सुंदर रूप देकर राज्य में धार्मिक पर्यटन को नई ऊंचाइयों पर ले जाना सरकार की मुख्य प्राथमिकता है। प्रमुख मंदिरों और तीर्थों के लिए मुख्यमंत्री के मुख्य निर्देश :

**पुष्कर (अजमेर) :** ब्रह्मा मंदिर कॉरिडोर, सरोवर परिक्रमा मार्ग और विभिन्न घाटों का विकास कार्य उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाएगा। इसके लिए अजमेर विकास प्राधिकरण और राजस्थान धरोहर प्राधिकरण मिलकर काम करेंगे।

**खाटू श्याम जी (सीकर) :** मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों का सौंदर्यीकरण प्राथमिकता के आधार पर होगा। श्रद्धालुओं और वाहनों की सुगम आवाजाही के लिए सड़क निर्माण की विशेष कार्ययोजना बनाई जाएगी।

**रामदेवरा (जैसलमेर) :** आगामी रामदेवरा मेले को देखते हुए पदयात्रियों के मार्गों पर पानी, विश्राम स्थल और चिकित्सा जैसी बुनियादी सुविधाएं जुटाई जाएंगी।

**बेणेश्वर धाम व तनोट माता :** बेणेश्वर धाम में मूर्ति, धर्मशाला, रसोईघर और घाटों का निर्माण कार्य जल्द पूरा होगा। वहीं तनोट माता मंदिर के प्रथम चरण का विकास कार्य तुरंत शुरू करने को कहा गया है।

**डीग व पुंछरी का लौठा :** गुरु पूर्णिमा मेले के मद्देनजर श्रद्धालुओं के लिए बिजली, पानी और विश्राम की सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं।

### पैनोरमा का होगा संरक्षण, स्कूली बच्चे करेंगे भ्रमण

समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रदेशभर में बने पैनोरमा के संरक्षण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा- 'पैनोरमा हमारी समृद्ध और गौरवशाली विरासत का अभिन्न हिस्सा हैं। इनका उचित रख-रखाव बेहद जरूरी है। स्कूली विद्यार्थियों को प्रदेश के स्वर्णिम इतिहास की जानकारी देने के लिए पैनोरमा भ्रमण के विशेष इंतजाम किए जाएं।'

### मुख्य सचिव करेंगे मॉनिटरिंग

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि सभी चालू विकास परियोजनाओं को तय समय-सीमा में पूरा किया जाए और नई परियोजनाओं की निविदा प्रक्रिया जल्द से जल्द पूरी की जाए। इन सभी विकास कार्यों और बजट घोषणाओं की निरंतर मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी राज्य के मुख्य सचिव को सौंपी गई है। बैठक में राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित कई विभागों के उच्च अधिकारी और संबंधित जिलों के कलेक्टर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े।

## मानसून में मौसमी बीमारियों पर सख्ती, जयपुर जिला प्रशासन ने सभी विभागों को सौंपी जिम्मेदारी

**जयपुर, एजेंसी।** मानसून के दौरान मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, स्क्रब टाईफस एवं अन्य वायरसजनित मौसमी बीमारियों की प्रभावी रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए जयपुर जिला कलक्टर संदेश नायक की अध्यक्षता में गुरुवार को अंतरविभागीय समन्वय हेतु कलेक्ट्रेट में बैठक आयोजित हुई। जिला कलक्टर ने कहा कि मानसून के दौरान मच्छरों के प्रजनन एवं संक्रमण की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में सभी विभाग जनजागरूकता एवं मच्छररोधी गतिविधियों को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य मच्छरों की संक्रमण श्रृंखला को तोड़कर मौसमी बीमारियों की रोकथाम सुनिश्चित करना है। जिला कलक्टर ने पुलिस आयुक्त जयपुर व जिला पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण को मौसमी बीमारियों से संबंधित चालान कार्यवाही में सहायता प्रदान करने, घर-घर सर्वे के दौरान अप्रिय घटनाओं को रोकने हेतु चिकित्सा विभाग की टीम का सहयोग करने तथा पुलिस थाना परिसर में मच्छर रोधी गतिविधियां करवाना सुनिश्चित करने की बात कही।

उन्होंने राजस्थान आवासन मण्डल के अधिकारियों को निर्देशित किया कि आवासीय कॉलोनियों एवं मल्टी स्टोरी अपार्टमेंट में नियमित रूप से एण्टीलार्वा एवं सोर्स रिडक्शन गतिविधियों हेतु एण्टोमोलॉजिस्ट एवं सुपरवाइजर को शामिल करते हुए आईईसी गतिविधियां सुनिश्चित करें। भवन निर्माण वाले स्थान पर एंटी लार्वा गतिविधियां करवाई जाएं, खाली भूखण्डों में ठहरे हुए पानी में एम.पी.एस.जी. डलवाएं तथा पार्कों में पत्तों, कचरे एवं अन्य जल स्रोतों पर नियमित एण्टीलार्वा एवं सोर्स रिडक्शन गतिविधियां करवाएं।

कलेक्टर ने नगर निगम को नालियों की नियमित साफ-सफाई, नालियों एवं गड्ढों में फॉगिंग, शहरी क्षेत्र में पंपिंग करवाने, सड़कों के आसपास बने गड्ढों को भरवाने तथा घरों के बाहर रखी टंकियों एवं अन्य जल स्रोतों की साफ-सफाई सुनिश्चित करने के साथ ही होर्डिंग एवं बैनर के माध्यम से मौसमी बीमारियों की रोकथाम एवं बचाव संबंधी आईईसी गतिविधियां संचालित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने जिला परिषद को ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम पंचायत स्तर पर मौसमी बीमारियों की रोकथाम हेतु विशेष अभियान चलाने, नालियों एवं जलभराव वाले स्थानों की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने, मच्छरों के प्रजनन स्थलों को समाप्त करने तथा ग्राम स्तर पर जन-जागरूकता गतिविधियां आयोजित करने, ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण समितियों के माध्यम से आमजन को मलेरिया, डेंगू एवं अन्य मौसमी बीमारियों से बचाव के उपायों की जानकारी देने के निर्देश दिए।

## राइजिंग राजस्थान समिट के 49 एमओयू की प्रगति की समीक्षा, मुख्य सचिव ने शीघ्र क्रियान्वयन के दिए निर्देश

**जयपुर, एजेंसी।** राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान किए गए एमओयू में से चयनित 49 प्रकरणों की प्रगति की मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने गुरुवार को शासन सचिवालय में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में विस्तार से समीक्षा की। मुख्य सचिव ने प्रत्येक मामले के शीघ्र निस्तारण एवं प्रभावी क्रियान्वयन के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन निवेश प्रस्तावों को शीघ्र धरातल पर उतारा जाए। इनके क्रियान्वयन में आ रही बाधाओं को तुरंत दूर किया जाए। इसके लिए आवश्यक नीतिगत या प्रक्रियागत निर्णय शीघ्र लिए जाएं। मुख्य सचिव ने राजस्व विभाग, नगरीय विकास एवं आवासन (यूडीएच) विभाग तथा स्वायत्त शासन विभाग (एलएसजी) को आवश्यक स्वीकृतियों की प्रक्रिया में तेजी लाने तथा लंबित मामलों का शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए। बैठक में संबंधित जिला कलक्टरों ने परियोजनाओं के क्रियान्वयन से जुड़ी समस्याओं से अवगत कराया। मुख्य सचिव ने संबंधित विभागों एवं जिला प्रशासन को आपसी समन्वय के साथ प्राथमिकता के आधार पर इन समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने राज्य में उद्योग और व्यापार सुगमता के लिए ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इन सुधारों से निवेशकों के लिए प्रक्रियाएं सरल हुई हैं और इससे परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आई है। उन्होंने कहा कि निवेशकों का विश्वास बढ़ाने तथा राज्य में निवेश का अनुकूल वातावरण विकसित करने के लिए निवेश प्रक्रियाओं को और अधिक सरल बनाया जा रहा है।

## भरतपुर दौरे पर विधायक डॉ. सुभाष गर्ग ने अधूरी सड़कों का लिया जायजा, जल्द डामरीकरण के दिए निर्देश

**भरतपुर, एजेंसी।** पूर्व मंत्री व वर्तमान विधायक डॉ. सुभाष गर्ग बुधवार को दो दिवसीय दौरे पर भरतपुर पहुंचे, दौरे के दौरान उन्होंने विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों का दौरा किया। उन्होंने सहनावली से नगला माना, मौरोली से तमरौली तथा मथुरा रोड़ से तमरौली तक की सड़क का अवलोकन किया। जहां कई महीनों से अधूरी पड़ी निर्माणधीन सड़क को लेकर नाराजगी व्यक्त करते हुए सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को शीघ्र ही ग्रेवल की गई सड़क पर डामरीकरण कराने के निर्देश दिए। विधायक डॉ. गर्ग ने सहनावली से नगला माना, मौरोली से तमरौली तथा मथुरा रोड़ से तमरौली तक की सड़क का अवलोकन किया और क्षेत्र के लोगों से चर्चा की। क्षेत्र के लोगों ने डॉ. गर्ग को अवलोकन के दौरान बताया कि कई महीनों पहले स्वीकृत इन सड़कों पर पीडब्ल्यूडी द्वारा ग्रेवल डाल दी गई लेकिन अभी तक इसे पक्का नहीं किया गया है जिससे क्षेत्र वासियों का आवागमन प्रभावित हो रहा है और दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जिस पर विधायक डॉ. गर्ग ने ग्रेवल डालकर इन सड़कों को अधूरी छोडने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को निर्देशित किया कि गुणवत्ता के साथ इन तीनों सड़कों पर शीघ्र डामरीकरण किया जाये ताकि ग्रामीण क्षेत्र की जनता का अवागमन सुलभ हो सके और उनका शहर से आसानी से जुड़ाव हो सके। इसके अलावा विधायक डॉ. गर्ग ने तुहिया, तमरौली, नगला बरैला, इकरन, घुस्यारी, ऊंदरा, भरंगरपुर, चिकसाना, नगला पिचुमरिया, खैमरा, बहनेरा सहित शहरी क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में पहुंचकर लोगों के दुख-सुख में भागीदारी निभाई और जनता जनार्दन से मुलाकात कर क्षेत्र की समस्याओं को जाना। उन्होंने रंजीत नगर कार्यालय पर भी जनता जनार्दन से मुलाकात कर जनसुनवाई की और क्षेत्र के विकास को लेकर चर्चा की। इस दौरान विधायक डॉ. गर्ग ने कार्यकर्ताओं से भी मुलाकात कर राजनैतिक व सामाजिक विषयों पर विचार विमर्श किया।

## कोटा देहात में एसीबी की बड़ी कार्रवाई: जेवीवीएनएल के जेईएन और एफआरटी कर्मचारी 1,000 रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार

**कोटा, एजेंसी।** ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर ए.सी.बी. कोटा देहात द्वारा आज कार्यवाही करते हुये आरोपी दानमल फाल्ट रिमूवल टीम कर्मचारी व पंकज वर्मा, कनिष्ठ अभियंता, जेवीबीएनएल सुल्तानपुर जिला कोटा को आपसी मिलीभगत कर परिवादी के पिताजी के नाम बिजली कनेक्शन की वीसीआर नहीं भरने की एवज में परिवादी से 1,000 रूपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि ए.सी.बी. कोटा देहात को दिनांक 20.07.2026 को परिवादी ने एक लिखित शिकायत इस आशय की पेश की कि मेरे पिताजी के नाम पर (बिजली कनेक्शन) घर पर बिजली का मीटर लगा हुआ है। सुल्तानपुर बिजली विभाग के जे.ईएन पंकज कुमार हमारे घर के फोटो खिंचकर कल दिनांक 19.07.2026 को दिन में 12 बजे करीब ले गया। दानमल निवासी सुल्तानपुर बिजली विभाग के ठेके पर बिजली विभाग की गाडी पर तार जोडने का काम करता है। पंकज कुमार जे.ईएन हमारी वीसीआर नहीं भरने के एवज में उनके दलाल दानमल निवासी सुल्तानपुर के मार्फत मेरे से 7000 रूपये रिश्वत राशि की मांग कर परेशान कर रहा है। जिस पर ए.सी.बी. कोटा के उप महानिरीक्षक पुलिस ओमप्रकाश मीणा के सुपरविजन में ए.सी. बी. कोटा देहात के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल सिंह कानावत के नेतृत्व में शिकायत का गोपनीय मांग सत्यापन की कार्यवाही करवाई गई। दौराने गोपनीय सत्यापन परिवादी के रिश्वत राशि कम करने के निवेदन पर दोनों आरोपीगण ने परिवादी से बात कर 2,000 रूपये रिश्वत मांगकर 1000 रूपये रिश्वत राशि आरोपी दानमल ने परिवादी से प्राप्त कर लिये। आज गोपाल सिंह कानावत अति. पुलिस अधीक्षक एसीबी कोटा देहात के नेतृत्व में पुलिस निरीक्षक शरीफ अहमद एवं टीम ने ट्रेप कार्यवाही करते हुए आरोपी दानमल एफआरटी कर्मचारी ने रिश्वत मांग के क्रम में 1000 रूपये शेष रिश्वत राशि परिवादी से ग्रहण करी जो राशि आरोपी दानमल से बरामद की गई। आरोपी पंकज वर्मा कनिष्ठ अभियंता की मिलीभगत पाये जाने पर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों से पूछताछ तथा कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जावेगा। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टोल फ्री हैल्पलाईन नम्बर 1064 एवं व्हाटसएप हैल्पलाईन नम्बर 9413502834 पर 24 ङ्ग 7 सम्पर्क कर भ्रष्टाचार के विरूद्ध अभियान में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे।

# भजनलाल शर्मा की 'गिव अप अभियान' पहल बनी मिसाल 1 करोड़ नए पात्र लोगों को मिली खाद्य सुरक्षा

**जयपुर, एजेंसी।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने सामाजिक न्याय और पारदर्शिता को साकार करने की दिशा में अभूतपूर्व उपलब्धि दर्ज की है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने बताया कि प्रदेश में 1 करोड़ 56 हजार 511 नए जरूरतमंद लोगों को खाद्य सुरक्षा प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री की अभिनव पहल के रूप में शुरू किए गए गिव अप अभियान ने इसमें बड़ी भूमिका निभाई और करीब 93 लाख सक्षम लोगों ने स्वेच्छा से गरीबों के हक में खाद्य सुरक्षा छोड़ी। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री ने मुख्यमंत्री का जताया आभार खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने बुधवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात कर गिव अप अभियान के माध्यम से 1 करोड़ लोगों की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उनका आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की प्रेरणा से शुरू किया गया गिव अप अभियान गरीब लोगों के लिए वरदान साबित हुआ है।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि प्रदेश का कोई भी पात्र परिवार खाद्य सुरक्षा के अधिकार से वंचित न रहे। प्रदेश में जनसंख्या के अनुपात में एनएफएसए के अंतर्गत लगभग 4.46 करोड़ लाभार्थियों की सीमा निर्धारित है। इस सीमा के पूर्ण हो जाने के कारण नए पात्र व्यक्तियों को योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा था। ऐसे में मुख्यमंत्री के निर्देश पर 1 नवम्बर, 2024 को 'गिव अप अभियान' प्रारंभ कर सक्षम लोगों को स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा छोड़ने के लिए प्रेरित किया गया। करीब 3 माह बाद 26 जनवरी, 2025 को खाद्य सुरक्षा पोर्टल को पुनः शुरू किया गया ताकि वंचित पात्र लोग योजना से जुड़ सकें। पोर्टल खुलने के बाद 87 लाख 60 हजार 847 लोगों को खाद्य सुरक्षा योजना में जोड़ा गया। इससे पहले भी वर्तमान सरकार के कार्यकाल में 12 लाख 95 हजार 664 लोगों को योजना से जोड़ा गया था।

गोदारा ने बताया कि यह प्रदेश के इतिहास की सबसे बड़ी सामाजिक सुरक्षा उपलब्धियों में से एक है, जो गिव अप अभियान के कारण संभव हुई है। इस अभियान में 93 लाख 48 हजार 596 सक्षम लोगों ने स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा का लाभ छोड़ा।

उन्होंने कहा कि इससे पूर्व केंद्र सरकार द्वारा उज्ज्वला योजना के तहत चलाए गए गिव अप अभियान में 1 करोड़ 16 लाख लोगों ने स्वेच्छा से सब्सिडी छोड़ी थी। इसी तर्ज पर मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राजस्थान में चलाए गए इस अभियान ने प्रदेशवासियों को नया संबल दिया है।

उन्होंने बताया कि नए जुड़े लाभार्थियों को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत प्रति व्यक्ति 5 किलो गेहूं के साथ ही मुख्यमंत्री रसोई गैस सब्सिडी योजना, मुख्यमंत्री आयुष्मान दुर्घटना बीमा योजना तथा मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना जैसी अन्य योजनाओं का लाभ भी प्राप्त हो रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल एवं संवेदनशील नेतृत्व में यह उपलब्धि सशक्त राजस्थान-समृद्ध राजस्थान के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

## चपाईडांग में क्रिकेट प्रशिक्षण शिविर की शुरुआत

**गुवाहाटी, 24 जुलाई (ख.सं.)।** आइकॉन क्रिकेट अकादमी के तत्वावधान में बोंदा के चपाईडांग में एक विशेष क्रिकेट प्रशिक्षण शिविर की शुरुआत की गई है। आगामी 2 अगस्त को संपन्न होने वाले लड़कों के अंडर-16 वर्ग के इस 12 दिवसीय शिविर में लगभग 50 से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इस विशेष शिविर में मार्गदर्शन के लिए अनुभवी एवं ख्यातिप्राप्त प्रशिक्षक नवाब अली के साथ-साथ एनसीए कोच संदीपान देवनाथ, पूर्व रणजी क्रिकेटर विश्वजीत मजूमदार और गौतम शर्मा प्रशिक्षक की भूमिका निभा रहे हैं। उन्नत खेल उपकरणों और आधुनिक तकनीकी कौशलों पर आधारित यह शिविर आइकॉन स्पोर्ट्स अकादमी परिसर में प्रतिदिन सुबह 7 बजे से 11 बजे तक आयोजित किया जा रहा है।

## राज्यपाल ने किया 47वीं राज्य स्तरीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026 का उद्घाटन

**गुवाहाटी, 24 जुलाई (ख.सं.)।** राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने आज नलबाड़ी के सरिहातली स्थित नलबाड़ी स्टेडियम में 47वीं राज्य स्तरीय सीनियर और जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026 का औपचारिक उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने युवाओं से चरित्र निर्माण, अनुशासन, सहनशीलता और राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक के रूप में खेलों को अपनाने का आह्वान किया। तीन दिवसीय इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का आयोजन असम एथलेटिक्स एसोसिएशन द्वारा नलबाड़ी जिला प्रशासन और नलबाड़ी जिला खेल संघ के सहयोग से किया जा रहा है। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने असम भर से आये लगभग 1,200 एथलीटों की उत्साही भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में खिलाड़ियों की उपस्थिति राज्य में बढ़ती खेल संस्कृति को दर्शाती है और वर्ष 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने में बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने इस चैंपियनशिप को ऐसे भावी चैंपियनों की पहचान करने और उन्हें तराशने का एक प्रमुख मंच बताया, जो आगे चलकर असम और देश का नाम रोशन करेंगे। राज्यपाल आचार्य ने अपने संबोधन में असम के महान खिलाड़ियों का उल्लेख करते हुए कहा कि इस पावन धरा ने ऐसे कई असाधारण एथलीट दिये हैं, जिन्होंने अपने निरंतर संघर्ष, अथक परिश्रम और दृढ़ संकल्प के बल पर राज्य और राष्ट्र का मान बढ़ाया है। उन्होंने एथलेटिक्स दिग्गज भोगेश्वर बरुवा, हिमा दास, अमलान बरगोहाईं और मौमिता मंडल के साथ-साथ मुक्केबाज लवलीना बरगोहाईं, शिव थापा और तीरंदाज जयंत तालुकदार का उदाहरण देते हुए कहा कि इनकी उपलब्धियां युवा खिलाड़ियों को अनुशासन और समर्पण के साथ उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित करती हैं। उन्होंने खेल भावना पर जोर देते हुए कहा कि एथलेटिक्स सहनशक्ति, आत्म-अनुशासन और प्रतिबद्धता विकसित करके खेल उत्कृष्टता की नींव रखता है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से खेल भावना, निष्पक्षता और अखंडता के सर्वोच्च मानकों को बनाये रखने का आग्रह किया। उन्होंने खिलाड़ियों को याद दिलाया कि पदक भले ही सफलता के प्रतीक हैं, लेकिन दृढ़ता और अनुशासन एक जिम्मेदार नागरिक का निर्माण करते हैं। समारोह में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वजीत दैमारी, वित्त मंत्री जयंत मल्ला बरुवा, विधायक ऋतुपर्ण शर्मा, नलबाड़ी के जिला आयुक्त निबेदन दास पटवारी और पुलिस वरिष्ठ अधीक्षक बिबेकानंद दास सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति और खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

जापान ओपन में इतिहास रचने के बाद

# हारी पीवी सिंधु

**नहीं लांघ पाईं 'चीनी दीवार'**

**टोक्यो(एजेंसी)।** जापान ओपन सुपर 1000 का खिताब जीतकर इतिहास रचने वाली भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु चाइना ओपन में अपना विजयी अभियान जारी नहीं रख पाईं। दूसरे दौर में उन्हें मेजबान चीन की चेन युफेई के खिलाफ 21-16, 20-22, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा।

पीवी सिंधु दूसरे गेम में चार मैच पॉइंट भी नहीं भुना पाईं। इसके बाद युफेई ने शानदार वापसी करते हुए मैच अपने नाम कर लिया। इसके साथ ही दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु का चाइना ओपन सुपर 1000 में सफर दूसरे दौर में ही समाप्त हो गया।

**शानदार शुरुआत, पहले गेम में की दमदार वापसी-** पीवी सिंधु के लिए मुकाबले की शुरुआत आसान नहीं रही। वह पहले गेम में 6-12 से पीछे चल रही थीं। ऐसा लग रहा था कि चेन युफेई आसानी से बढ़त बना लेंगी, लेकिन कोच इरवांश्या के मार्गदर्शन के बाद पीवी सिंधु ने अपनी रणनीति बदली और लगातार क्रॉस-कोर्ट शॉट्स से चीनी खिलाड़ी को कोर्ट के एक छोर से दूसरे छोर तक दौड़ाया।

- **दूसरे गेम में 4 मैच पॉइंट भी नहीं दिला सके जीत-** दूसरे गेम में भी पीवी सिंधु पूरे समय हावी रहीं। उन्होंने शुरुआत से बढ़त बनाए रखी और एक समय स्कोर 20-16 कर लिया। यानी उनके पास मुकाबला खत्म करने के लिए चार मैच पॉइंट थे, लेकिन यहीं से मैच का रुख बदल गया। ओलंपिक चैंपियन रह चुकीं चेन युफेई ने जबरदस्त धैर्य दिखाया और लगातार छह अंक जीतकर गेम 22-20 से नाम कर लिया। इस दौरान पीवी सिंधु ने कुछ जल्दबाजी भरे फैसले किये और दो बार शटल को बाहर समझकर छोड़ दिया, लेकिन वह लाइन के अंदर गिरी।
- **निर्णायक गेम में 15-13 की बढ़त भी नहीं बचा सकीं-** निर्णायक गेम में भी पीवी सिंधु ने हार नहीं मानी। पीवी सिंधु ने 15-13 तक बढ़त बना ली थी और जीत की ओर बढ़ती दिख रही थीं। हालांकि, लगातार सातवां मैच खेल रही पीवी सिंधु पर थकान साफ दिखाई देने लगी। पीवी सिंधु के स्मैश में पहले जैसी ताकत नहीं रही और कई आक्रमण नेट में फंस गए। दूसरी ओर, घरेलू दर्शकों के समर्थन से खेल रहीं चेन युफेई ने आत्मविश्वास के साथ वापसी की और लगातार अंक जुटाते हुए तीसरा गेम 21-18 से जीत लिया।
- **सुधार की जरूरत भी आई सामने-** इस मुकाबले ने यह भी दिखाया कि पीवी सिंधु का आक्रामक खेल अब भी दुनिया की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को चुनौती देने की क्षमता रखता है। हालांकि, मैच खत्म करने के अहम मौकों पर संयम बनाए रखना उनके लिए अभी बड़ी चुनौती है। चार मैच पॉइंट हासिल करने के बाद मिली यह हार पीवी सिंधु के लिए निराशाजनक जरूर रही, लेकिन जापान ओपन के खिताब और चाइना ओपन में चेन युफेई जैसी मजबूत खिलाड़ी के खिलाफ उनके प्रदर्शन ने यह संकेत भी दिया कि वह फिर अपनी सर्वश्रेष्ठ लय की ओर लौट रही हैं।

**थकान भी बनी हार की बड़ी वजह**

पिछले सप्ताह जापान ओपन का खिताब जीतने के बाद यह पीवी सिंधु का 10 दिनों में सातवां मुकाबला था। पूरे मैच में पीवी सिंधु ने शानदार संघर्ष किया, लेकिन निर्णायक क्षणों में थकान उनके खेल पर हावी होती दिखी। लंबे रैलियों के दौरान उनकी गति और स्मैश की ताकत दोनों प्रभावित हुई। चीनी शटलर युफेई ने इसका पूरा फायदा उठाया।

**भारत ने जीता पहला टी20, वैभव नहीं मयंक बने मैच के हीरो**

# अय्यर की कप्तानी में पहली जीत

**नई दिल्ली।** भारतीय टीम ने श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पहले सात में से छह मैच हारने के बाद पहली जीत दर्ज कर ली है। जिम्बाब्वे दौरे पर टीम इंडिया ने जीत से आगाज किया है। तीन मैचों की टी20 सीरीज में इसी के साथ भारत ने 1-0 की बढ़त भी बना ली है। वैभव सूर्यवंशी ने इस मुकाबले में 18 गेंद पर अर्धशतक जड़ा और जमकर महफिल लूटी। मगर वह प्लेयर ऑफ द मैच नहीं बन पाए। वैभव सूर्यवंशी ने 19 गेंद की पारी में चार चौके और चार छक्के लगाए। मगर 21 महीने बाद भारतीय टीम में लौटे मयंक यादव ने बेहतरीन गेंदबाजी से सबका दिल जीता। उन्होंने 4 ओवर में 18 रन देकर दो विकेट लिए और उन्हें ही प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। श्रेयस अय्यर की भी बतौर कप्तान यह पहली टी20 इंटरनेशनल जीत है। यह भारतीय टीम का टी20 इंटरनेशनल में बिना जीत के लगातार सबसे ज्यादा मैच हारने का अनचाहा रिकॉर्ड भी है। साथ ही टीम इंडिया का टी20 इंटरनेशनल में 120 प्लस का लक्ष्य चेज करते हुए सबसे ज्यादा गेंद बची रहने के लिहाज से चौथा सर्वश्रेष्ठ रन चेज है। वहीं श्रेयस अय्यर ने लगातार आठ टी20 इंटरनेशनल मैचों में टॉस जीतते हुए भी खास रिकॉर्ड बनाया।

**भारत की 7 विकेट से शानदार जीत**

भारत और जिम्बाब्वे के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज का पहला मैच हरारे में खेला गया। भारत ने 13.2 ओवर में 3 विकेट खोकर ही 126 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। जिम्बाब्वे की टीम ने पहले खेलते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 125 रन बनाए थे। वेस्ली मधेवेरे 39 और मरुमानी ने 27 रन बनाकर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। भारत के लिए प्रिंस यादव और मयंक यादव को 2-2 विकेट मिले। जबकि रवि बिश्नोई और शिवम दुबे ने 1-1 विकेट अपने नाम किया। बल्लेबाजी में वैभव के 50 रन के अलावा इशान किशन ने 35 रन बनाए और कप्तान श्रेयस अय्यर 28 रन बनाकर नाबाद रहे।

**120+ लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की सबसे बड़ी जीत (बची हुई गेंद के लिहाज से)**

- 60 गेंद बाकी : बनाम न्यूजीलैंड, गुवाहाटी, 2026 (लक्ष्य : 154)
- 49 गेंद बाकी : बनाम बांग्लादेश, ग्वालियर, 2024 (लक्ष्य : 128)
- 43 गेंद बाकी : बनाम इंग्लैंड, कोलकाता, 2025 (लक्ष्य : 133)
- 40 गेंद बाकी : बनाम जिम्बाब्वे, हरारे, 2026 (लक्ष्य :126)

# रजत पाटीदार कहां हैं?

**जिम्बाब्वे के खिलाफ चुनी गई भारतीय टीम पर हनुमा विहारी ने उठाए सवाल**

**नई दिल्ली।** हनुमा विहारी ने जिम्बाब्वे दौरे पर 3 मैचों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय स्क्वाड में रजत पाटीदार को बाहर रखने के लिए टीम मैनेजमेंट और चयनकर्ताओं की आलोचना की है। विहारी का मानना है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए शानदार प्रदर्शन और खिताबज जिताने के बाद पाटीदार को टीम में जगह मिलनी चाहिए थी। विहारी ने टीम के ओवरऑल बैलेंस पर भी सवाल उठाए। विहारी ने कहा कि चयनकर्ताओं ने कुछ मुश्किल फैसले लिए खासकर रजत पाटीदार को बाहर रखकर। हालांकि, टीम में कई बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं। उन्हें लगा कि पाटीदार या संजू सैमसन जैसे दाएं हाथ के बल्लेबाजों से टीम को बेहतर बैलेंस मिलता। उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'रिंकू सिंह को वापस लाया गया, लेकिन रजत पाटीदार कहां हैं? उन्होंने आरसीबी को दो सीजन में खिताब जिताया और बल्लेबाज के तौर पर भी अच्छा प्रदर्शन किया। उन्हें भी नहीं चुना गया। ये चयनकर्ताओं के कड़े फैसले हैं।'

## मयंक यादव वापसी करते ही बने प्लेयर ऑफ द मैच

**नई दिल्ली।** भारत के तेज गेंदबाज मयंक यादव का करियर काफी मुश्किल भरा रहा है। 24 साल का यह युवा खिलाड़ी चोट की वजह से दो साल तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूर रहा। तेज रफ्तार से गेंद करने के कारण 'राजधानी एक्सप्रेस' नाम से मशहूर दिल्ली के लड़के ने जिम्बाब्वे के खिलाफ गुरुवार (23 जुलाई) को दमदार प्रदर्शन किया और प्लेयर ऑफ द मैच बना।

अक्टूबर 2024 के बाद भारत के लिए अपना पहला मैच खेलते हुए मयंक यादव ने हरारे स्पोर्ट्स क्लब में जिम्बाब्वे के खिलाफ पहली ही गेंद पर विकेट लिया। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में मंयक ने माना कि 22-23 साल की उम्र में बार-बार चोटिल होना मानसिक रूप से काफी चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने काफी तेज रफ्तार से गेंदबाजी की। उन्होंने कहा कि देश का प्रतिनिधित्व करने के सपने के कारण मुश्किल रिहैबिलिटेशन पीरियड के दौरान उनका हौसला नहीं टूटा।

## CJP प्रदर्शन और छात्रों के मुद्दे पर सचिन तेंदुलकर का बयान, शुभमन गिल ने भी कही यह बात

**नई दिल्ली।** भारत की राजधानी दिल्ली में इस वक्त कॉकरोच जनता पार्टी और छात्रों द्वारा नीट पेपर लीक को लेकर प्रदर्शन किया जा रहा है। इस मामले ने 20 जुलाई 2026 को तूल पकड़ा जब पुलिस और आंदोलनकारियों के बीच हिंसक झड़प हुई। अब इस मामले पर बॉलीवुड से खेल जगत तक अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। इसी कड़ी में क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर और भारत के वनडे व टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने भी प्रतिक्रिया दी है।

सचिन तेंदुलकर ने छात्रों का समर्थन करते हुए एक्स पर पोस्ट किया और यह भी याद दिलाया कि उनके पिता भी एक प्रोफेसर थे। साथ ही उन्होंने कहा कि देश के भविष्य को आगे बढ़ाने के लिए युवाओं का अहम योगदान होने वाला है। इसलिए सभी को मिलकर इसका हल निकालना चाहिए। किसी भी परीक्षा में फेल हो जाएं लेकिन नकल करना सही नहीं है।

# 'मेरे पिता भी प्रोफेसर थे...'

**सचिन तेंदुलकर का पूरा बयान?**

सचिन तेंदुलकर ने एक्स पर एक नोट पोस्ट करते हुए लिखा, 'मेरे पिता भी एक प्रोफेसर थे। वे कई युवा छात्रों के मार्गदर्शक और गुरु थे। एक सबक जो उन्होंने मुझे शुरुआत में ही सिखाया था, असफल होना ठीक है, लेकिन नकल (चीटिंग) करना नहीं। कभी भी शॉर्टकट मत अपनाओ। समाज के एक बड़े और जिम्मेदार होने के नाते, कल्चर को आगे बढ़ाना हमारी जिम्मेदारी है। जो समाज प्रयास से ज्यादा परिणामों को प्राथमिकता देता है, वह योग्यता (मेरिटोक्रेसी) की जगह शॉर्टकट को तलाशने लगता है।' मास्टर ब्लास्टर ने आगे लिखा, 'आज, जब छात्र इस बात से निराश महसूस करते हैं कि उनकी कड़ी मेहनत का फल उन्हें नहीं मिला है, तो यह स्वाभाविक है। सामूहिक रूप से, हम सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करने के लिए काम करना चाहिए कि वे दोबारा कभी ऐसा महसूस न करें। युवा भारत सपनों और ऊर्जा से भरा हुआ है। वे (छात्र और युवा) हमारी सफलता का ईंधन हैं। अंत में सचिन ने पोस्ट में लिखा, 'एक समाज के रूप में, हम सभी, माता-पिता, शिक्षक, मित्र, रिश्तेदार, स्कूल और प्रशासक, की यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी है कि हम यह सुनिश्चित करें कि हमारे युवा प्रोत्साहित और ऊर्जावान रहें। 'हमें एक ऐसी संस्कृति का निर्माण करना चाहिए जहाँ कड़ी मेहनत का सम्मान हो, ईमानदारी को बढ़ावा मिले और योग्यता की जीत हो। मुझे पूरा विश्वास है कि हम सब मिलकर ऐसे समाधान ढूंढ लेंगे जो हमारे बच्चों के भविष्य को मजबूत करेंगे और उनकी महत्वाकांक्षाओं की रक्षा करेंगे।'

## स्कोडा ने स्लाविया मोंटे कार्लो के कलर पैलेट का किया विस्तार

**गुवाहाटी, 24 जुलाई।** स्कोडा ऑटो इंडिया ने अपनी स्लाविया रेंज का विस्तार करते हुए स्लाविया मोंटे कार्लो के लिए दो नये विशेष रंग विकल्प शिमला ग्रीन और स्टील ग्रे पेश किए हैं। ये दोनों रंग आकर्षक ड्यूल-टोन फिनिश में उपलब्ध हैं। केवल 200 यूनिट तक सीमित, स्लाविया मोंटे कार्लो के ये विशेष रंग संस्करण सेडान के गतिशील डिजाइन, रोमांचक ड्राइविंग अनुभव और ब्रांड की रैली मोंटे कार्लो विरासत का शानदार संयोजन प्रस्तुत करते हैं। यह नया विस्तार कार को और भी प्रभावशाली दृश्य पहचान प्रदान करता है तथा उन ग्राहकों को ध्यान में रखकर पेश किया गया है, जो अधिक विशिष्ट और प्रीमियम स्वामित्व अनुभव की तलाश में हैं। इस लांच पर टिप्पणी करते हुए स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड डायरेक्टर आशीष गुप्ता ने कहा कि स्लाविया मोंटे कार्लो को उसके विशिष्ट डिज़ाइन, प्रीमियम आकर्षण, रोमांचक ड्राइविंग डायनेमिक्स और हमारी मोटरस्पोर्ट विरासत से मजबूत जुड़ाव के लिए ग्राहकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली है। हम मोंटे कार्लो रेंज की विशिष्ट पहचान और आकर्षण को और अधिक सशक्त बना रहे हैं, जिससे ग्राहकों को अधिक विकल्प और विशिष्टता मिल सके। स्लाविया मोंटे कार्लो लगातार स्टाइल, प्रदर्शन और आधुनिकता का बेहतरीन संगम प्रस्तुत करती है। हम अपने ग्राहकों की बदलती आकांक्षाओं के अनुरूप अपने सेडान पोर्टफोलियो को और मजबूत बनाना जारी रखेंगे। सीमित संस्करण मोंटे कार्लो नये विशेष रंग विकल्पों के अलावा, स्लाविया मोंटे कार्लो अपनी ब्लैक्ड-आउट एक्सटीरियर डिजाइन, विशिष्ट मोंटे कार्लो स्टाइलिंग तत्वों, प्रीमियम ब्लैक और रेड इंटीरियर थीम तथा फीचर-समृद्ध केबिन के साथ अपनी अलग पहचान बनाये रखती है। नये शिमला ग्रीन और स्टील ग्रे ड्यूल-टोन फिनिश स्लाविया रेंज के सबसे आकर्षक वेरिएंट्स में से एक की तलाश कर रहे ग्राहकों को और अधिक विकल्प प्रदान करते हैं।

## पूर्वोत्तर के युवाओं के लिए अप्रेंटिसशिप के अवसर को दिया जा रहा है बढ़ावा

**गुवाहाटी, 24 जुलाई।** पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) में गुणवत्तापूर्ण अप्रेंटिसशिप के अवसरों को बढ़ाने और युवाओं की रोजगार क्षमता को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए प्रधानमंत्री नेशनल अप्रेंटिसशिप प्रमोशन स्कीम (पीएम-नैप्स) के तहत पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) में अप्रेंटिसशिप को बढ़ावा देने के लिए विशेष पहल के विस्तार की शुरूआत की है, जिसे इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप (आईआईई) गुवाहाटी द्वारा लागू किया जाएगा। मई 2025 में शुरू की गयी पायलट पहल की सफलता को आगे बढ़ाते हुए, इस विस्तारित पहल का उद्देश्य सभी आठ पूर्वोत्तर राज्यों में अप्रेंटिसशिप की पहुंच को बढ़ाना, इंडस्ट्री और सरकारी संस्थानों की भागीदारी को बेहतर बनाना और स्किल इंडिया मिशन के तहत इस क्षेत्र के युवाओं के लिए स्थायी रोजगार के लिए पाथवे का निर्माण करना है। मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए इस पहल का दायरा बढ़ाया है और 30,000 अप्रेंटिस का नया लक्ष्य तय किया है, जो पायलट चरण की तुलना में लगभग 15 प्रतिशत ज्यादा है। इनमें से, 15,000 अप्रेंटिस को पूर्वोत्तर क्षेत्र के बाहर, जिसमें सरकारी विभाग और पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग्स (पीएसयू) शामिल हैं, जिसमें अवसरों के लिए मदद दी जाएगी, जबकि अन्य 15,000 अप्रेंटिस को इसी क्षेत्र में यानी उनके अपने राज्यों में काम पर रखा जाएगा। सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान, इस पहल के लिए 57.58 करोड़ रुपये की राशि तय की है। यह राशि पीएम-नैप्स के पूर्वोत्तर क्षेत्र के मुख्य कंपोनेंट से उपलब्ध कराई जाएगी। केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र भारत की सबसे बड़ी ताकतों में से एक है। यहाँ के युवा, टैलेंटेड और महत्वाकांक्षी आबादी देश की विकास यात्रा में योगदान देने के लिए तैयार है। इस पायलट पहल की शानदार सफलता यह दिखाती है कि सही अवसरों और सहयोग से, हमारे युवा अपनी पूरी क्षमता का इस्तेमाल कर सकते हैं। पीएम-नैप्स के तहत इस पहल को आगे बढ़ाकर, हम गुणवत्तापूर्ण अप्रेंटिसशिप अवसरों तक पहुंच बढ़ा रहे हैं, लोकल इकोसिस्टम को मजबूत कर रहे हैं, इंडस्ट्री में भागीदारी को बढ़ावा दे रहे हैं और इस क्षेत्र के युवाओं को पूर्वोत्तर क्षेत्र और पूरे देश में काम की जगह पर कीमती अनुभव हासिल करने में सक्षम बना रहे हैं।

# महंगे तेल ने बिगाड़ा खेल! दो दिन में 4,400 फिसला सोना, चांदी 9,600 सस्ती

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सोने और चांदी की कीमतों में लगातार दूसरे दिन गिरावट आई है। इसकी वजह यह है कि पश्चिम एशिया में संकट गहराने के कार ब्रेंट क्रूड की कीमत एक बार फिर .100 प्रति बैरल के पार चली गई है। इससे महंगाई की चिंता बढ़ गई है और निवेशकों को आशंका है कि ब्याज दरें लंबे समय तक ऊंचे स्तर पर बनी रह सकती हैं। इसका असर सोने और चांदी की कीमत पर देखने को मिल रहा है।

एमसीएक्स पर सितंबर 2026 डिलीवरी वाली चांदी पिछले सत्र में 219375 रुपये प्रति किलो के भाव पर बंद हुई थी। आज यह 218280 रुपये पर खुली और शुरुआती कारोबार में 2,050 रुपये की गिरावट के साथ 2,17,325 रुपये तक फिसली। इसी तरह अगस्त 2026 डिलीवरी के लिए गोल्ड फ्यूचर्स भी 1079 गिरकर 1,41,742 तक फिसला। पिछले दो सत्र में सोने की कीमत में 4,400 रुपये और चांदी की कीमत में 9,600 रुपये की गिरावट आई है।

### सोने और चांदी की इंटरनेशनल कीमतें

इस बीच स्पॉट गोल्ड 0.1 प्रतिशत गिरकर 4,042.77 प्रति औंस पर आ गया। इससे पहले बुधवार को यह दो हफ्ते के हाई पर पहुंच गया था। लेकिन उसके बाद इसमें .120 से ज्यादा गिरावट आई है। अगस्त डिलीवरी के लिए यूएस गोल्ड फ्यूचर्स भी 0.1 प्रतिशत गिरकर 4,045.60 पर आ गया। हालांकि यह अब भी 0.6 प्रतिशत की मामूली साप्ताहिक बढ़त की राह पर है। इसी तरह स्पॉट सिल्वर 0.2 प्रतिशत गिरकर 57.56 प्रति औंस पर आ गई। रेजिस्टेंस 1,43,500-1,44,400 रुपये है। इसी तरह चांदी के लिए सपोर्ट 2,16,000-2,14,000 रुपये और रेजिस्टेंस 2,22,000-2,24,400 रुपये है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक लॉन्ग-टर्म इन्वेस्टर्स बाजार में गिरावट के दौरान सोना और चांदी खरीद सकते हैं लेकिन ट्रेडर्स को अगले हफ्ते होने वाली खहस्स्ट मीटिंग से पहले लॉन्ग पोजीशन लेने से बचना चाहिए।

## राधाकिशन दमानी ने खरीदे सुंदरम फाइनेंस के शेयर, 2 बार बोनस शेयर बांट चुकी है कंपनी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** शेयर बाजार के दिग्गज निवेशक राधाकिशन दमानी और उनकी फैमिली ने नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनी सुंदरम फाइनेंस के शेयर खरीदे हैं। दमानी और उनकी फैमिली ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में सुंदरम फाइनेंस में 2.37 पर्सेंट हिस्सेदारी खरीदी है। राधाकिशन दमानी ने वित्त वर्ष 2026 की सितंबर तिमाही में कंपनी में इतनी ही हिस्सेदारी बेची थी। सुंदरम फाइनेंस के शेयर गुरुवार को 4413.70 रुपये पर बंद हुए हैं। रिटेल चेन डीमार्ट के फाउंडर राधाकिशन दमानी और उनकी फैमिली की इनवेस्टमेंट कंपनी ब्राइट स्टार इनवेस्टमेंट्स के पास चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के आखिर में सुंदरम फाइनेंस के 26.3 लाख शेयर थे। यह बात कंपनी के शेयरहोल्डिंग पैटर्न डेटा से सामने आई है। ब्राइट स्टार इनवेस्टमेंट्स का नाम वित्त वर्ष 2026 की मार्च या दिसंबर तिमाही में सुंदरम फाइनेंस के शेयरहोल्डिंग पैटर्न फाइलिंग्स में नहीं था। इसका मतलब है या तो ब्राइट स्टार इनवेस्टमेंट्स की कंपनी में कोई हिस्सेदारी नहीं थी या यह 1 पर्सेंट से कम थी। सितंबर 2025 तिमाही में राधाकिशन दमानी की इनवेस्टमेंट फर्म के पास सुंदरम फाइनेंस के 26.3 लाख शेयर या कंपनी में 2.37 पर्सेंट हिस्सेदारी थी। दिग्गज निवेशक राधाकिशन दमानी रिटेल चेन डीमार्ट के फाउंडर हैं। फोर्ब्स के डेटा के मुताबिक, उनकी नेटवर्थ करीब 16 बिलियन डॉलर है। दमानी की दौलत में उनके रिटेल बिजनेस का बड़ा योगदान है। डीमार्ट की पैरेंट कंपनी एवेन्यू सुपरमार्ट में उनकी सबसे बड़ी हिस्सेदारी है। इसके अलावा, दमानी की वीएसटी इंडस्ट्रीज, युनाइटेड ब्रुवरीज और ब्लूडार्ट समेत कई कंपनियों में हिस्सेदारी है।

# होर्मुज के बाद अब 'रेड सी' में बवाल 100 डॉलर के पार पहुंचा कच्चा तेल

**नई दिल्ली, एजेंसी।** होर्मुज स्ट्रेट के बाद अब लाल सागर में बवाल पैदा हो गया है। इससे कच्चे तेल की कीमतों में जबरदस्त उछाल आया है। ऐसे में दुनिया में फिर से तेल संकट के बादल मंडराते दिखाई दे रहे हैं। इसका असर भारत पर भी दिखाई दे सकता है।

दरअसल, लाल सागर में यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा दो सऊदी तेल टैंकरों पर किए गए हमलों के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भीषण आग लग गई है। गुरुवार को लेट ट्रेडिंग के दौरान ब्रेंट क्रूड 6 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ 100 डॉलर प्रति बैरल के आंकड़े को पार कर गया, जो पिछले आठ हफ्तों में इसका उच्चतम स्तर है। वहीं अमेरिकी क्रूड भी लगातार दूसरे सत्र में 5 प्रतिशत से ज्यादा चढ़कर लगभग 92 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया, जो 11 जून के बाद का सबसे ऊपरी स्तर है।

अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का 85 प्रतिशत से अधिक हिस्सा आयात करने वाले भारत के लिए यह स्थिति बेहद चिंताजनक है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से भारतीय तेल विपणन कंपनियों पर लागत का दबाव बढ़ेगा। अगर क्रूड 100 डॉलर के ऊपर बना रहता है, तो देश में पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ाने का दबाव बनेगा। इसका सीधा असर माल ढुलाई पर पड़ेगा, जिससे सब्जी, राशन और अन्य दैनिक उपभोग की वस्तुएं महंगी हो सकती हैं। कच्चे तेल के महंगे होने से भारत का विदेशी मुद्रा खर्च तेजी से बढ़ेगा, जिससे चालू खाता घाटा और व्यापार घाटा बढ़ने की आशंका है। तेल आयात के लिए भारत को अधिक अमेरिकी डॉलर का भुगतान करना पड़ेगा। डॉलर की मांग बढ़ने से भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले कमजोर हो सकता है।

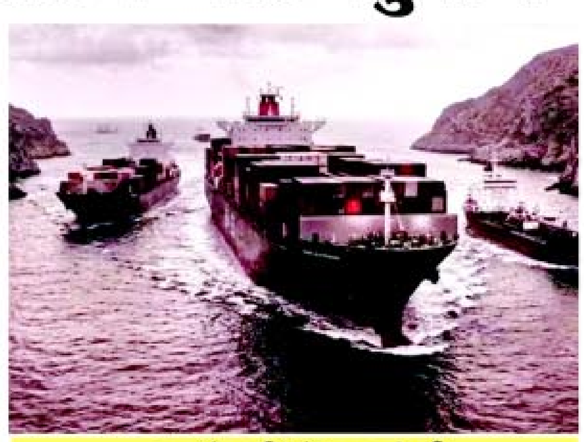

**अब 'रेड सी' में नया मोर्चा**

ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने लाल सागर (रेड सी) में सऊदी अरब के दो तेल टैंकरों पर हमलों का दावा किया है। इससे पहले हूतियों ने सऊदी साम्राज्य पर नौसैनिक नाकाबंदी की घोषणा की थी। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से जहाजों पर ज्यादातर हमले स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के आसपास केंद्रित थे। हालांकि, नए हमलों से साफ है कि अब खतरा लाल सागर तक फैल गया है, जो वैश्विक तेल बाजार के लिए एक और बड़ा सिरदर्द बन गया है।

### लाल सागर का रास्ता कितना अहम

लाल सागर यानी रेड सी का रास्ता बेहद अहम है क्योंकि बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य से होकर प्रतिदिन लाखों बैरल कच्चा तेल वैश्विक बाजारों तक पहुंचता है। इसके अलावा, दुनिया का 12 से 15 फीसदी समुद्री व्यापार (1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक मूल्य) इसी जलमार्ग से गुजरता है।

### 1 महीने में 35 प्रतिशत से ज्यादा महंगा हुआ क्रूड

होर्मुज की खाड़ी से जहाजों की आवाजाही पहले ही नाममात्र रह गई है, जिससे लाल सागर का रास्ता बैकअप के तौर पर इस्तेमाल हो रहा था। अब इस रूट पर भी संकट मंडराने से कच्चे तेल की कीमतें तेजी से उछली हैं। पिछले एक महीने में कच्चे तेल की कीमतों में

## तमिलनाडु को केंद्र से कम मिला पैसा फिर भी भर गया सरकारी खजाना

**नई दिल्ली, एजेंसी।** तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय उर्फ थलपति विजय को वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल से जून 2026) में अच्छी खबर मिली है। पहली तिमाही में तमिलनाडु सरकार की कुल कमाई (राजस्व) में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (कैग) के शुरुआती आंकड़ों के

मुताबिक, यह बढ़त राज्य के अपने बेहतर टैक्स कलेक्शन की वजह से हुई है, जिसने केंद्र सरकार से मिले कम फंड की भरपाई कर दी। जून 2026 के बीच कुल 64,944.97 करोड़ रुपये की कमाई हुई। वहीं, पिछले साल इसी दौरान राज्य को 63,755.70 करोड़ रुपये मिले थे। यानी इस साल तमिलनाडु की कमाई में 1,189.27 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है। बढ़ते कर्ज से जूझ रही थलपति विजय सरकार के लिए यह राहत भरी खबर है। तमिलनाडु की कुल कमाई का सबसे बड़ा हिस्सा उसके अपने टैक्स कलेक्शन से आया। पिछले साल यह रकम 56,366.76 करोड़ रुपये थी। कमाई के मुख्य स्रोत में स्टेट जीएसटी, स्टाम्प ड्यूटी और रजिस्ट्रेशन फीस, पेट्रोल-डीजल पर लगने वाला सेल्स टैक्स, शराब पर एक्साइज ड्यूटी और गाड़ियों पर मोटर व्हीकल टैक्स आदि रहा।

### केंद्र से मिलने वाला फंड घटा

राज्य ने टैक्स कलेक्शन में तो बढ़िया प्रदर्शन किया, लेकिन केंद्र सरकार से मिलने वाले अनुदान में भारी कमी दर्ज की गई। अप्रैल-जून 2026 के दौरान तमिलनाडु को केंद्र से सिर्फ 1,710 करोड़ रुपये का अनुदान मिला। पिछले साल इसी अवधि में यह राशि 4,493.23 करोड़ रुपये थी। केंद्र से मिलने वाली सहायता में 2,783 करोड़ रुपये से ज्यादा की गिरावट आई। इससे राज्य को टैक्स से हुए ज्यादा फायदे का असर थोड़ा कम हो गया। कैग की रिपोर्ट से साफ है कि तमिलनाडु अब अपने खर्चों और सरकारी खजाने को चलाने के लिए केंद्र के फंड पर निर्भर रहने के बजाय खुद के टैक्स कलेक्शन और कमाई के स्रोतों पर ज्यादा मजबूत हो रहा है। बेहतर टैक्स कलेक्शन से राज्य की वित्तीय स्थिति मजबूत हुई है, लेकिन केंद्र से मिलने वाले अनुदान में कमी इस तिमाही की सबसे बड़ी चुनौती रही।

# हूती हमले से क्रूड ऑयल में खलबली...100 डॉलर के पार, भारत की बढ़ सकती है टेंशन

**नईदिल्ली, एजेंसी।** ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के हमले से क्रूड ऑयल यानी कच्चे तेल की कीमतों में खलबली मच गई है। एक बार फिर से कच्चे तेल की कीमतें बेकाबू होने लगी हैं। गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमत 6 प्रतिशत से अधिक उछलकर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई, जो पिछले आठ सप्ताह का सबसे ऊंचा स्तर है।

वहीं, अमेरिकी क्रूड में भी लगातार दूसरे दिन तेजी रही। इस दौरान यह 5 प्रतिशत से ज्यादा बढ़कर 92 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया। यह 11 जून के बाद सबसे ज्यादा है। कच्चे तेल की कीमतों में आई इस तेजी का असर भारत पर भी पड़ने की आशंका है। बता दें कि भारत बड़े पैमाने पर कच्चे तेल का आयात करता है। अगर हालात में सुधार नहीं हुआ तो कच्चे तेल के आयात का बिल बढ़ेगा और इससे महंगाई भी बढ़ने की आशंका रहेगी।

ताजा दावों से पता चलता है कि यह खतरा अब लाल सागर तक फैल सकता है,

जिससे तेल बाजार के लिए एक और चिंता का विषय बन गया है। लाल सागर का रास्ता इसलिए अहम है क्योंकि दुनिया भर के बाजारों में जाने वाला लाखों बैरल तेल बाब-अल-मंडेब जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है। इस जलमार्ग से दुनिया का लगभग 12-15 प्रतिशत समुद्री व्यापार भी होता है, जिसकी कीमत सालाना .1 ट्रिलियन से अधिक है। होर्मुज जलडमरूमध्य से बाधा के बीच इसे एक वैकल्पिक रास्ते के तौर पर भी इस्तेमाल किया गया है।

### अचानक तेजी की वजह

दरअसल, ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने रेड शी यानी लाल सागर में सऊदी अरब के दो तेल टैंकरों पर हमले का दावा किया। इस ग्रुप ने पहले ही सऊदी अरब की नाकेबंदी का ऐलान किया था। ऐसे में अब कहा जा सकता है कि संघर्ष का दायरा बढ़ रहा है। बता दें कि ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से जहाजों पर हमले ज्यादातर होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास ही हो रहे थे।

## सफलता की चाबी दूसरों से हमेशा एक कदम आगे रहने में है, सच्चा लीडर चुनौतियों को अवसरों में बदल देता है'

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत के दिग्गज उद्योगपति और महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा अपनी कारोबारी सफलता के साथ-साथ अपने दूरदर्शी विचारों के लिए भी जाने जाते हैं। लगभग 2.1 अरब डॉलर की संपत्ति वाले आनंद महिंद्रा 22 प्रमुख उद्योगों में फैले कारोबारी साम्राज्य का नेतृत्व करते हैं।

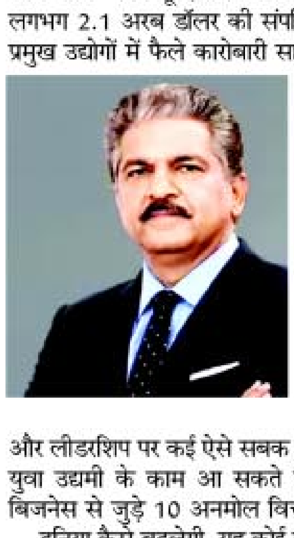

व्यापार जगत में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए साल 2020 में उन्हें देश के तीसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'पद्म भूषण' से नवाजा गया था। सोशल मीडिया पर अक्सर प्रेरणादायक कहानियां और टैलेंट की तारीफ करने वाले महिंद्रा ने सफलता, इनोवेशन और लीडरशिप पर कई ऐसे सबक दिए हैं, जो हर व्यक्ति और युवा उद्यमी के काम आ सकते हैं। यहां आनंद महिंद्रा के बिजनेस से जुड़े 10 अनमोल विचार दिए गए हैं।

दुनिया कैसे बदलेगी, यह कोई नहीं समझ सकता। भविष्य की योजना बनाने का एकमात्र तरीका अलग-अलग परिस्थितियों की कल्पना करना है और फिर उनमें से किसी एक पर भरोसा करते हुए आगे बढ़ने का साहस दिखाना है।

कभी-कभी इनोवेशन तभी संभव हो पाता है जब आपके पास एकांत होता है और जब आप दैनिक भागदौड़ से थोड़ा अलग हटकर सोचते हैं।

बेंचमार्किंग किसी भी उस कंपनी के लिए एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, जो बाजार में शीर्ष पर पहुंचने की आकांक्षा रखती है।

चाहे आप सर्विसेज सेक्टर में हों या मैन्युफैक्चरिंग में, सफलता की चाबी दूसरों से हमेशा एक कदम आगे रहने में है। मेरा मानना है कि हमें किसी के द्वारा पीछे छोड़े जाने का इंतजार नहीं करना चाहिए, बल्कि खुद ही बदलाव की शुरुआत करनी चाहिए।

इनोवेशन ही सफलता की असली कुंजी है। अगर आप खुद अपना भविष्य नहीं बनाएंगे, तो कोई और आपके लिए भविष्य बना देगा। एक सच्चा लीडर सिर्फ समस्याओं का समाधान नहीं निकालता, बल्कि वह चुनौतियों को अवसरों में बदल देता है। सफलता केवल पैसे कमाने से तय नहीं होती। इसका असली मतलब लोगों की जिंदगी में सकारात्मक बदलाव लाना है।

किसी भी कारोबार की सबसे बड़ी संपत्ति वहां काम करने वाले लोग होते हैं। आप उन पर निवेश कीजिए। वे आपको बेहतरीन परिणाम लाकर देंगे।

लीडरशिप का मतलब दूसरों पर नियंत्रण रखना नहीं, बल्कि दूसरों को अपना नियंत्रण खुद संभालने के लिए सशक्त बनाना है। जब आप सही लक्ष्य और आकांक्षाएं तय करते हैं, और पूरी कुशलता व लगन से काम करते हैं, तो नतीजे अपने आप हासिल हो जाते हैं।

## 9000 की नौकरी छोड़ बेसमेंट से शुरू किया काम

**8 करोड़ का साम्राज्य, जेएसडब्ल्यू और एचसीएल जैसी कंपनियां भी ग्राहक**

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अगर आपके पास हौसला और सही सोच है, तो छोटे से कदम से भी बड़ी शुरुआत हो सकती है। कोयंबटूर के रहने वाले 34 साल के शशि धरन की कहानी इसका बेहतरीन उदाहरण है। साल 2020 में अपने घर के 1000 स्क्वायर फीट के छोटे से बेसमेंट से शुरुआत करने वाले शशि की कंपनी कोवई कियोस्क आज 8 करोड़ रुपये का टर्नओवर बना चुकी है। यह कंपनी खाने-पीने के छोटे स्टॉल (कियोस्क), बड़े कमर्शियल ढांचे, किचन के सामान और आधुनिक 'कैप्सूल हाउस' बनाती है। शशि धरन ने मेकैनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है। 'द वीकेंड लीडर' के मुताबिक उन्होंने अपने करियर की शुरुआत महज 9000 रुपये की नौकरी से की थी। धीरे-धीरे अनुभव हासिल करते हुए उनकी सैलरी 60,000 रुपये तक पहुंच गई, लेकिन वे खुद का बिजनेस शुरू करना चाहते थे। शशि ने 2 लाख रुपये अपनी बचत से लगाए और 4 लाख रुपये सरकार की योजना से लोन लिया। शुरुआत के

डेढ़ साल तक शशि की पत्नी धनु जो खुद एक दूसरी कंपनी में काम करती थीं, अपनी सैलरी से कंपनी का खर्च और कर्मचारियों की सैलरी संभालती रहीं। कोवई कियोस्क अब पोर्टेबल कैप्सूल हाउस भी बना रही है। ये ऐसे घर होते हैं जिन्हें आसानी से एक जगह से उठाकर दूसरी जगह ले जाया जा सकता है। रिसॉर्ट और गार्डेन के लिए यह एक नया ट्रेंड बन रहा है।

**कई बड़ी कंपनियां क्लाइंट:** आज कंपनी की कमाई में 60 प्रतिशत हिस्सा कियोस्क से, 20 प्रतिशत किचन के सामान से और 20 प्रतिशत कैप्सूल हाउस से आता है। स्टील और एचसीएल जैसी बड़ी कंपनियां भी इनकी क्लाइंट हैं। शशि धरन का मानना है कि बिजनेस में रातों-रात सफलता नहीं मिलती। वे नए उद्यमियों को सलाह देते हैं कि हर नए बिजनेसमैन को शुरुआत के 5-6 सालों तक कड़ी मेहनत और संघर्ष के लिए तैयार रहना चाहिए।

### एक छोटे ऑर्डर ने बदल दी पूरी किस्मत

शुरुआत में शशि सिर्फ रेस्टोरेंट और होटलों के लिए किचन इक्विपमेंट बनाते थे। लेकिन 2022 में एक कस्टमर ने उनसे 1.8 लाख रुपये का फिश फ्राई स्टॉल (कियोस्क) बनाने को कहा। यह प्रोडक्ट लोगों को इतना पसंद आया कि उन्हें ऐसे कई ऑर्डर मिलने लगे। हाल ही में उनकी कंपनी ने 60 लाख रुपये का एक बहुत बड़ा कियोस्क प्रोजेक्ट पूरा किया है।

### 2 से 100 कर्मचारियों का सफर

जिस कंपनी में शुरुआत में सिर्फ 2 लोग काम करते थे, आज वहां 100 लोग काम कर रहे हैं। घर के बेसमेंट से शुरू हुआ काम आज 80,000 स्क्वायर फीट की बड़ी फैक्ट्री में बदल चुका है।

# भोजपुरी स्टार खेसारी लाल यादव पर भड़कीं मलाइका

मलाइका अरोड़ा हाल ही में भोजपुरी स्टार खेसारी लाल यादव पर भड़क गई हैं। इतना ही नहीं एक्ट्रेस उन्हें पहचान भी नहीं सकीं और उनके अस्तित्व पर सवाल खड़े कर दिए। दरअसल, हाल ही में खेसारी लाल यादव एक इवेंट का हिस्सा बने थे। जैसे ही वो पोज देने के लिए कैमरामैन के सामने पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि जिस जगह बैकग्राउंड बैनर लगा है, ठीक उसी जगह एक आवारा कुत्ता बैठा है।

खेसारी लाल यादव ने खुद तो कुत्ते को छुआ तक नहीं, लेकिन वहां मौजूद टीम ने उस कुत्ते को बेरहमी से घसीटते हुए वहां से अलग कर दिया।

खेसारी लाल यादव शांत खड़े देखते रहे और कुत्ते को हटाए जाने के बाद उन्होंने वहां पोज दिए। इवेंट का वीडियो सामने आने के बाद मलाइका भड़क गईं। मलाइका ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट से खेसारी लाल यादव का वो वीडियो शेयर कर भड़कते हुए लिखा है, ये लोग हैं कौन और ये आदमी कौन है, जो खड़ा होकर पोज दे रहा है। वाहियात।

इतना ही नहीं। ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से वीडियो री-शेयर करने के अलावा मलाइका अरोड़ा ने शेयर किए गए वीडियो पर भी दो कमेंट किए। पहले कमेंट में मलाइका ने लिखा, वाहियात। और दूसरे कमेंट में उन्होंने लिखा, ये बेवकूफ कौन है, क्या इसके लिए पोज देना इतना जरूरी था।

मलाइका का कमेंट सामने आने के बाद कई लोग खेसारी लाल यादव की पैरवी करते हुए उनकी पहचान बता रहे हैं। वहीं कुछ ट्रोलर्स ऐसे भी हैं, जो मलाइका को ही ट्रोल कर रहे हैं। उनकी पहली भोजपुरी फिल्म *साजन चले ससुराल* (2011) सुपरहिट रही, जिसने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया।

## देखो हंस न देना.....

*मरीज :* डॉक्टर साहब पर्चे में ये पहली दवा कौन-सी है?
*डॉक्टर :* ये दवा नहीं है, मैं तो पेन चलाकर देख रहा था कि चल रहा है या नहीं।

*मरीज :* मुझे अपनी आंखों के सामने धब्बे से दिखाई देते हैं।
*डॉक्टर :* क्या नये चश्मे से कोई फायदा नहीं हुआ?
*मरीज :* हां हुआ है न, अब वो धब्बे ज्यादा साफ दिखाई देते हैं।

*कैशियर :* सारे नोट नकली हैं।
*संजू :* तुम्हें क्या फर्क पड़ता है जमा तो मेरे अकाउंट में ही होने हैं ना।

## आपकी थाली बढ़ा रही है ग्लोबल वार्मिंग

क्या आपने कभी सोचा है कि हम रोज जो खाना खा रहे हैं, उसका भी जलवायु परिवर्तन पर असर पड़ रहा है? अगर नहीं तो हाल ही की स्टडी इस बारे में खुलासा कर रही है। इसमें भी उन देशों का योगदान सबसे ज्यादा है जिनका रहन-सहन और आय का स्तर हाई है।

बता दें कि हाल में *फूड जर्नल* में प्रकाशित हुई एक स्टडी के मुताबिक, जहां एक तरफ ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में किशोरों और युवाओं का सबसे बड़ा हाथ बताया जाता था तो अब इसमें बुजुर्ग भी शामिल हो गए हैं।

यह स्टडी बताती है कि दुनिया भर में खाने-पीने से जुड़े ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में किशोरों और युवाओं का सबसे बड़ा हाथ है, लेकिन अब ज्यादा उम्र के लोग भी ग्लोबल डाइटरी ग्रीनहाउस गैस (सीएचजी) उत्सर्जन में तेजी से योगदान करने लगे हैं। ऐसा खासकर ज्यादा आय वाले देशों में देखा जा रहा है।

इसमें ज्यादा आय वाले देशों के साथ ज्यादा जनसंख्या वाले देशों का नाम भी शामिल है। स्टडी में बताया गया है कि दुनिया के दो सबसे अधिक आबादी वाले देशों, भारत और चीन में खाने-पीने से होने वाले उत्सर्जन में बढ़ोतरी की मुख्य वजह क्रमशः डेयरी उत्पादों और मांस का सेवन था। इससे पता चलता है कि भारत में, प्रति व्यक्ति उत्सर्जन में बढ़ोतरी डेयरी उत्पादों की वजह से हुई।

2019 में सभी उम्र के लोगों में खाने-पीने से होने वाले कुल उत्सर्जन में बढ़ोतरी का 90 प्रतिशत से अधिक और कुल उत्सर्जन का लगभग आधा हिस्सा इन्हीं उत्पादों का था। चीन में, 2019 में किशोरों और युवाओं, दोनों के लिए प्रति व्यक्ति खाने-पीने से होने वाले कुल उत्सर्जन में मांस से जुड़े उत्सर्जन का हिस्सा 40 प्रतिशत से अधिक था।

अब सवाल यह है कि आखिर हमारा खानपान कैसे ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन से जुड़ा हुआ है तो बता दें कि ग्लोबल डाइटरी ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का संबंध हमारे खान-पान और भोजन उत्पादन से वायुमंडल में फैलने वाली मीथेन, कार्बन डाइआक्साइड और नाइट्रस आक्साइड जैसी गैसों से है। ब्रिटेन की बर्मिंघम यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने पालिसी बनाने वालों से कहा है कि वे फूड सिस्टम और सस्टेनेबिलिटी पर इसके असर पर ध्यान दें।

## दीपिका चिखलिया ने साई पल्लवी के लुक पर उठाए सवाल

रामायण का ट्रेलर पोस्टपोन हो चुका है। ये ट्रेलर पहले 24 जुलाई यानी आज रिलीज किया जाना था, लेकिन आखिरी वक्त में इसे टाल दिया गया है। इस फैसले से फैंस काफी नाराज दिखे। वहीं दूसरी तरफ रामानंद सागर के टीवी शो रामायण में माता सीता का किरदार निभाने वालीं दीपिका चिखलिया ने फिल्म में तथ्यों को गलत तरह दिखाने पर सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि फिल्म *रामायण*, टीवी शो *रामायण* को टक्कर नहीं दे पाएगी।

रामानंद सागर के टीवी शो *रामायण* में माता सीता बनीं दीपिका चिखलिया ने फिल्म *रामायण* में सीता बनीं साई पल्लवी के घुंघराले बाल दिखाए जाने पर सवाल उठाए।

इंटरव्यू में दीपिका ने साई पल्लवी पर कहा, तुलसीदास की *रामायण* में सीता का वर्णन बादाम जैसी आंखों वाली, एक निश्चित कद-काठी, लंबे बालों और गौर वर्ण वाली स्त्री के रूप में किया गया है। यही बात रामानंद सागर भी तलाश रहे थे और उन्हें वह रूप मुझमें दिखाई दिया।

मेरी पहचान आज भी सीता के रूप में है। कई बार लोग मेरा नाम भूल जाते हैं, लेकिन उन्हें याद रहता है कि मैंने सीता का किरदार निभाया था। यही मेरी पहचान है। मुझे लगता है कि हमारी रामायण का प्रभाव फिल्म *रामायण* पर बहुत गहरा रहेगा। महामारी के दौरान जब हमारी *रामायण* का दूरदर्शन पर दोबारा प्रसारण हुआ था, तब नई पीढ़ी ने भी उसे देखा। ऐसे में उस छवि को मिटा पाना बहुत मुश्किल है। *रामायण* में कहीं भी यह उल्लेख नहीं है कि सीता जी के घुंघराले बाल थे। सीनियर एक्टर अन्नू कपूर ने हाल ही में रणबीर कपूर स्टारर फिल्म *रामायण* में माता सीता का किरदार साउथ एक्ट्रेस साई पल्लवी को देने पर सवाल खड़े किए हैं।

## दिल को भी सुखा देती है पानी की कमी : एक्सपर्ट

गर्म और उमस वाले मौसम में पसीना जरूरत से ज्यादा आता है। हालांकि, पसीना हमारे शरीर का खुद को ठंडा रखने का एक प्रोसेस है, लेकिन बिना हाइड्रेशन के ज्यादा पसीना आना शरीर में पानी की कमी कर सकता है। यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि इससे सिर्फ शरीर में पानी की कमी ही नहीं होती, बल्कि थकान के होने के साथ दिल पर बुरा प्रभाव भी पड़ता है।

अगर आपको ऐसा लगता है कि डिहाइड्रेशन से सिर्फ शरीर में पानी की कमी होती है तो यह जानकारी अधूरी है। आइए एक्सपर्ट से जानें इससे शरीर को और क्या नुकसान हो सकते हैं :

जब पसीना निकलता है तो इससे शरीर से पानी के साथ खास पोषक तत्व जैसे-सोडियम और पोटेशियम भी बाहर निकल जाते हैं। ये पोषक तत्व दिल की धड़कन नियमित रखने, मसल्स और नसों को ठीक से काम करने में मदद करते हैं। ठीक से पानी न पीने की स्थिति में शरीर से ये मिनरल्स बाहर निकल जाते हैं, जिसका मतलब है कि दिल को पूरे शरीर में ब्लड पंप करने में ज्यादा मेहनत करनी होगी।

जब शरीर में ब्लड पंप ठीक से नहीं होता तो शरीर के बाकी जरूरी हिस्सों तक ऑक्सीजन सप्लाई नहीं होती। नतीजतन, हार्ट तेजी से ब्लड पंप करने लगता है, जिसकी दिल की धड़कन बढ़ने लगती है। यह स्थिति हीटस्ट्रोक और गर्मी से होने वाली थकावट को बढ़ा देती है। इसमें भी खासकर, बुजुर्गों, बच्चों, दिल के मरीजों और लंबे समय तक बाहर रहने वाले लोगों को ज्यादा खतरा रहता है।

ज्यादा प्यास, मुंह का सूखना, यूरिन का गहरा पीला रंग, सिर दर्द, मांसपेशियों में ऐंठन, थकान और दिल की धड़कन का बढ़ना डिहाइड्रेशन के कुछ सामान्य संकेत हैं। इन लक्षणों को अगर अनदेखा किया जाए तो इससे गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। शरीर में पानी की कमी से बचा जा सकता है। इसके लिए जब प्यास न भी लगे तब भी पानी पीते रहना चाहिए। अगर आप ऐसा कोई काम करते हैं जिसमें ज्यादा पसीना आता है या फिर एक्सरसाइज करते हैं तो ओरल रिहाइड्रेशन सोल्यूशन और इलेक्ट्रोलाइट ड्रिंक समय-समय पर पीते रहने चाहिए।

## नशे की वजह से कई बार शूटिंग कैंसिल हुई : नारायणी शास्त्री

क्यों *कि सास भी कभी बहू थी, कुसुम* और *कोई अपना सा* जैसे कई सुपरहिट टीवी शोज में नजर आ चुकीं एक्ट्रेस नारायणी शास्त्री ने हाल ही में टीवी इंडस्ट्री और एक्टर्स के नशे करने से जुड़ा एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने खुद भी कबूला है कि वो सभी तरह के नशे कर चुकी हैं। इतना ही नहीं एक्ट्रेस ने ये भी दावा किया है कि टीवी इंडस्ट्री की पार्टीज के लिए ड्रग का बजट बनता था, कई बार तो शूटिंग तक कैंसिल करना पड़ता था।

एक्ट्रेस नारायणी शास्त्री ने हाल ही में सिद्धार्थ कानन के पॉडकास्ट में सुशांत सिंह राजपूत की मौत पर बात की। एक्ट्रेस ने कहा कि ड्रग्स ही एक्टर की मौत की वजह बने। उन्होंने कहा- उन्होंने आत्महत्या क्यों की ये मेरी समझ से परे है। लेकिन मुझे लगता है ड्रग्स ही वजह है। पहले हमारी इंडस्ट्री में पार्टी का बजट होता था कि दारू का कितना बजट होगा। अब ड्रग्स का बजट होता है।

***बहुत सालों से मैंने पार्टी करना बंद कर दिया है। अब वो पार्टियां नहीं होतीं कि गाना लगा है चलो डांस करें, अब पार्टीज कुछ अलग होती हैं, पूरी तरह।***

आगे एक्ट्रेस ने कहा, आप इसे पसंद करें या न करें, लेकिन मैं खुद भी देखकर शॉक थी कि ड्रग्स का बजट होता है। इसलिए बहुत सालों से मैंने पार्टी करना बंद कर दिया है। अब वो पार्टियां नहीं होतीं कि गाना लगा है चलो डांस करें, अब पार्टीज कुछ अलग होती हैं, पूरी तरह।

एक्ट्रेस ने दावा किया है कि टीवी इंडस्ट्री की बड़ी पार्टीज में खुलेआम ड्रग्स इस्तेमाल नहीं होता, लेकिन छोटी पार्टीज में ओपनली ड्रग्स इस्तेमाल किया जाता है। उन्होंने कहा-हर कोई जानता है कि सब नशे करते हैं। मैं पर्सनली नहीं जानती कि कौन नशे करता है, लेकिन मैं ऐसी जगह गई हूं, जहां मैंने लोगों को ड्रग्स लेते देखा है। मैं सती सावित्री बनने की कोशिश नहीं कर रही हूं, मैंने अपनी जिंदगी में सारे नशे किए हैं। लेकिन मैंने एक्सपेरिमेंट की तरह किया है कि ये करने से क्या होता है। वर्ना अगर आप ड्रग्स में घुस जाओ, तो जिंदगी में कुछ नहीं कर सकते हो।

नारायणी ने आगे कहा, कोकेन की लत लग जाती है। मुझे लगता है कोकेन इंडस्ट्री को खा रही है। ये दुनिया को खा रही है, क्योंकि सभी ड्रग्स करते हैं। मैं बहुत कम लोगों को जानती हूं जो ड्रग्स नहीं करते हैं। मैं ये सब नहीं करती थी, लेकिन जब मैं ऐसी जगह गई, तो मैं वहां लोगों को देखकर शॉक हो जाती थी।जब आगे एक्ट्रेस से पूछा गया कि क्या एक्टर्स सेट पर या वैनिटी में ड्रग्स लेते हैं, तो उन्होंने कहा, मुझे नाम नहीं लेना है, लेकिन ये बहुत होता है। हमारी शूट कैंसिल हुई है, क्योंकि एक्टर्स शूट करने की हालत में नहीं है। महंगे एक्टर्स सेट पर बैठे हैं, लेकिन शूट नहीं हो रही, क्योंकि लोग खड़े होने लायक नहीं हैं। मेरे आखिरी दो शोज में ऐसा नहीं हुआ है, लेकिन पिछले शोज में ये बहुत हुआ है।

अपने विवादित बयान में नारायणी शास्त्री ने साफ किया है कि वो ड्रग एडिक्ट नहीं हैं, उन्होंने सारे नशे सिर्फ ट्राय करने के लिए इस्तेमाल किए थे। एक्ट्रेस ने सफाई में कहा है कि उन्होंने पहली बार शराब इसलिए पी, जिससे उन्हें पता रहे कि अगर कोई उन्हें छिपकर शराब पिलाए तो पता हो कि उसका स्वाद कैसा है।

## राहा को *रामायण* दिखाने के लिए उत्साहित हूं : रणबीर

फिल्म *रामायण* में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका निभा रहे हैं। नितेश तिवारी निर्देशित इस फिल्म का भव्य ट्रेलर लॉन्च इवेंट पिछले दिनों भारत में आयोजित हुआ था। अमेरिका के सैन डिएगो कॉमिक-कॉन में भी इवेंट रखा गया, जहां रणबीर कपूर, सुपरस्टार यश पहुंचे। इस दौरान रणबीर कपूर ने कहा कि वे अपनी बिटिया राहा को यह फिल्म दिखाने के लिए बहुत उत्साहित हैं।

रणबीर कपूर ने कॉमिक-कॉन में अपना डेब्यू किया। वे यश, डायरेक्टर नितेश तिवारी और प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा के साथ *रामायण* के भव्य लॉन्च के लिए बॉलरूम 20 के बड़े स्टेज पर मौजूद रहे।

एक घंटे तक चली इस प्रेजेंटेशन में स्टार्स ने अपनी फिल्म के बारे में बताया और अपने किरदारों पर खुलकर बात की। फैंस के साथ बातचीत के दौरान रणबीर ने फिल्म की रिलीज को लेकर अपनी एक्साइटमेंट जाहिर की। उन्होंने कहा कि वे बेटी राहा कपूर की वजह से भी इस फिल्म को लेकर बहुत उत्साहित हैं। दरअसल, इवेंट में रणबीर से बच्चों को अपने धर्म और संस्कृति के बारे में सिखाने के लिए उन्हें यह फिल्म दिखाने ले जाने के बारे में पूछा गया। इस पर अभिनेता ने माना कि वे भी उस फैन की तरह ही उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, मैं अपनी बेटी को यह फिल्म दिखाने ले जाने के लिए बहुत उत्साहित हूं। यह बड़े पर्दे पर उसकी पहली फिल्म होगी।

अवॉर्ड जीतने वाले स्टूडियो ने भारतीय फिल्म इतिहास के सबसे बड़े सिनेमैटिक प्रोजेक्ट और दुनिया की सबसे पुरानी और सबसे यादगार महागाथाओं में से एक *रामायण* की एक शानदार पहली झलक दिखाई। बता दें कि *रामायण* में साई पल्लवी को माता सीता की भूमिका में देखा जाएगा। यश रावण के रोल में नजर आएंगे। सनी देओल हनुमान के रोल में और रवि दुबे लक्ष्मण के रोल में नजर आएंगे। फिल्म का संगीत हंस जिमर और ए.आर. रहमान ने तैयार किया है।

# नमस्कार अपर असम

**प्रातः खबर**

शनिवार, 25 जुलाई 2026


**मौसम**

| स्थान | अधिकतम | न्यूनतम |
|---|---|---|
| जोरहाट | 30° | 19° |
| डिब्रूगढ़ | 29° | 17° |
| तिनसुकिया | 30° | 18° |
| शिवसागर | 30° | 19° |

## लखीमपुर से शिवसागर के लिए बाढ़ राहत सामग्री रवाना

**खबर संवाददाता**

**लखीमपुर, 24 जुलाई।** हाल ही में आई बाढ़ से प्रभावित शिवसागर जिले के लोगों की मदद के लिए लखीमपुर वासियों ने मानवता की मिसाल पेश की है। लखीमपुर त्याग क्षेत्र से आज राहत सामग्री लेकर एक ट्रक शिवसागर के लिए रवाना किया गया। इस सामग्री में चावल, दाल, पीने का पानी, दवाइयां, कपड़े और अन्य आवश्यक वस्तुएं शामिल हैं। यह सहयोग लखीमपुर के दानवीर नागरिकों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के सहयोग से संभव हो पाया। आयोजनकर्ताओं ने बताया कि संकट की इस घड़ी में पीड़ितों की मदद करना हमारा कर्तव्य है।


Ph. : 2548109 2730431
L. GOPAL JEWELLERS
9-11-14, Kuber A.C. Market
Guwahati - 781001
शुद्ध चांदी के बर्तनों एवं शुद्ध चांदी की सिल्ली व चांदी के सिक्कों का एकमात्र विश्वसनीय प्रतिष्ठान
22/22 KDM Gold Jewellery, Hallmark Gold Jewellery Branded Diamond Jewellery, Platinum & Silver Utensils & Articles

0361-2601385
9678211156
D. M. Jeweller's
(As You Like We are)
7/8 (L) Akram's Business Fancy Bazar, Guwahati-1
शुद्ध सील चांदी के बर्तन एवं असली सिक्कों का प्रतिष्ठित स्थान
We also deal in 22/22 KDM hallmark Jewelleries


# बाढ़ की त्रासदी अभूतपूर्व, सरकार विशेष राहत एवं आर्थिक पैकेज घोषित करे : उत्पल शर्मा

**खबर संवाददाता**

**टियोक, 24 जुलाई।** भीषण बाढ़ से प्रभावित टियोक क्षेत्र में राहत एवं बचाव अभियान लगातार जारी है। शुक्रवार को ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन (आसू) की जोरहाट जिला समिति, स्थानीय छात्र संगठन, मारवाड़ी सम्मेलन टियोक शाखा तथा असम उन्नति सभा के संयुक्त सहयोग से बाढ़ प्रभावित गांवों में बड़े पैमाने पर राहत सामग्री का वितरण किया गया। राहत दल ने रबी बरुआ गांव, रबी गोरिया पथार गांव, रबी गांव, रबी बरुआ चांगमाई गांव सहित कई बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों के लगभग 700 परिवारों तक राहत सामग्री पहुंचाई। इसके अलावा जोरहाट, मरियानी और शिवसागर के बाढ़ प्रभावित इलाकों के लिए भी राहत सामग्री रवाना की गई। पूरे दिन विभिन्न स्थानों पर मिलाकर लगभग 1,500 राहत पैकेट वितरित किए गए। बाढ़ के कारण कई गांवों की सड़कें पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई हैं। तेज जलधारा के चलते कई स्थानों पर नाव से पहुंचना भी संभव नहीं था। ऐसी विषम परिस्थितियों में स्वयंसेवकों ने ट्रैक्टर के माध्यम से चावल, दाल, आलू, प्याज, सूजी, पेयजल, बिस्कुट, मच्छर भगाने की धूप, मोमबत्तियां, छाते, चादरें तथा अन्य आवश्यक सामग्री जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाई। इस अवसर पर ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन के टियोक आंचलिक अध्यक्ष उत्पल शर्मा ने कहा कि बाढ़ से हुई तबाही अभूतपूर्व और अकल्पनीय है। उन्होंने राज्य सरकार से जोरहाट, शिवसागर और चराइदेव जैसे बाढ़ प्रभावित जिलों के लिए विशेष आर्थिक एवं राहत पैकेज की तत्काल घोषणा करने की मांग की, ताकि प्रभावित परिवारों का शीघ्र पुनर्वास सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि

छात्र संगठन अपनी सामर्थ्य के अनुसार बाढ़ पीड़ितों की सेवा आगे भी निरंतर जारी रखेगा। मारवाड़ी सम्मेलन, टियोक शाखा के सचिव बीजू कुमार तुनवाल ने कहा कि इस बार बाढ़ ने उन क्षेत्रों को भी अपनी चपेट में ले लिया, जहां पहले कभी बाढ़ का पानी नहीं पहुंचा था। अचानक आई इस आपदा से हजारों लोगों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। अनेक परिवार पिछले चार दिनों से पानी के बीच फंसे हुए हैं, जहां न बिजली की सुविधा है और न ही सुरक्षित निकासी की समुचित व्यवस्था। उन्होंने राज्य सरकार से प्रभावित परिवारों के लिए विशेष राहत, पुनर्वास एवं आवश्यक सुविधाओं की तत्काल व्यवस्था करने की मांग की। राहत अभियान में ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन के टियोक आंचलिक अध्यक्ष उत्पल शर्मा, जोरहाट जिला छात्र संस्था के अध्यक्ष प्रीतम ज्योति सैकिया, सचिव रियाज हुसैन, केंद्रीय समिति की साहित्य संपादक निहारिका सैकिया सहित अनेक छात्र नेता एवं स्वयंसेवक उपस्थित रहे। वहीं, असम उन्नति सभा, जोरहाट जिला समिति की ओर से अध्यक्ष सौरभ बोरा, सचिव मितुल गोस्वामी, उपाध्यक्ष इंद्रजीत बरठाकुर तथा प्रोजेक्ट सचिव बीजू कुमार तुनवाल ने भी राहत अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाई और प्रभावित परिवारों तक सहायता पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उल्लेखनीय है कि राहत वितरण से पूर्व स्वयंसेवकों ने बाढ़ में फंसे लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने का कार्य भी किया। इसके साथ ही लगभग 1,000 बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए दाल-भात एवं सब्जी तैयार कर विभिन्न राहत शिविरों और प्रभावित गांवों में वितरित की गई। सभी संगठनों के प्रतिनिधियों ने कहा कि जब तक बाढ़ प्रभावित परिवार सामान्य जीवन में वापस नहीं लौटते, तब तक राहत एवं सेवा अभियान पूरी प्रतिबद्धता के साथ निरंतर जारी रहेगा। साथ ही समाज के सभी वर्गों से इस मानवीय अभियान में आगे आकर सहयोग करने की अपील भी की गई।

# 31 जुलाई को द विस्तारा सुइट्स का होगा भव्य उद्घाटन

**खबर संवाददाता**

**तिनसुकिया,24 जुलाई।** विशाल ग्रुप द्वारा आगामी 31 जुलाई को द विस्तारा सुइट्स के भव्य उद्घाटन की घोषणा की गई।तिनसुकिया शहर के हिजुगुरी स्थित यह होटल आधुनिक सुविधाओं,आरामदायक आवास और उत्कृष्ट आतिथ्य के साथ मेहमानों को किफायती कीमतों पर उच्च गुणवत्ता की सेवाएं प्रदान करेगा।तिनसुकिया शहर के मध्य के निकट स्थित यह होटल व्यापारिक एवं पर्यटन उद्देश्य से आने वाले यात्रियों को आरामदायक और गुणवत्तापूर्ण ठहरने का अनुभव देने के लिए तैयार है।यह विशाल ग्रुप का होटल उद्योग में पहला कदम है। विशाल ग्रुप के प्रबंध निदेशक श्री विकास अग्रवाल का वक्तव्य के अनुसार'द विस्तारा सुइट्स विशाल ग्रुप के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और होटल उद्योग में यह पहला प्रोजेक्ट है।उन्होंने प्रेसविज्ञप्ति के माध्यम से बताया की 31 जुलाई 2026 को होने वाला इस होटल का शुभारंभ तिनसुकिया के विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।हमारा उद्देश्य कॉर्पोरेट मेहमानों और परिवारों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सेवाएं स्थानीय आत्मीयता के साथ उपलब्ध कराना है।वही उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य आरामदायक और गुणवत्तापूर्ण आवास को सभी के लिए सुलभ बनाना है,ताकि मेहमानों को स्वच्छ,सुरक्षित,मैत्रीपूर्ण और विश्वसनीय वातावरण मिल सके। होटल की प्रमुख सुविधाए में देखा जाये तो, कुल 24 आधुनिक एवं सुसज्जित कमरे,कॉन्फ्रेंस हॉल एवं विस्तारा बैंक्वेट हॉल,हाई-स्पीड वाई-फाई, फ्लैट-स्क्रीन टीवी तथा 24 घंटे रूम सर्विस के साथ बहु-व्यंजन (मल्टी-क्यूज़ीन) रेस्टोरेंट,छोटे एवं बड़े कॉर्पोरेट कार्यक्रमों तथा सामाजिक आयोजनों के लिए आधुनिक बैंक्वेट एवं कॉन्फ्रेंस सुविधाएं उपलब्ध है। विशाल ग्रुप क्षेत्रीय विकास के क्षेत्र में एक विश्वसनीय नाम है । ऑटोमोबाइल,रियल एस्टेट तथा अन्य क्षेत्रों में अपनी मजबूत पहचान बनाने के बाद अब विशाल ग्रुप ने होटल उद्योग में भी भव्य प्रवेश किया है।

## श्री ब्राह्मण सभा,तिनसुकिया की और बाढ़ पीड़ित सहयोग अभियान

**खबर संवाददाता**

**तिनसुकिया, 24 जुलाई।** शहर की सामाजिक संस्था श्री ब्राह्मण सभा, तिनसुकिया की और से तिनसुकिया विप्र समाज से असम में आई प्राकृतिक आपदा बाड़ से क्षतिगस्त लोगों हेतु सहयोग प्रदान करने हेतु विनम्र अनुरोध किया है। श्री ब्राह्मण सभा तिनसुकिया के कर्मठ कार्यकर्ता प्रवीण शर्मा(पानीवाला) तथा जन संपर्क अधिकारी पवन शर्मा 'खांडल' ने बताया कि इस सहायता अभियान में नगद राशि,कपड़े,बर्तन,पानी की बोतले,दवाइयां तथा राशन सामग्री प्रदान कर सकते है। देखा जा रहा है कि इस अभियान में लोगों ने अपनी और से सहयोग प्रदान करते नजर आ रहे है। कोई भी व्यक्ति अपनी और से किसी भी तरह का सहयोग देना चाहता है तो कल दिनांक 25/07/26 को दोपहर 3 बजे तक अपना सहयोग प्रदान करे तथा अन्य किसी भी तरह की सामग्री प्रवीण शर्मा के मानव कल्याण पथ,परवतिया निवास स्थान पर पहुंचाने का सादर निवेदन किया है।

# श्री मारवाड़ी दुर्गापूजा कमेटी द्वारा गुप्त नवरात्रि पर विशेष धार्मिक आयोजन

**खबर संवाददाता**

**तिनसुकिया, 25 जुलाई।** सन 1951 में स्थापित श्री मारवाड़ी दुर्गा पूजा कमेटी द्वारा अपने प्लेटिनम जुबली वर्ष'शक्ति विरासत75 वर्षों की अमृत यात्रा'के अंतर्गत संचालित'अमृत वर्ष सेवा अभियान' के तहत पूरे वर्ष विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है।इसी क्रम में बाबूपट्टी स्थित श्री दुर्गा मंदिर में आषाढ़ गुप्त नवरात्रि के अवसर पर तीन दिवसीय विशेष धार्मिक कार्यक्रम श्रद्धा और भक्ति के साथ आयोजित किए गए। इस दौरान 21 जुलाई को देवसर माता का मंगल पाठ, 22 जुलाई को श्री दुर्गा सप्तशती पाठ तथा 23 जुलाई को

जीण माता मंगल पाठ विधि-विधान के साथ संपन्न कराया गया।प्रतिदिन दोपहर 3:30 बजे से शुरू हुए इन धार्मिक आयोजनों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर माँ दुर्गा की आराधना की और सुख-समृद्धि की कामना की। कमेटी ने बताया कि सन 1951 में स्थापित श्री मारवाड़ी दुर्गा पूजा कमेटी अपने प्लेटिनम जुबली वर्ष'शक्ति विरासत75 वर्षों की अमृत यात्रा'के अंतर्गत संचालित 'अमृत वर्ष सेवा अभियान' तहत पर पूरे वर्ष धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।यह अमृत वर्ष कमेटी की गौरवशाली परंपरा और समाज सेवा के संकल्प का प्रतीक है।

# मोरान वृहत्तर असमिया मारवाड़ी समाज के अंतर्गत तीनों मारवाड़ी संस्थाओं ने बाढ़ प्रभावित परिवारों तक पहुँचाई राहत सामग्री

**संवाददाता**

**मोरानहाट, 24 जुलाई।** असम में आई भीषण बाढ़ ने विशेष रूप से ऊपरी असम के शिवसागर, चराइदेव, महमोरा एवं जोरहाट जिलों में जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। अनेक गाँव जलमग्न हो चुके हैं, हजारों परिवार अपने घरों से विस्थापित होकर राहत शिविरों में रहने को विवश हैं तथा उन्हें भोजन, स्वच्छ पेयजल, दवाइयों एवं दैनिक उपयोग की आवश्यक वस्तुओं का भी अभाव झेलना पड़ रहा है। ऐसी विषम परिस्थितियों में मानवता एवं सेवा की भावना को सर्वोपरि रखते हुए मारवाड़ी सम्मेलन, मोरानहाट शाखा, अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला समिति तथा मारवाड़ी युवा मंच, मोरानहाट शाखा ने संयुक्त रूप से समाज के उदार दानदाताओं द्वारा प्राप्त आर्थिक सहयोग से आज 24 जुलाई 2026 को चराइदेव जिले के महमोरा क्षेत्र में बाढ़ प्रभावित

परिवारों के बीच राहत सामग्री का वितरण किया। संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने प्रभावित परिवारों से मिलकर उनका कुशलक्षेम जाना, उनका दुःख-दर्द साझा किया तथा उन्हें इस कठिन समय में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। राहत सामग्री में चावल, खाद्य एवं दैनिक उपयोग की आवश्यक वस्तुएँ, बिस्कुट, ब्रेड, स्वच्छ पेयजल की बोतलें, मच्छरदानियाँ, महिलाओं हेतु सैनिटरी पैड, मच्छर भगाने वाली अगरबत्ती, मोमबत्तियाँ, माचिस सहित अन्य आवश्यक सामग्री वितरित की गई, जिससे बाढ़ पीड़ित परिवारों को तत्काल राहत मिल सके। इस सेवा अभियान में मारवाड़ी सम्मेलन, मोरानहाट शाखा की ओर से अध्यक्ष श्री बिनोद अग्रवाल, सचिव श्री छगनलाल माड़ोदिया, कोषाध्यक्ष श्री बिजय मोर, मंडलीय उपाध्यक्ष श्री पवन मोर, श्री सुशील बेड़िया, श्री मनोज मिंडिया एवं श्री दीपक अग्रवाल उपस्थित रहे। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला समिति की ओर से अध्यक्ष प्रभा अग्रवाल, सचिव सुनीता जैन एवं कोषाध्यक्ष सुजाता मिंडिया ने अपनी सक्रिय सहभागिता निभाई। वहीं मारवाड़ी युवा मंच, मोरानहाट शाखा की ओर से अध्यक्षा स्वीटी शर्मा, सचिव मनीष बेड़िया, सह सचिव राहुल बेड़िया, कोषाध्यक्ष शंभू सुरेका तथा कार्यकारिणी सदस्य उत्सव मोर, रोहित बेड़िया, आदिश अग्रवाल एवं विवेक पसारी उपस्थित रहे। इस राहत अभियान में साई सेवा समिति के सदस्यों तथा महिला भजन मंडली की सदस्याओं ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई और सेवा कार्य को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। संस्थाओं के पदाधिकारियों ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं के समय समाज का एकजुट होकर आगे आना ही सच्ची मानव सेवा है। बाढ़ प्रभावित परिवारों की पीड़ा को कम करने का यह प्रयास समाज के सभी सहयोगकर्ताओं एवं दानदाताओं के सहयोग से संभव हो पाया है। इस बाढ़ पीड़ित अभियान के तहत कई अलग अलग गांवों के लगभग 200 से ज्यादा परिवारों को राहत सामग्री वितरित की गई तथा छोटे छोटे बच्चों को अलग से बिस्कुट, ब्रेड, मिनरल वाटर इत्यादि पर्याप्त मात्रा में प्रदान किया गया। तीनों संस्थाओं ने सभी दानदाताओं एवं स्वयंसेवकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए विश्वास दिलाया कि यदि भविष्य में भी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यकता महसूस हुई, तो संयुक्त रूप से पुनः राहत शिविर आयोजित कर जरूरतमंद परिवारों तक हरसंभव सहायता पहुँचाई जाएगी।संस्थाओं ने समाज के सभी सक्षम नागरिकों से भी अपील की कि वे इस मानवीय अभियान में अपनी सहभागिता निभाएँ, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद परिवारों तक राहत सामग्री पहुँचाई जा सके।

# मोरान प्रेस क्लब ने 35 वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया, ओम प्रकाश गारोड़िया बने इस माह के अतिथि

**मोरानहाट, 24 जुलाई (सं)।** ऊपरी असम के अग्रणी पत्रकार संगठनों में से एक मोरान प्रेस क्लब ने वर्ष 1992 में स्थापना के बाद गौरवपूर्ण 34 वर्ष पूरे कर 35वें वर्ष में प्रवेश के अवसर पर शुक्रवार को दिनभर विभिन्न कार्यक्रमों के साथ अपना 35वां स्थापना दिवस मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः प्रेस क्लब का ध्वजारोहण और शहीद तर्पण से हुई। इसके उपरांत मोरान लायन्स क्लब पसेवाकेंद्र में प्रेस क्लब का नियमित कार्यक्रम इस माह के अतिथि आयोजित किया गया। प्रेस क्लब की सर्वसम्मत निर्णय के अनुसार जुलाई माह के अतिथि के रूप में मोरान क्षेत्र के विशिष्ट व्यवसायी, समाजसेवी एवं फिल्म निर्माता ओम प्रकाश गारोड़िया का चयन किया गया। क्लब के अध्यक्ष दयानंद सिंह की अध्यक्षता में आयोजित सभा में क्लब के सचिव करुणा फुकन ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर श्री गारोड़िया का फूलाम गमछा, सेलेंग चादर तथा अभिनंदन पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया । इस अवसर पर श्री गारोदिया ने अपने जन्म, शिक्षा, विवाह, व्यवसाय से लेकर पारिवारिक हर तरह की जानकारी देते हुए भविष्य में अपनी योजनाओं से भी लोगों को रुबरु करवाया। कार्यक्रम में उनकी पत्नी, समाजसेविका एवं अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन, मोरानहाट शाखा की प्रतिष्ठापक अध्यक्ष कांता गारोड़िया, टायपा की केंद्रीय समिति के अध्यक्ष विजय राजकुंवर, कार्यकारी अध्यक्ष रुद्रसागर बुढ़ागोहांई, टायपा नेता उत्तम दिहिंगिया, मोरान महकमा समिति के अध्यक्ष पलाशज्योति बरगोहांई, लेंगेरी जूनियर कॉलेज के अध्यक्ष नीलकांत गोगोई, कवि प्रदीप बरुवा, लायन्स क्लब के पदाधिकारी तथा समाजसेवी अशीम बरुवा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभा में उपस्थित वक्ताओं ने मोरान प्रेस क्लब को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए श्री ओम प्रकाश गारोड़िया के सामाजिक एवं जनकल्याणकारी कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में केक काटकर मोरान प्रेस क्लब का 34वां स्थापना दिवस उत्साह एवं गरिमा के साथ मनाया गया। क्लब के सलाहकार सुभित कुमार छेत्री के संचालन में आयोजित अभिनंदन समारोह के पश्चात अजित सुतिया द्वारा धन्यवाद प्रेषित किए जाने के साथ समारोह का समापन हुआ।

## रक्तदान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान हेतु सिलापथार के समाजसेवी पवन जैन को किया गया सम्मानित

**खबर संवाददाता**

**सिलापथार, 24 जुलाई।** सिलापथार लायंस क्लब के अध्यक्ष, मारवाड़ी सम्मेलन सिलापथार शाखा के पूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के कार्यकारिणी सदस्य श्री पवन जैन को समाजसेवा एवं रक्तदान के क्षेत्र में उनके अतुलनीय योगदान के लिए असम मेडिकल कॉलेज एवं ब्लड बैंक, डिब्रूगढ़ द्वारा वर्ष 202526 में 288 यूनिट के लिए ' ' एवं सम्मान-चिह्न प्रदान करके सम्मानित किया गया। ज्ञात हो कि श्री पवन जैन विगत कई वर्षों से नियमित रूप से रक्तदान शिविरों का आयोजन तथा लोगों में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। उनके अथक प्रयासों से अनेक जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध हुआ है। उनका यह सम्मान मानवता और समाजसेवा के प्रति उनके समर्पण और निष्ठा का प्रमाण है। मारवाड़ी सम्मेलन सिलापथार शाखा, लायंस क्लब सिलापथार एवं समस्त समाज ने इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर श्री पवन जैन को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की है, तथा निरंतर समाजसेवा से जुड़े रहने की अभिलाषा व्यक्त की है।

# रूपाई (शतदल) शाखा साहित्य सभा के सौजन्य से शैक्षिक संवाद एवं सम्मान समारोह आयोजित

**संवाददाता**

**दुमदुमा, 24 जुलाई।** दुमदुमा अंचल के रूपाई (शतदल) शाखा साहित्य सभा के सौजन्य और युवा-संसद उप-समिति के तत्वावधान में रूपाई शाखा साहित्य सभा भवन में एक 'शैक्षिक संवाद' और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के शोध छात्र , असम की कालजयी पुस्तकों 'बुढ़ी आई साधु' और 'मिरी जीयरी' का स्पेनिश भाषा में अनुवाद करने वाले और असम साहित्य सभा के आजीवन सदस्य तन्मय सोनोवाल उपस्थित थे। स्वागत गीत के साथ शुरू हुए इस कार्यक्रम की अध्यक्षता रूपाई शतदल शाखा साहित्य सभा के अध्यक्ष वेणु बोरा ने की। सभा की ओर से तन्मय सोनोवाल को एक गामछा, पुस्तकें और एक अभिनंदन पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। आखिल असम लेखिका समारोह समिति' की उपाध्यक्षा किरणमयी हजारिका बरुआ ने कार्यक्रम का

संचालन किया, जबकि शाखा के पूर्व संपादक अनूप कुमार बरदलै ने अभिनंदन पत्र का पाठ किया। उपस्थित साहित्य प्रेमियों के साथ-साथ विद्यार्थियों ने भी उनके साथ सीधा संवाद (बातचीत) कर कार्यक्रम को जीवंत बना दिया। कार्यक्रम में दुमदुमा सीनियर सेकेंडरी स्कूल, वीर राघव मोरान सरकारी आदर्श महाविद्यालय , रूपाई जातीय विद्यालय और अन्य शैक्षणिक संस्थानों के छात्र भी उपस्थित थे। शिक्षा से संबंधित जानकारी जैसेविदेशी भाषाओं का अध्ययन, देश-विदेश में पढ़ाई के लिए उपलब्ध छात्रवृत्ति और विदेशी विश्वविद्यालयों व महाविद्यालय में पढ़ाई की व्यवस्था आदि विषयों पर बातचीत की गई। विदेशी भाषा सीखने के लिए वे किस प्रकार प्रेरित हुए थे, उन्होंने इस बारे में भी बताया और अपनी भविष्य की योजनाओं को भी साझा किया । उन्होंने जानकारी दी कि असमिया साहित्य के एक और कालजयी उपन्यास, असम साहित्य सभा के पूर्व अध्यक्ष योगेश दास जी के उपन्यास 'डावर आरू नाई' का स्पेनिश भाषा में अनुवाद करने का काम उन्होंने हाथ में लिया है। उन्होंने बचपन में कहानियों की किताबें पढ़ने और अपने पिता से सुनी कहानियों के दिनों को भी याद किया । इसी कार्यक्रम में उनके पिता व सेवानिवृत्त बिक्री कर अधिकारी भोला सोनोवाल और माता बंती सोनोवाल का भी फुलाम गमछा पहनाकर स्वागत किया गया। सभा में भोला सोनोवाल ने भी अपना वक्तव्य प्रदान किया । सभा में नए आजीवन सदस्य बने कल्पना बोरगोहाईं और डॉ. अनूप कुमार डेका को असम साहित्य सभा की आजीवन सदस्यता का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इसके साथ ही कई अन्य नए सदस्यों ने भी आजीवन सदस्यता ग्रहण की। शाखा के सचिव ने नए सदस्यों से अपील करते हुए कहा कि वे शाखा की वर्तमान आजीवन सदस्य संख्या को 150 से बढ़ाकर 200 करें ताकि शाखा की शक्ति को और बढ़ावा मिले । उन्होंने बताया कि आगामी असम साहित्य सभा का केंद्रीय बाल दिवस कार्यक्रम रूपाई शाखा साहित्य सभा की मेजबानी में रूपाई में ही आयोजित किया जाएगा, और शाखा की पहल पर 50 पुस्तकें प्रकाशित करने की तैयारी चल रही है। इस कार्य के लिए उन्होंने जनता का आशीर्वाद मांगा। सभा की उद्देश्य व्याख्या रूपाई शतदल शाखा साहित्य सभा के सचिव रातुल गोगोई ने की और धन्यवाद ज्ञापन युवा-संसद उप-समिति के संयोजक दौलत सोनोवाल ने किया। इस कार्यक्रम में अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। इसकी जानकारी शाखा साहित्य सभा के सचिव रातुल गोगोई ने दी है।

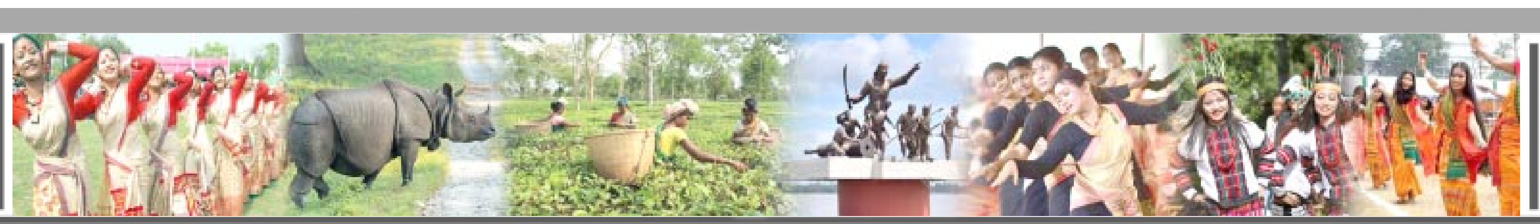

प्रातः खबर
शनिवार, 25 जुलाई 2026

# डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय में 70 से अधिक आवारा कुत्तों का एंटी रेबीज टीकाकरण

## विनीत बगड़िया की सोच को आगे बढ़ा रहा है एनिमल वेलफेयर पीपुल

कार्यालय संवाददाता

**डिब्रूगढ़, 24 जुलाई।** डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय परिसर में शुक्रवार को पशु कल्याण और सार्वजनिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए व्यापक एंटी रेबीज टीकाकरण अभियान चलाया गया। एनिमल वेलफेयर पीपुल (एडब्ल्यूपी), डिब्रूगढ़, डिब्रूगढ़ पशु चिकित्सा विभाग (बरबरूवा ब्लॉक) तथा डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय के लिटिल फ्रेंड्स ग्रुप के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस अभियान के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में रहने वाले 70 से अधिक आवारा कुत्तों का सफलतापूर्वक एंटी रेबीज टीकाकरण किया गया। अभियान का उद्देश्य परिसर में रहने वाले पशुओं को रेबीज से सुरक्षित रखना तथा विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए सुरक्षित एवं स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करना था। इस अभियान की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह रही कि इसे एनिमल वेलफेयर पीपुल (एडब्ल्यूपी) के सहयोग से आयोजित किया गया। इस संस्था की स्थापना डिब्रूगढ़ में 'डॉग्स फादर' के नाम से विख्यात स्वर्गीय विनीत बगड़िया ने वर्ष 2018 में की थी। पशुओं के प्रति उनकी संवेदनशीलता और समर्पण ने डिब्रूगढ़ में पशु कल्याण की एक नई सोच को जन्म दिया। उन्होंने अपने जीवनकाल में सैकड़ों घायल, बीमार और बेसहारा कुत्तों तथा अन्य पशुओं का उपचार, बचाव और पुनर्वास कराया तथा लोगों को पशुओं के प्रति संवेदनशील बनने के लिए लगातार प्रेरित किया। विनीत बगड़िया के निधन के बाद भी उनकी स्थापित संस्था एनिमल वेलफेयर पीपुल उसी समर्पण के साथ पशु संरक्षण और जनजागरूकता का कार्य कर रही है। शहर में घायल पशुओं के उपचार, एंटी रेबीज टीकाकरण, भोजन उपलब्ध कराने, रेस्क्यू अभियान चलाने तथा पशु क्रूरता के मामलों में हस्तक्षेप करने जैसी गतिविधियों के माध्यम से संस्था लगातार समाज सेवा में जुटी हुई है। डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय में आयोजित यह टीकाकरण अभियान भी उसी मानवीय सोच और सेवा भावना का विस्तार माना जा रहा है। अभियान के दौरान पशु चिकित्सा विभाग की टीम और स्वयंसेवकों ने पूरे विश्वविद्यालय परिसर में घूमकर चिन्हित आवारा कुत्तों का टीकाकरण किया। स्वयंसेवकों ने कुत्तों को सुरक्षित तरीके से पकड़ने, उन्हें नियंत्रित करने और टीकाकरण के बाद पुनः उनके प्राकृतिक वातावरण में छोड़ने की प्रक्रिया को व्यवस्थित ढंग से पूरा किया। अभियान में विश्वविद्यालय के लिटिल फ्रेंड्स ग्रुप के सदस्यों ने भी सक्रिय सहयोग दिया।विश्वविद्यालय समुदाय तथा स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे अभियान केवल पशुओं की सुरक्षा तक सीमित नहीं हैं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। लोगों ने कहा कि स्वर्गीय विनीत बगड़िया द्वारा शुरू किया गया पशु सेवा का मिशन आज भी समाज को प्रेरित कर रहा है, और एनिमल वेलफेयर पीपुल उसी विरासत को आगे बढ़ाते हुए डिब्रूगढ़ में पशु कल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही है। आयोजकों ने बताया कि भविष्य में भी डिब्रूगढ़ के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों, सार्वजनिक स्थानों तथा अन्य क्षेत्रों में इसी प्रकार के एंटी रेबीज टीकाकरण एवं पशु कल्याण अभियान नियमित रूप से चलाए जाएंगे, ताकि पशुओं और मनुष्यों के बीच सुरक्षित एवं संवेदनशील सह-अस्तित्व को और अधिक मजबूत बनाया जा सके।

# गुप्त नवरात्र में श्री राम कथा के आयोजन से शक्ति का संचार

खबर संवाददाता

**जोरहाट 24 जुलाई।** जोरहाट के श्री हिंदुस्तानी पंचायती ठाकुरबाड़ी में कल नौ दिवसीय श्री राम कथा का भव्य समापन हुआ। कथा विश्राम के बाद जब आरती का अवसर आया तो पूरा पंडाल खचाखच भरा हुआ था। वहीं आरती की थालियों से उठता दिव्य प्रकाश पूरे परिसर को आच्छादित कर रहा था। आयोजन की सफलता से गदगद समिति के अध्यक्ष राधेश्याम चौधरी, सचिव पुलकित गुप्ता और संयोजक राजकुमार चौधरी ने कहा कि देवी के गुप्त नवरात्र के मौके पर नौ दिवसीय कथा आयोजन ने सभी में शक्ति का अदभुद संचार किया है। उन्होंने कथा व्यास नीरज भैया को अपनी मनमोहक शैली में कथा वर्णन के लिए साधुवाद दिया। वहीं कथा के दौरान पधारे श्रद्धालुओं के साथ ही गणमान्य अतिथियों और पुलिस प्रशासन का विशेष तौर पर आभार जताया। दक्षिणमुखी बालाजी के दरबार में उनके आराध्य भगवान श्री राम की कथा का रसपान करवा कर समिति ने यहां आने वाले श्रद्धालुओं को एक सुखद अहसास दिया है। यह पहला मौका था जब हिंदुस्तानी पंचायती ठाकुरबाड़ी में प्रभु श्रीराम की कथा का पूर्ण रूप से गुणगान हुआ। समिति ने आयोजन की रिपोर्ट लोगों तक पहुंचाने वाले मीडिया कर्मियों को भी धन्यवाद दिया है।

# जोरहाट में प्रेरणा के एग्जिबिशन में उमड़ी खरीददारों की भीड़

## मारवाड़ी ठाकुरबाड़ी अध्यक्ष अशोक अग्रवाल ने किया उद्घाटन, पीले परिधान में सजी सदस्याएं

खबर संवाददाता

**जोरहाट, 24 जुलाई।** जोरहाट में महिलाओं की अग्रणी संस्था प्रेरणा क्लब ने होटल एमडीज में एक एग्जिबिशन का आयोजन किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री मारवाड़ी ठाकुरबाड़ी के अध्यक्ष अशोक अग्रवाल और उनकी धर्मपत्नी सुमन अग्रवाल ने एग्जिबीशन का उद्घाटन किया। क्लब की अध्यक्ष रेणु भड़ेच, सचिव शालिनी मोर और कोषाध्यक्ष श्वेता मिंडा सहित अन्य सदस्याओं ने उनका स्वागत किया। एग्जिबिशन में दिल्ली, मुंबई, सूरत, कोलकाता, अहमदाबाद और गुवाहाटी सहित ऊपरी असम के विभिन्न स्थानों से आए स्टॉल्स शामिल थे। दिन भर चली इस प्रदर्शनी में जमकर लोगों ने खरीदारी की। प्रेरणा की सभी सदस्याएं एक जैसे पीले परिधान में अनुशासित और एकजुट नज़र आ रही थी, जिसे द हैंगर की लक्ष्मी अग्रवाल ने खास तौर पर डिजाइन किया था। प्रदर्शनी में अपने स्टॉल्स लगाने वाले सभी लोगों ने प्रेरणा के इंतजामों की सराहना की। अध्यक्ष रेणु ने बताया कि बीते दो दशकों से प्रेरणा लगातार ऐसे आयोजनों के जरिए महिलाओं को बेहतर विकल्प मुहैया करवा रही है। उन्होंने प्रदर्शनी में सहयोगी सभी पक्षों का आभार व्यक्त किया

# डिब्रूगढ़ बना राहत अभियान का केंद्र, आसू ने शहरवासियों के सहयोग से चराइदेव और शिवसागर के बाढ़ पीड़ितों के लिए भेजी बड़ी राहत खेप

कार्यालय संवाददाता

**डिब्रूगढ़, 24 जुलाई।** ऊपरी असम में आई विनाशकारी बाढ़ के बीच डिब्रूगढ़ एक बार फिर सामाजिक एकजुटता और मानव सेवा का केंद्र बनकर उभरा है। ऑल डिब्रूगढ़ जिला छात्र संघ (आसू) ने शहरवासियों के सहयोग से एकत्रित बड़ी मात्रा में राहत सामग्री शुक्रवार को चराइदेव और शिवसागर जिलों के बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए रवाना की। राहत दल आवश्यक खाद्य सामग्री, पेयजल, कपड़े, स्वच्छता संबंधी सामग्री तथा अन्य जरूरी सामान लेकर प्रभावित क्षेत्रों के लिए रवाना हुआ, जहां इन्हें सीधे जरूरतमंद परिवारों के बीच वितरित किया जाएगा। इस मानवीय पहल की शुरुआत डिब्रूगढ़ के चौकीडिंगी स्थित शहीद भवन से हुई, जहां आसू ने लगातार दो दिनों तक राहत सामग्री संग्रह अभियान चलाया। इस अभियान में डिब्रूगढ़ के नागरिकों, व्यापारियों, सामाजिक संगठनों, छात्र-छात्राओं, युवाओं तथा विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। लोगों ने स्वेच्छा से चावल, दाल, चिउड़ा, बिस्कुट, पेयजल, कपड़े, बच्चों के उपयोग की सामग्री, स्वच्छता उत्पाद तथा अन्य आवश्यक वस्तुएं दान कर बाढ़ पीड़ितों के प्रति अपनी संवेदनशीलता का परिचय दिया। आसू के पदाधिकारियों ने बताया कि डिब्रूगढ़ से भेजी गई राहत सामग्री को संगठन के प्रशिक्षित स्वयंसेवक चराइदेव और शिवसागर के उन गांवों और राहत शिविरों तक पहुंचाएंगे, जहां बाढ़ ने सबसे अधिक तबाही मचाई है। राहत सामग्री का वितरण स्थानीय इकाइयों के समन्वय से सीधे प्रभावित परिवारों के बीच किया जाएगा, ताकि सहायता बिना किसी बाधा के वास्तविक लाभार्थियों तक पहुंच सके। संगठन ने कहा कि प्राकृतिक आपदा के समय डिब्रूगढ़ के लोगों ने जिस एकजुटता, सामाजिक जिम्मेदारी और मानवीय संवेदना का परिचय दिया है, वह पूरे असम के लिए प्रेरणादायक है। बड़ी संख्या में लोगों ने राहत सामग्री देकर यह साबित किया है कि संकट की घड़ी में डिब्रूगढ़ हमेशा जरूरतमंदों के साथ खड़ा रहता है। आसू ने राहत अभियान को सफल बनाने में सहयोग देने वाले प्रत्येक नागरिक, व्यापारी, सामाजिक संगठन और स्वयंसेवक के प्रति आभार व्यक्त किया।आसू ने बताया कि यदि बाढ़ की स्थिति और गंभीर होती है या प्रभावित क्षेत्रों से अतिरिक्त सहायता की मांग आती है, तो डिब्रूगढ़ में राहत सामग्री संग्रह अभियान आगे भी जारी रखा जाएगा। संगठन ने आम जनता से इस मानवीय अभियान में निरंतर सहयोग देने की अपील करते हुए कहा कि समाज के सामूहिक प्रयासों से ही बाढ़ पीड़ित परिवारों को राहत और संबल मिल सकेगा।

## जय श्री राम जय श्री कृष्ण सेवा समिति का धार्मिक यात्रा आज

**लखीमपुर, 25 जुलाई (ख.सं)।** बीआरबीएनएमपीएल टाउनशिप स्थित जय श्री राम जय श्री कृष्ण सेवा समिति द्वारा आगामी श्रावण मास के उपलक्ष्य पे दो दिवसीय धार्मिक भ्रमण यात्रा श्री धाम मायापुर (इस्कॉन) के लिए रवाना। समिति के अध्यक्ष श्री बी. सी. मंडल एवं सचिव श्री शंकर श्रीवास्तव ने बताया कि यह यात्रा 25 जुलाई शनिवार को प्रस्थान करेगी तथा 26 जुलाई रविवार को वापस लौटेगी। यात्रा में समिति के लगभग 70 सदस्य श्रद्धालु सम्मिलित होंगे। उन्होंने बताया कि यात्रा का उद्देश्य भक्तों को भगवान के धाम के दर्शन कराकर आध्यात्मिक लाभ प्रदान करना है। यात्रा के दौरान नाम संकीर्तन, सत्संग, भजन-कीर्तन एवं सामूहिक पूजा का आयोजन किया जाएगा। समिति का मुख्य उद्देश्य बीआरबीएनएमपीएल टाउनशिप में शांति,सद्भाव,भाईचारा एवं मानव कल्याण के लिए पूजा पाठ के अलावे धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में मौके पे भंडारे के आयोजन से भूखे लोगों को खाना खिलाना शामिल है।

# मोरान पोलो मैदान तिलैनगर (पुराना एनएच-37) सड़क के चौड़ीकरण और फोरलेन निर्माण की मांग, राज्यसभा सांसद जुगेन मोहन ने नितिन गडकरी को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

**मोरानहाट, 24 जुलाई।** असम में सड़क संपर्क को अधिक सुदृढ़ और आधुनिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए राज्यसभा सांसद योगेन मोहन ने कल केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने मोरान पोलो मैदान से तिलैनगर (पुराना राष्ट्रीय राजमार्ग-37) तक सड़क के विस्तार तथा इसे फोरलेन मार्ग में विकसित करने की मांग को लेकर एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा। बैठक के दौरान सांसद योगेन मोहन ने केंद्रीय मंत्री के समक्ष इस सड़क की वर्तमान स्थिति, क्षेत्र में बढ़ते यातायात दबाव तथा भविष्य की आवश्यकताओं का विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मोरान पोलो मैदान से तिलैनगर तक का मार्ग स्थानीय लोगों, व्यापारिक गतिविधियों और क्षेत्रीय आवागमन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐसे में सड़क का चौड़ीकरण और इसे चार लेन में विकसित किया जाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने अपने ज्ञापन में कहा कि इस परियोजना के क्रियान्वयन से न केवल यातायात व्यवस्था अधिक सुरक्षित और सुगम होगी, बल्कि यात्रा समय में भी उल्लेखनीय कमी आएगी। साथ ही क्षेत्र में व्यापार, उद्योग, पर्यटन और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे, जिससे असम के समग्र विकास को गति मिलेगी। राज्यसभा सांसद योगेन मोहन ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के सकारात्मक सहयोग पर विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें पूरी आशा है कि केंद्र सरकार इस महत्वपूर्ण मांग पर गंभीरतापूर्वक विचार करेगी। उन्होंने कहा कि माननीय गडकरी के सहयोग से असम की परिवहन व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी तथा राज्य के बुनियादी ढांचे के विकास को नई दिशा मिलेगी। ज्ञात हो कि केंद्र सरकार देशभर में सड़क अवसंरचना के आधुनिकीकरण और राष्ट्रीय राजमार्गों के विस्तार पर विशेष जोर दे रही है। ऐसे में मोरान पोलो मैदान से तिलैनगर (पुराना एनएच-37) तक सड़क को फोरलेन में विकसित करने की यह मांग क्षेत्र के विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

# तेजपुर में श्री मारवाड़ी दुर्गा पूजा समिति की हुई बैठक

**तेजपुर, 24 जुलाई (ख.सं)।** श्री मारवाड़ी दुर्गा पूजा समिति की एक बैठक श्री मारवाड़ी पंचायती धर्मशाला प्रांगण में आयोजित की गयी। समिति के अध्यक्ष प्रमोद शर्मा की अनुपस्थिति मे वरिष्ठ उपाध्यक्ष दीनदयाल आसोपा की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक मे प्रत्येक वर्ष की भांति इस बार भी दुर्गा पूजा महोत्सव को धूमधाम से मनाने के लिए कई विषयों पर विस्तृत रूप से चर्चा की गयी। बैठक मे सचिव जीतू बोरड़, पूर्व अध्यक्ष प्रेम झंवर, पूर्व सचिव बिष्णु डागा, पूर्व कोषाध्यक्ष अरुण बाहेती, सलाहकार रामरतन पांड्या, के अलावा राजूशर्मा, आनंद शर्मा, जुगल पांड्या, प्रमोद बगड़ा, जीतेंद्र लढा, कामख्या पारीक, राजेश अग्रवाल आदि शामिल थे।

# श्रद्धा व उल्लास के साथ निकाली गयी भगवान जगन्नाथ की उल्टी रथ यात्रा

**कोकराझाड़, 24 जुलाई (ख.सं)।** कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम में आज भगवान जगन्नाथ की घर वापसी (बहुड़ा) रथ यात्रा पूरी श्रद्धा, उल्लास और भव्यता के साथ संपन्न हुई। फकीराग्राम के रेलवे कॉलोनी स्थित लोकनाथ बाबा मंदिर से रथ आयोजक समिति के तत्वावधान में आयोजित इस यात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। दोपहर चार बजे शुरू हुई इस रथ यात्रा में भगवान जगन्नाथ के दर्शन पाने के लिए भक्तों का तांता लगा रहा। पूरा क्षेत्र जय जगन्नाथ के उद्घोष से गूंज उठा और हर कोई भक्ति रस में सराबोर नजर आया। इस दौरान भक्तों में रथ की पवित्र रस्सी को खींचने के लिए होड़ मची रही। लोगों की अटूट मान्यता है कि रथ की रस्सी खींचने मात्र से मनुष्य के सभी कष्ट दूर

हो जाते हैं। रथ यात्रा का मार्ग फकीराग्राम बाजार के मुख्य मार्गों से होते हुए यह रथ यात्रा अपने निर्धारित पड़ाव से गुजरी। यात्रा सबसे पहले राधा-गोबिंदो मंदिर पहुंची, वहां से पुराणबाजार दुर्गा मंदिर होते हुए अंत में कुमारगंज में जाकर पूरी हुई। इस पावन अवसर पर स्थानीय निवासियों ने सेवा भाव का अनूठा उदाहरण पेश किया। चिलचिलाती और भीषण गर्मी के बीच यात्रा मार्ग पर जगह-जगह भक्तों के लिए शीतल जल, शरबत और पेयजल की विशेष व्यवस्था की गयी थी, जिसकी सभी ने भूरि-भरि प्रशंसा की। सुरक्षा के रहे पुख्ता इंतजाम रथ यात्रा के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। पूरे मार्ग पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गयी थी, ताकि श्रद्धालु बिना किसी असुविधा के शांतिपूर्ण ढंग से भगवान की एक झलक पा सकें और उत्सव हर्षोल्लास के साथ संपन्न हो सके।

**सिलचर से हमारे संवाददाता के अनुसार** भक्तिमय वातावरण में अंतर्राष्ट्रीय कृष्ण चेतना समाज द्वारा आज सिलचर में उल्टा रथ यात्रा या बहुदा यात्रा का आयोजन किया गया। रंगिरखारी से शुरू हुआ यह सुशोभित रथ शहर की विभिन्न महत्वपूर्ण सड़कों से होते हुए अंबिकापत्ती स्थित इस्कॉन मंदिर पहुंचा। हिंदू धर्म के सबसे पवित्र त्योहारों में से एक, बहुदा यात्रा, रथ यात्रा के नौ दिन बाद मनायी जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन भगवान जगन्नाथ, बलराम और सुभद्रा अपनी मौसी के घर से अपने मंदिरों में लौटते हैं। यह वार्षिक रथ यात्रा उत्सव के औपचारिक समापन का प्रतीक है। दूसरी ओर रथ यात्रा के अवसर पर रंगिरखारी से शुरू हुई शोभायात्रा में सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। पूरा इलाका हरिनाम संकीर्तन, भजन, ढोल करताल और जय जगन्नाथ के नारों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने रथ की रस्सियां खींचीं और श्री जगन्नाथ को अपना आदर और श्रद्धा अर्पित की। शहर के विभिन्न हिस्सों से गुजरने के बाद जुलूस अंबिकापत्ती स्थित इस्कॉन मंदिर पहुंचा, जहां विशेष प्रार्थनाओं, आरती और प्रसाद वितरण के साथ उल्टा रथ यात्रा का औपचारिक समापन हुआ। भक्तों की आस्था, बहुदा यात्रा में भागीदारी और भगवान जगन्नाथ के दर्शन जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लाते हैं।

# लमडिंग में भूमि हस्तांतरण को लेकर उठे सवाल, पुराने राजस्व अभिलेखों की जांच की मांग तेज

**लमडिंग, 24 जुलाई (ख.सं)।** होजाई जिले के लंका राजस्व चक्र अंतर्गत लमडिंग मौजा स्थित एक भूमि के हस्तांतरण से जुड़ा मामला इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। उपलब्ध राजस्व अभिलेखों के अध्ययन के बाद स्थानीय लोगों के बीच कई सवाल उठे हैं। इन अभिलेखों के अनुसार जिस भूमि का नामांतरण पहले रेमेल ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज लिमिटेड के पक्ष में दर्ज था, बाद के वर्षों में वही भूमि दो निजी व्यक्तियों के नाम राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज दिखाई देती है। इस घटनाक्रम के बाद लोगों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। हालांकि यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि अब तक किसी सक्षम न्यायालय, जांच एजेंसी अथवा सरकारी विभाग ने इस मामले में किसी भी प्रकार की अनियमितता या अवैध कार्य की पुष्टि नहीं की है। उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार लंका राजस्व चक्र के अंतर्गत जोरंगदिशा गांव स्थित लगभग 1 बीघा 4 कठा भूमि को 7 फरवरी 2012 को रेमेल ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा तत्कालीन भू-स्वामियों से खरीदा गया था। इसके बाद संबंधित राजस्व प्रक्रिया पूरी करते हुए म्यूटेशन केस संख्या 347/2011-12 के माध्यम से भूमि का नामांतरण कंपनी के पक्ष में दर्ज किया गया। बाद में सामने आए राजस्व अभिलेखों से पता चलता है कि वर्ष 2017 में म्यूटेशन केस संख्या 2232/2017 के तहत उसी भूमि का नामांतरण दो निजी व्यक्तियों के नाम पर दर्ज किया गया। यहीं से पूरे मामले ने नया मोड़ लिया और स्थानीय लोगों के बीच यह जिज्ञासा बढ़ी कि पहले से कंपनी के नाम दर्ज भूमि का बाद में नामांतरण किस प्रक्रिया के तहत किया गया तथा क्या उस समय लागू सभी नियमों और औपचारिकताओं का पालन किया गया था। भूमि कानून से जुड़े जानकारों का कहना है कि नामांतरण केवल राजस्व अभिलेखों को अद्यतन करने की प्रक्रिया होती है। इसका उद्देश्य भूमि कर और प्रशासनिक रिकॉर्ड को व्यवस्थित रखना है। केवल नामांतरण के आधार पर किसी व्यक्ति का स्वामित्व अंतिम रूप से सिद्ध नहीं होता। भूमि से जुड़े अधिकारों अथवा दस्तावेजों की वैधता का निर्णय केवल सक्षम न्यायालय या अधिकृत प्राधिकारी ही कर सकता है। रेमेल ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज लिमिटेड का नाम पहले भी राज्य में संचालित वित्तीय गतिविधियों के कारण सार्वजनिक चर्चा में रहा है। ऐसे में कुछ स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि किसी ऐसी कंपनी के नाम दर्ज भूमि का बाद में नामांतरण किया जाता है, तो संबंधित प्रक्रिया का पूर्ण रिकॉर्ड सार्वजनिक रूप से स्पष्ट होना चाहिए, जिससे भविष्य में किसी प्रकार का विवाद न रहे। इस मामले को लेकर स्थानीय नागरिकों ने कहा कि वे किसी व्यक्ति विशेष या सरकारी अधिकारी के खिलाफ आरोप नहीं लगा रहे हैं। उनकी मांग केवल इतनी है कि संबंधित राजस्व रिकॉर्ड की निष्पक्ष जांच कर यह स्पष्ट किया जाए कि नामांतरण की पूरी प्रक्रिया कानून के अनुरूप संपन्न हुई थी या नहीं। यदि सभी नियमों का पालन किया गया है, तो जांच से यह बात भी स्पष्ट हो जाएगी और अनावश्यक विवाद समाप्त हो जाएगा। विशेषज्ञों के अनुसार किसी भी भूमि के नामांतरण से पहले आवेदन, पंजीकृत विक्रय विलेख, सत्यापन रिपोर्ट, राजस्व अधिकारियों की संस्तुति तथा अन्य आवश्यक दस्तावेजों का परीक्षण किया जाता है। इसलिए इस मामले में भी वास्तविक स्थिति का पता तभी चल सकेगा जब संबंधित मूल सरकारी फाइलों और अभिलेखों की विस्तार से जांच की जाएगी। मामले के दौरान उस समय संबंधित राजस्व कार्यालय में कार्यरत अधिकारियों के नाम भी सार्वजनिक चर्चा में आए हैं। लेकिन यह उल्लेख करना आवश्यक है कि अब तक किसी विभागीय जांच या न्यायिक आदेश में किसी अधिकारी के खिलाफ कोई प्रतिकूल टिप्पणी या निष्कर्ष दर्ज नहीं किया गया है। इसलिए किसी भी अधिकारी की भूमिका पर अंतिम टिप्पणी करना उचित नहीं होगा। इसी प्रकार जिन व्यक्तियों के नाम बाद के नामांतरण रिकॉर्ड में दर्ज हैं, उनका उल्लेख केवल उपलब्ध सरकारी दस्तावेजों के संदर्भ में किया गया है। इस समाचार का उद्देश्य किसी व्यक्ति की छवि को प्रभावित करना या उनके खिलाफ कोई आरोप लगाना नहीं है। प्रत्येक नागरिक को कानून के अनुसार निष्पक्ष सुनवाई और अपना पक्ष रखने का अधिकार प्राप्त है। भूमि प्रशासन से जुड़े विशेषज्ञों का मानना है कि यदि किसी राजस्व अभिलेख को लेकर सार्वजनिक स्तर पर संदेह उत्पन्न होता है, तो प्रशासन द्वारा समय पर उसकी जांच किया जाना जनहित में होता है। इससे न केवल विवाद समाप्त होता है बल्कि सरकारी रिकॉर्ड की विश्वसनीयता भी बनी रहती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि जिला प्रशासन और राजस्व विभाग इस मामले की आधिकारिक जांच शुरू करते हैं, तो घटनाक्रम की पूरी सच्चाई सामने आ सकती है। इससे यह भी स्पष्ट होगा कि नामांतरण की प्रक्रिया पूरी तरह नियमों के अनुरूप हुई थी या फिर किसी स्तर पर अतिरिक्त जांच की आवश्यकता है। भूमि विशेषज्ञों के अनुसार राजस्व रिकॉर्ड केवल प्रशासनिक दस्तावेज होते हैं।